आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, गुरूवार
08 मई 2025
वर्षः 38, अंकः 156
पृष्ठः 12, मूल्यः 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

देश

जिन्ह मोहि मारा, तिन्ह मोहि मारे... ऑपरेशन सिंदूर पर बोले राजनाथ सिंह

झारखंड

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय धनबाद में किया गया पत्रकार सम्मेलन का आयोजन

हज़ारीबाग

पहलगाम आतंकी हमले के बदले में ऑपरेशन सिंदूर नारी शक्ति, सैन्य पराक्रम और राष्ट्र नेतृत्व का अद्वितीय संगम........

मोदी ने राष्ट्रपति मुर्मु से मिलकर ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर उन्हें भारतीय सेनाओं द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए चलाये गये ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन सचिवालय ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यह जानकारी देते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। इससे पहले प्रधानमंत्री ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता की और केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति की बैठक में भी इस पर चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकवादी हमले का करारा जवाब देते हुए भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 25 मिनट तक ताबड़तोड़ हमले कर नौ आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

शाह ने सीमावर्ती राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में सशस्त्र सेनाओं के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए पाकिस्तान की ओर से नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर की जा रही फायरिंग के मद्देनजर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सीमावर्ती राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बुधवार को यहां बैठक कर स्थिति की समीक्षा की।

सूत्रों के अनुसार बैठक में जम्मू कश्मीर, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के मुख्यमंत्रियों के अलावा पुलिस महानिदेशकों और मुख्य सचिवों ने भी हिस्सा लिया। सूत्रों ने बताया कि बैठक पाकिस्तान की ओर से नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर की जा रही फायरिंग में आम लोगों को निशाना बनाये जाने के मद्देनजर बुलायी गयी। बैठक में कहा गया है कि सीमावर्ती क्षेत्रों से आम लोगों को जल्द से जल्द सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया जाना चाहिए। श्री शाह ने सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक से भी इस बारे में बात की है। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से बौखालए पाकिस्तान की सेना नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर लगातार फायरिंग कर रही है जिसमें आम लोगों के हताहत होने की खबर है। भारतीय सेनाओं ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में चलाये गये ऑपरेशन सिंदूर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है।

उत्तराखंडः मुख्यमंत्री धामी ने चारधाम यात्रा और अहम प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अधिकारियों को वर्तमान परिस्थितियों के मददेनजर उत्तराखंड में जारी चारधाम यात्रा और प्रदेश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, बांधों तथा ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए। भारतीय सैन्य बलों द्वारा तड़के पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमला किए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की बैठक में वर्चुअल माध्यम से हिस्सा लेने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ये निर्देश दिए। प्रदेश के उच्चाधिकारियों के साथ यहां एक बैठक में मुख्यमंत्री ने शासन, और पुलिस को अलर्ट रहने के लिए कहा।

धामी ने कहा कि राज्य के अन्तरराष्ट्रीय सीमाओं से लगे सभी क्षेत्रों में सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता इंतजाम किए जाएं तथा सीमांत क्षेत्रों में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जाए। उन्होंने कहा कि इस समय राज्य में चारधाम यात्रा चल रही है, जिसके लिए देश-विदेश से लाखों तीर्थयात्री आ रहे हैं, इसलिए यात्रा मार्ग सहित चारों धामों में सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में राष्ट्रीय महत्व के कई प्रतिष्ठान हैं जिनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को अपने-अपने जिलों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने को कहा। उन्होंने किसी भी तरह की आपात स्थिति के लिए जिला और तहसील स्तर पर खाद्यान्न सहित आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाये रखने के लिए कहा।

ऑपरेशन सिंदूर

भारत ने लिया पहलगाम हमले का बदला, कई आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के करीब 9 घंटे बाद सरकार, सेना और एयरफोर्स के अफसरों ने घटना की जानकारी दी। बुधवार सुबह 10:30 बजे मीडिया ब्रीफिंग से पहले एयर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया। इसमें बताया गया कि मंगलवार रात 1:04 बजे से 1:28 बजे के बीच 24 मिनट में 9 टारगेट तबाह किए गए।

देश के इतिहास में पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी मौजूद थे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा- पहलगाम हमला कायरतापूर्ण था। इसमें परिवार के सामने लोगों की हत्या की गई, उनके सिर में गोली मारी गई। बचे हुए लोगों से कहा गया कि वे इस हमले का संदेश पहुंचाएं। पिछले साल सवा 2 करोड़ से ज्यादा पर्यटक कश्मीर आए थे। हमले का मकसद था कि कश्मीर के विकास और प्रगति को नुकसान पहुंचाकर पिछड़ा बनाए रखा जाए।

हमले का यह तरीका जम्मू-कश्मीर और देश में सांप्रदायिक दंगे फैलाने की कोशिश था। एक समूह ने खुद को TRF कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली। इसे UN ने प्रतिबंधित किया है और यह लश्कर से जुड़ा है।

पाकिस्तान स्थित समूहों के लिए कवर के तौर पर TRF का इस्तेमाल किया गया। पहलगाम हमले की जांच से पाकिस्तान के साथ आतंकवादियों के संपर्क उजागर हुए हैं। TRF के दावे और लश्कर के सोशल मीडिया पोस्ट इसे साबित करते हैं।

पहलगाम के हमलावरों की पहचान भी हुई है और भारत में सीमापार से आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तान का प्लान उजागर हुआ है। पाकिस्तान आतंकवादियों की शरण स्थली के रूप में पहचान बना चुका है। आतंकवाद के इस निंदनीय कार्य के अपराधियों को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता UN ने भी जताई थी।

पहलगाम में 22 अप्रैल के हमले के अपराधियों और इसकी प्लानिंग करने वालों को न्याय के कठघरे में लाना जरूरी था। वे इनकार करने और आरोप लगाने में ही लिप्त रहे हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तान से संबंधों को लेकर कुछ कदम भी उठाए हैं।

पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों के बारे में हमें सूचना मिली थी कि वे और हमले कर सकते हैं। इन्हें रोकना जरूरी था। हमने इन्हें रोकने के अधिकार का इस्तेमाल किया है। यह कार्रवाई नपी-तुली और जिम्मेदारीपूर्ण है। हमारा एक्शन आतंकवाद के इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने और आतंकियों को अक्षम बनाने पर केंद्रित है।

नौ ठिकानों में से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में

सूत्रों के मुताबिक, भारतीय सेना द्वारा सफलतापूर्वक निशाना बनाए गए नौ ठिकानों में से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हैं। पाकिस्तान में स्थित ठिकानों में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट शामिल हैं। आतंकी शिविरों को निशाना बनाने के लिए विशेष सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तीनों सेनाओं ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन को अंजाम दिया। भारतीय सेना ने भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित करने में उनकी भूमिका के लिए जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर के शीर्ष नेतृत्व को निशाना बनाने के इरादे से हमलों के लिए स्थान का चयन किया था।

अगर पाकिस्तान तनाव बढाएगा तो मिलेगा जवाबः डोभाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने बुधवार को विभिन्न देशों के अपने समकक्षों से बातचीत की। इस दौरान, डोभाल की बात चीनी विदेश मंत्री वांग यी से भी हुई। उन्होंने सभी देशों को अच्छी तरह से पाकिस्तान को लेकर समझाते हुए बताया कि भारत का तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान ऐसा करता है तो वह दृढ़ता से जवाबी कार्रवाई करने के लिए तैयार है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डोभाल ने अमेरिका, ब्रिटेन, सऊदी अरब और जापान में अपने समकक्षों को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे के खिलाफ भारत के मिसाइल हमलों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि डोभाल ने रूस और फ्रांस से भी संपर्क किया।

एक अधिकारी ने बताया, एनएसए ने अपने समकक्षों को भारत की कार्रवाई और हमले के तरीके के बारे में जानकारी दी, जो कि सटीक, गैर-उकसावे वाला और संयमित था। उन्होंने (डोभाल ने) इस बात पर जोर दिया कि भारत का तनाव बढ़ाने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अगर पाकिस्तान ऐसा फैसला करता है, तो वह दृढ़ता से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत द्वारा नौ स्थानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाए जाने के तुरंत बाद यह बातचीत हुई। डोभाल ने अमेरिकी एनएसए व विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ब्रिटेन के जोनाथन पॉवेल, सऊदी अरब के मुसैद अल ऐबन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एचएच शेख तहनून और जापान के मसाताका ओकानो से बात की। अधिकारी ने बताया, रूसी एनएसए सर्गेई शोइगु, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के राजनयिक सलाहकार के साथ भी संपर्क किया गया है। डोभाल आने वाले दिनों में अपने समकक्षों के साथ संपर्क करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर पर एक संयुक्त ब्रीफिंग में, जिसमें नौ आतंकवादी शिविरों को सटीक हमलों के साथ निशाना बनाया गया था, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादी हमला अत्यधिक बर्बरतापूर्ण था, जिसमें पीड़ितों को उनके परिवार के सामने और बहुत नजदीक से सिर पर गोली मारकर मार दिया गया था। उन्होंने कहा, परिवार के सदस्यों को जानबूझ कर हत्या के तरीके से आघात पहुंचाया गया था।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा प्रतिस्पर्धा नहीं, 'वसुधैव कुटुम्बकम' पर आधारितः मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा दूसरों से प्रतिस्पर्धा करने को लेकर नहीं है, बल्कि यह 'वसुधैव कुटुम्बकम' पर आधारित है यानी पूरी दुनिया एक परिवार है। वैश्विक शक्तियों के स्पेस एक्सप्लोरेशन में बढ़ती होड़ के बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस एक्सप्लोरेशन पर ग्लोबल कॉन्फ्रेंस (जीएलईएक्स 2025) को एक वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने स्पेस एक्सप्लोरेशन के माध्यम से सामूहिक विकास का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत का स्पेस विजन 'वसुधैव कुटुम्बकम' के प्राचीन ज्ञान पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि दुनिया एक परिवार है। हम न केवल अपने विकास के लिए प्रयासरत हैं, बल्कि वैश्विक ज्ञान को समृद्ध करने, आम चुनौतियों का समाधान करने और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का भी प्रयास करते हैं।÷ उन्होंने कहा कि भारत एक साथ सपने देखने, एक साथ निर्माण करने और एक साथ सितारों तक पहुंचने के लिए खड़ा है। उन्होंने विज्ञान और बेहतर कल के लिए साझा सपनों के निर्देशन का आह्वान करते हुए कहा ÷आइए हम एक साथ मिलकर स्पेस एक्सप्लोरेशन में एक नया अध्याय लिखें।÷

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ÷अंतरिक्ष सिर्फ एक गंतव्य नहीं है। यह जिज्ञासा, साहस और सामूहिक प्रगति की घोषणा है। भारतीय अंतरिक्ष यात्रा इसी भावना को दर्शाती है। 1963 में एक छोटे रॉकेट को लॉन्च करने से लेकर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनने तक, हमारी यात्रा शानदार रही है। हमारे रॉकेट पेलोड से कहीं ज्यादा ले जाते हैं। वे 1.4 बिलियन भारतीयों के सपनों को साथ लेकर चलते हैं।

उन्होंने सफल मंगल मिशन, चंद्रयान-1, चंद्रयान-2, चंद्रयान-3, क्रायोजेनिक इंजन लॉन्च और सैटेलाइट डॉकिंग जैसी अंतरिक्ष उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया और इन्हें 'महत्वपूर्ण वैज्ञानिक मील का पत्थर' करार दिया। उन्होंने इस साल के अपकमिंग मिशन ह्युमन स्पेस फ्लाइट मिशन 'गगनयान', इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए इसरो-नासा के संयुक्त मिशन, 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना और 2040 तक चंद्रमा मिशन जैसे आगामी मिशनों की भी घोषणा की।

पीएम मोदी ने कहा, ÷मंगल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं। एक्सप्लोरेशन के अलावा, देश की अंतरिक्ष यात्रा सशक्तीकरण को लेकर भी है।÷ उन्होंने कहा, ÷यह शासन को सशक्त बनाता है, आजीविका को बढ़ाता है और पीढ़ियों को प्रेरित करता है। मछुआरों को चेतावनी देने से लेकर गतिशक्ति प्लेटफॉर्म तक, रेलवे सुरक्षा से लेकर मौसम के पूर्वानुमान तक, हमारे सैटेलाइट हर भारतीय के कल्याण का ध्यान रखते हैं।÷

एयर स्ट्राइक के बाद LoC पर पाकिस्तान ने की भीषण गोलीबारी

15 नागरिकों की मौत की खबर, 57 हुए घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित गांवों को निशाना बनाकर भारी गोलाबारी की और मोर्टार गोले दागे जिसमें चार बच्चों एवं एक सैनिक सहित कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 57 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पार से गोलाबारी में तीव्र वृद्धि हुई है, जो छोटे हथियारों से लेकर भारी तोपखाने तक पहुंच गई है, पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा के पास रहने वाले नागरिक आबादी को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 15 लोग मारे गए और 57 घायल हो गए। जबकि कश्मीर घाटी के उरी और तंगधार सेक्टरों में भी भारी तोपखाने की गोलाबारी सुनी गई, सबसे खराब स्थिति जम्मू के पुंछ शहर में थी, जहां 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद पहली बार सार्वजनिक स्थानों के अलावा आवासीय और सरकारी भवनों पर भी तोपखाने के गोले गिरे।

पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित गांवों को निशाना बनाकर भारी गोलाबारी की और मोर्टार गोले दागे जिसमें चार बच्चों एवं एक सैनिक सहित कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 57 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना द्वारा यह गोलाबारी भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद की गई।

यह पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान की ओर से की गई भारी गोलाबारी में से एक है। पाकिस्तान की अंधाधुंध गोलाबारी में सैकड़ों निवासियों को भूमिगत बंकरों में शरण लेने या सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसा इसलिए क्योंकि इस गोलाबारी में मकान, वाहन और एक गुरुद्वारा सहित विभिन्न इमारतें नष्ट हो गईं। इससे सबसे अधिक प्रभावित पुंछ जिले और राजौरी तथा उत्तरी कश्मीर के बारामूला और कुपवाड़ा में सीमावर्ती निवासियों में दहशत उत्पन्न हो गई।

अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब दे रही है, जिसके परिणामस्वरूप दुश्मन पक्ष के कई लोग हताहत हुए हैं, क्योंकि गोलीबारी में शामिल उनकी कई चौकियां नष्ट कर दी गई हैं। दोनों देशों के बीच25 फरवरी, 2021 को संघर्षविराम समझौते के नवीनीकरण के बाद यह पहली बार है कि इतनी

देशभर में कई जगहों पर मॉक ड्रिल शुरू, युद्ध जैसी स्थिति से निपटने के लिए तैयारी हुई तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के रिश्तों में बढ़ते तनाव और संभावित हमले की आशंका के मद्देनजर आज देश भर में मॉक ड्रिल किया जा रहा है। बता दें कि, इसके लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से सभी राज्यों को निर्देश जारी किया गया था। जिसके बाद आज देश की राजधानी दिल्ली से लेकर मुंबई और मध्य प्रदेश से लेकर कर्नाटक तक नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल किया जा रहा है।

युद्ध और आपातकाल के दौरान की जाती है मॉक ड्रिल

बता दें कि, नागरिक सुरश्रा मॉक ड्रिल आमतौर पर युद्ध और आपातकाल की स्थिति में की जाती है। जिसमें आम नागरिकों को इस दौरान होने वाले संभावित खतरे से बचने और उनसे निपटने की ट्रेनिंग दी जाती है।

मॉक ड्रिल के लिए गृह मंत्रालय का निर्देश

गृह मंत्रालय की तरफ से मॉक ड्रिल वाली जगहों को तीन कैटेगरी के आधार पर बांटा गया है। जिसमें कैटेगरी-1 में सबसे संवेदनशील जगहें शामिल है, कैटेगरी -2 में संवेदनशील जगहें है और कैटेगरी -3 में कम संवेदनशील जगहों को रखा गया है।

दिल्ली आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 पर मॉक ड्रिल

केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय (एमएचए) के आदेश पर बुधवार को देशभर में मॉक ड्रिल (आपातकालीन अभ्यास) आयोजित किया गया। इस कड़ी में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के टर्मिनल 3 पर भी एक बड़ी मॉक ड्रिल की गई। ड्रिल के दौरान सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट स्टाफ ने मिलकर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया और यात्रियों को दिशा-निर्देश दिए कि ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए और क्या नहीं।

दिल्ली में मॉक ड्रिल के दौरान लोगों को सिखाई गई आपातकाल में बचाव की तैयारी

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के विभिन्न इलाकों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। पश्चिमी दिल्ली की जिलाधिकारी (डीएम) डॉ. किन्नी सिंह ने बताया कि डीएलएफ कैपिटल ग्रीन्स में मॉक ड्रिल की गई, जिसमें स्थानीय निवासियों को आपातकालीन हालात से निपटने की जानकारी दी गई। डॉ. सिंह ने आगे बताया कि लोगों को बताया गया कि संकट की घड़ी में क्या करना चाहिए, कहां शरण लेनी चाहिए और अफवाहों से कैसे बचा जाए। उन्हें सुरक्षित स्थानों और आश्रय स्थलों की जानकारी भी दी गई।

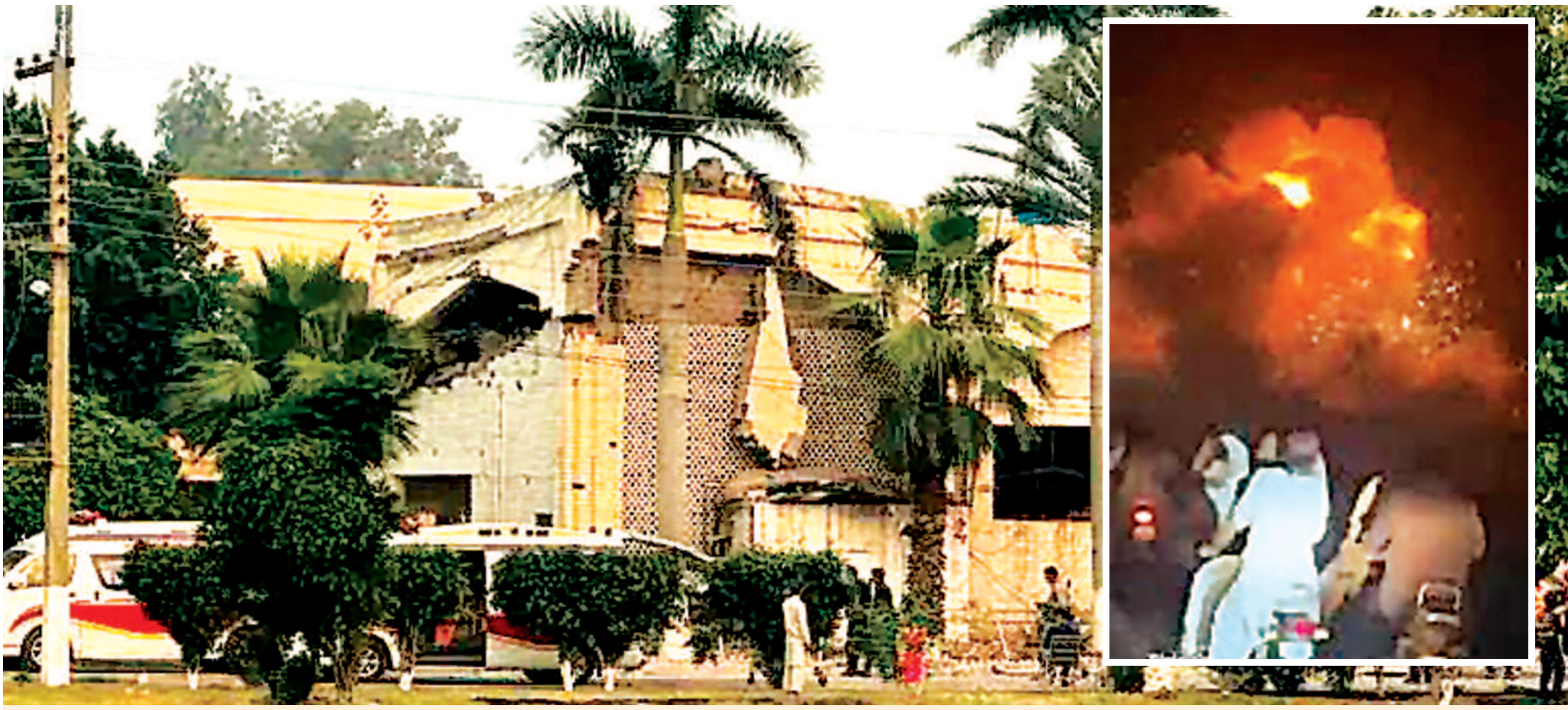

ऑपरेशन सिंदूरः आतंकी नेटवर्क के 9 ठिकानों को कैसे किया गया तबाह

ब्यूरो

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत सरकार की ओर से कर्नल सोफिया कुरैशी ने मीडिया ब्रीफिंग में बुधवार को कई खास बातें कहीं। लेकिन पूरा ऑपरेशन कैसे हुआ, उसकी उन्होंने कुछ जानकारियां मीडिया को दीं। लेकिन खुफिया सूत्र इस ऑपरेशन के बारे में और भी विस्तार से बता रहे हैं। बात शुरू करते हैं कर्नल सोफिया कुरैशी से। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया कि कैसे भारतीय सशस्त्र बलों ने गुलपुर आतंकी शिविर, कोटली को निशाना बनाया, जो एलओसी से 30 किलोमीटर दूर स्थित था और लश्कर-ए-तैबा का अड्डा था। यह शिविर राजौरी-पुंछ क्षेत्र में सक्रिय था। पुंछ में 20 अप्रैल, 2023 को हुए हमले और 9 जून, 2024 को तीर्थयात्रियों की बस पर हुए हमले में शामिल आतंकवादियों को इसी शिविर में प्रशिक्षित किया गया था। कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया, "पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया और उन्हें नष्ट कर दिया गया। उन्होंने बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला नहीं किया, सिर्फ आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया गया। 'ऑपरेशन सिन्दूर' के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ज्यादातर ठिकाने थे। भारत ने स्पष्ट किया है कि इन हमलों में कार्रवाई पूरी तरह आतंकवादी ढांचे पर केंद्रित थी। इन नौ ठिकानों का इस्तेमाल विभिन्न आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया जाता था, जिनका विवरण इस प्रकार है-

मरकज़ सुब्हान अल्लाह, बहावलपुर (पंजाब, पाकिस्तान) : यह जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय है, जिसे आतंकी सरगना मसूद अजहर संचालित करता है। इस ठिकाने का इस्तेमाल आतंकियों की भर्ती, प्रशिक्षण और हमलों की योजना बनाने के लिए किया जाता था। 2019 के पुलवामा हमले सहित कई बड़े आतंकी हमलों की साजिश यहीं रची गई थी। यहाँ जिहादी मदरसों के माध्यम से युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा सिखाई जाती थी।

मरकज़ तैय्यबा, मुरीदके (पंजाब, पाकिस्तान) : लश्कर-ए-तैबा का यह मुख्यालय हाफिज सईद द्वारा संचालित है। इस परिसर का उपयोग आतंकियों को सैन्य प्रशिक्षण देने, हथियारों का भंडारण करने और भारत में हमलों की योजना बनाने के लिए किया जाता था। 2008 के मुंबई हमले (26/11) की साजिश भी यहीं तैयार की गई थी। यह ठिकाना जिहादी प्रचार और भर्ती का प्रमुख केंद्र रहा है।

कोटली : कोटली में स्थित आतंकी शिविर का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैबा और हिज्बुल मुजाहिदीन द्वारा भारत में घुसपैठ के लिए आतंकियों को प्रशिक्षित करने के लिए किया जाता था। यहाँ से आतंकी जम्मू-कश्मीर में हमलों के लिए हथियार और विस्फोटक तस्करी की योजना बनाते थे।

मुजफ्फराबाद : यहां दो ठिकानों को निशाना बनाया गया, जो लश्कर-ए-तैबा और जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविरों के रूप में उपयोग किए जाते थे। इन शिविरों में आतंकियों को हथियार चलाने, विस्फोटक बनाने और गुरिल्ला युद्ध की ट्रेनिंग दी जाती थी। यहाँ से पहलगाम जैसे हमलों की साजिश रची गई थी।

चक अमरू (पंजाब, पाकिस्तान) : यह ठिकाना जैश-ए-मोहम्मद के लिए एक लॉजिस्टिक्स हब के रूप में काम करता था, जहाँ हथियारों और विस्फोटकों का भंडारण किया जाता था। यहाँ से आतंकी समूह भारत में हमलों के लिए सामग्री की आपूर्ति करते थे।

भिम्बर : भिम्बर में स्थित शिविर का उपयोग हिजबुल मुजाहिदीन और अन्य आतंकी समूहों द्वारा भारत में घुसपैठ और हमलों की योजना बनाने के लिए किया जाता था। यह ठिकाना सीमा पार आतंकवाद के लिए एक प्रमुख लॉन्च पैड था।

गुलपुर : गुलपुर में आतंकी शिविर का इस्तेमाल आतंकियों को गुरिल्ला युद्ध और विस्फोटक हमलों की ट्रेनिंग देने के लिए किया जाता था। यहाँ से जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए निर्देश दिए जाते थे।

सियालकोट (पंजाब, पाकिस्तान) : सियालकोट में एक आतंकी ठिकाने को निशाना बनाया गया, जो लश्कर-ए-तैयबा के लिए हथियारों और धन की तस्करी का केंद्र था। यहाँ से भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिंग और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट प्रदान किया जाता था।

मुजफ्फराबाद (दूसरा ठिकाना): मुजफ्फराबाद का दूसरा ठिकाना जैश-ए-मोहम्मद और अन्य आतंकी समूहों के लिए एक कमांड सेंटर के रूप में काम करता था। यहाँ से आतंकी हमलों की रणनीति तैयार की जाती थी और भारत में सक्रिय आतंकियों को निर्देश दिए जाते थे।

आतंकी गतिविधियों का स्वरूप : ये नौ ठिकाने आतंकी संगठनों जैसे जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैबा और हिजबुल मुजाहिदीन के लिए बहुआयामी गतिविधियों के केंद्र थे। इनका इस्तेमाल इन गतिविधियों के लिए किया जाता था।

आतंकियों की भर्ती और प्रशिक्षण : युवाओं को कट्टरपंथी विचारधारा के साथ सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था।

हमलों की योजनाः पहलगाम, पुलवामा और मुंबई जैसे बड़े हमलों की साजिश इन ठिकानों से रची गई।

हथियार और विस्फोटक आपूर्ति : भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए हथियार, विस्फोटक और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट प्रदान किया जाता था।

घुसपैठ और सीमा पार आतंकवाद : जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ और हमलों के लिए लॉन्च पैड के रूप में उपयोग।

फंडिंग और प्रचार : आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने और जिहादी प्रचार के लिए मदरसों और अन्य सुविधाओं का उपयोग।

पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों से दूरी : भारत ने अपनी कार्रवाई में अत्यधिक संयम बरता और स्पष्ट किया कि किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया, हमारी कार्रवाई केंद्रित, संयमित और गैर-उत्तेजक थी। कोई भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा निशाना नहीं बनी। भारत ने लक्ष्यों के चयन और कार्रवाई के तरीके में काफी संयम दिखाया है। यह कदम भारत की नीति को दर्शाता है कि वह आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा, लेकिन अनावश्यक सैन्य टकराव से बचना चाहता है।

ऑपरेशन की तकनीक और रणनीति : भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना ने संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, जिसमें स्कैल्प क्रूज मिसाइल, हैमर स्मार्ट बम और लॉइटरिंग म्यूनिशन्स जैसे अत्याधुनिक हथियारों का उपयोग किया गया। हमलों के लिए सटीक निर्देशांक भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ द्वारा प्रदान किए गए थे। भारतीय बलों ने केवल भारतीय क्षेत्र से ही हमले किए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप हो। ऑपरेशन सिन्दूर के तहत निशाना बनाए गए नौ ठिकाने आतंकवाद के लिए एक सुनियोजित नेटवर्क का हिस्सा थे, जो भारत के खिलाफ हमलों की साजिश रचते थे। भारत की इस कार्रवाई ने आतंकवाद के खिलाफ उसकी जीरो टॉलरेंस नीति को फिर से रेखांकित किया है। साथ ही, पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना न बनाकर भारत ने वैश्विक समुदाय को यह संदेश दिया कि उसका उद्देश्य केवल आतंकवाद को खत्म करना है, न कि युद्ध को बढ़ावा देना।

क्या है 'आत्मघाती ड्रोन्स', जिसने बाज की तरह झपटकर भारत के दुश्मनों का किया सफाया

भारत ने बुधवार पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने लोइटरिंग म्यूनिशन या आत्मघाती ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना ने समन्वय तरीके से काम करते हुए पूरी सटीकता से आतंकी ठिकानों पर हमला किया। हमले के लिए भारतीय खुफिया एजेंसियों ने आतंकी ठिकानों की सूचना दी। इस पूरी कार्रवाई को भारतीय सीमा से ही अंजाम दिया गया।

क्या हैं आत्मघाती ड्रोन्स? : लोइटरिंग म्यूनिशन को आत्मघाती या कामीकेज ड्रोन्स भी कहा जाता है। ये अनमैन्ड एरियल हथियार हैं। इनकी खासियत ये है कि ये अपने टारगेट के ऊपर आसमान में मंडराते रहते हैं और कमांड मिलते ही दुश्मन के ठिकाने को तबाह कर देते हैं। ये अपनी सटीकता के लिए जाने जाते हैं। आत्मघाती ड्रोन्स का साइज, पेलोड और वारहेड अलग-अलग हो सकते हैं। लोइटरिंग म्यूनिशन एक ही बार के लिए इस्तेमाल होते हैं क्योंकि ये अपने टारगेट के साथ ही फटकर तबाह हो जाते हैं। आत्मघाती ड्रोन्स का इस्तेमाल पहली बार साल 1980 में हुआ था, लेकिन 1990 और 2000 के दशक में इनका इस्तेमाल बढ़ा। यमन, इराक, सीरिया और यूक्रेन की लड़ाई में इन ड्रोन्स का इस्तेमाल खूब हुआ है। साल 2021 में व्यापारिक जहाजों को भी आत्मघाती ड्रोन्स से निशाना बनाया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया है, जिनमें बहावलपुर में जैश ए मोहम्मद के ठिकाने, मुरीदके में लश्कर ए तैयबा के ठिकाने और चक अमरू, सियालकोट, भीमबेर, गुलपुर, कोटली, बाघ और मुजफ्फराबाद के इलाके शामिल हैं। इस दौरान पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर कोई हमला नहीं किया गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार तड़के 1.44 बजे ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी दी।

क्यों जरूरी थी यह कार्रवाई? : 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला हुआ। उसमें 25 पर्यटकों और एक नेपाली नागरिक की जान गई थी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत इसका जवाब देगा। इसके बाद 29 अप्रैल को सेना के तीनों प्रमुखों, सीडीएस और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार समेत वरिष्ठ मंत्रियों के साथ हुई बैठक में भी प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का जवाब किस तरह होगा और कब होगा, यह तय करने के लिए सेना को खुली छूट दी गई है। इसके बाद यह तय हो गया था कि भारत जल्द कार्रवाई करेगा।

जैश प्रमुख मसूद अज़हर के परिवार के 10 लोग और 4 सहयोगी मारे गए

ब्यूरो

बीबीसी और ब्लूमबर्ग के मुताबिक मौलाना मसूद अज़हर के परिवार के 10 लोग और 4 सहयोगी मारे गए हैं। यह दावा उसने खुद किया है। लेकिन इस दावे की पुष्टि होना बाकी है। मोस्ट वॉन्टेड आतंकी मसूद अज़हर जैश ए मोहम्मद का प्रमुख है। भारत ने पीओके और अन्य जगहों पर जिस 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया है, उसमें जैश-ए-मोहम्मद (खीट) के सरगना मसूद अज़हर के परिवार के 10 सदस्यों और 4 करीबी सहयोगियों के मारे जाने की खबर है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है। बीबीसी और ब्लूमबर्ग ने यह खबर दी है। जिसमें ऐसा दावा खुद मसूद अज़हर ने किया है। मसूद अज़हर वही मोस्ट वॉन्टेड आतंकी है, जिसे अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय एक फ्लाइट का अपहरण कर आतंकियों ने भारत की कैद से छुड़ाया था। भारत ने इस आतंकी को कंधार (अफगानिस्तान) में आतंकियों के हवाले किया था। बीबीसी के मुताबिक बहावलपुर में मसूद अजहर से जुड़े एक मदरसे पर सटीक मिसाइल हमला किया गया, जो जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख केंद्र माना जाता है। इस हमले में मसूद अज़हर की बड़ी बहन और अन्य परिवार के सदस्यों सहित उनके करीबी सहयोगियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि, मसूद अजहर की स्थिति के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने मंगलवार-बुधवार रात 1.05 बजे पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जैश, लश्कर-ए-तैबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ आतंकी शिविरों पर हमला किया। इसी हमले में मसूद अज़हर का मदरसा भी निशाना बना। बीबीसी उर्दू ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख के बयान का हवाला देते हुए बताया कि मारे गए लोगों में अजहर की बड़ी बहन और उसका पति, उसका भतीजा और उसकी पत्नी, एक और भतीजी और उसके परिवार के पांच बच्चे शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि अज़हर का एक करीबी सहयोगी और उसकी मां तथा दो अन्य करीबी सहयोगी भी भारतीय हमलों में मारे गए। बहावलपुर पाकिस्तान का 12वां सबसे बड़ा शहर है और लाहौर से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। वहां के वीडियो से पता चलता है कि मस्जिद वाला सुभान अल्लाह कैंप मलबे में तब्दील हो गया है। सुभान अल्लाह कैंप के अंदर मस्जिद के अवशेष बड़े-बड़े गड्ढे और हर जगह मलबा है। 18 एकड़ में फैले इस कैंप को उस्मान-ओ-अली कैंपस के नाम से भी जाना जाता है, जो जैश-ए-मोहम्मद की भर्ती, धन उगाहने और कट्टरपंथियों को भड़काने का केंद्र है। हमलों में मुरीदके में एक और मस्जिद - मस्जिद वा मरकज तैबा भी शामिल है - जो जैश-ए-मोहम्मद का एक और गढ़ है। भारतीय हमलों में बहावलपुर और मुरीदके में लगभग 30 आतंकवादी मारे गए। जबकि अधिकारी अभी भी अन्य स्थानों पर मारे गए आतंकवादियों की संख्या की पुष्टि कर रहे हैं, बताया जाता है कि 70 से 80 के बीच आतंकवादी मारे गए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। उन्होंने कहा, "भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए यह कार्रवाई की है, जो पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों से बात की और ऑपरेशन की सफलता पर संतोष जताया। मसूद अजहर, जैश-ए-मोहम्मद का संस्थापक और संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित वैश्विक आतंकवादी, भारत में कई बड़े आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड रहा है। इनमें 2001 का संसद हमला, 2016 का पठानकोट हमला और 2019 का पुलवामा हमला शामिल है, जिसमें 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हुए थे। बहावलपुर में जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह परिसर, जिसे उस्मान-ओ-अली कैंपस के नाम से भी जाना जाता है, जैश का प्रमुख भर्ती और प्रशिक्षण केंद्र है। माना जाता है कि मसूद अजहर बहावलपुर में ही रहता है और पाकिस्तानी सेना की सुरक्षा में है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले को "युद्ध की कार्रवाई" करार देते हुए इसे "निंदनीय" बताया।

"इस हमले में मसूद अज़हर की बड़ी बहन और अन्य परिवार के सदस्यों सहित उनके करीबी सहयोगियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि, मसूद अजहर की स्थिति के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है। बीबीसी उर्दू की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने मंगलवार-बुधवार रात 1.05 बजे पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में जैश, लश्कर-ए-तैबा और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ आतंकी शिविरों पर हमला किया। इसी हमले में मसूद अज़हर का मदरसा भी निशाना बना। बीबीसी उर्दू ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख के बयान का हवाला देते हुए बताया कि मारे गए लोगों में अजहर की बड़ी बहन और उसका पति, उसका भतीजा और उसकी पत्नी, एक और भतीजी और उसके परिवार के पांच बच्चे शामिल हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बदले में ऑपरेशन सिंदूर नारी शक्ति, सैन्य पराक्रम और राष्ट्र नेतृत्व का अद्वितीय संगमः मनीष जायसवाल

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने पहलगाम आतंकी हमले के उपरांत भारत सरकार एवं सेना की त्वरित, सटीक और निर्णायक कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि यह जवाब निश्चित था। यह समय का प्रश्न नहीं, संकल्प का विषय था। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सैन्य ऑपरेशन नहीं, बल्कि यह भारत की अस्मिता पर किए गए प्रहार का करारा उत्तर है। ऑपरेशन सिंदूर यह नाम ही स्वयं गवाह देता है कि यह कार्रवाई उन वीर नारियों को समर्पित है, जिनके माथे से सिंदूर मिट गया। यह एक भावनात्मक प्रतिकार है, जो संकेत करता है कि अब भारत केवल आँसू नहीं बहाता, वह बदला भी लेता है वह भी दुश्मन की धरती पर। सांसद श्री जायसवाल ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि पहले के सैन्य अभियानों की भांति यह कार्यवाही कश्मीर क्षेत्र तक सीमित नहीं रही। इस बार भारतीय सेना ने पाकिस्तान के आतंकी बाहुल्य क्षेत्र घुसकर सफल ऑपरेशन करके यह सिद्ध कर दिया कि भारत की सैन्य क्षमता अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि जहाँ से खतरा उत्पन्न होता है, वहाँ जाकर उसे जड़ से समाप्त करना हमारी नीति बन चुकी है। उन्होंने भारतीय सेना की वीरता को नमन करते हुए कहा कि हमारी सेना पहले भी सीना तानकर लौटी थी, और अब भी लौटी है लेकिन दुश्मन का सीना चीरकर। यह केवल हथियारों की लड़ाई नहीं, बल्कि अदम्य साहस,अनुशासन और मातृभूमि के प्रति समर्पण की लड़ाई है और इसमें हमारी सेना सर्वोपरि है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि देश को ऐसा नेतृत्व मिला है जिसने दुनिया को यह बता दिया कि भारत अब सहनशीलता की सीमा पार नहीं करेगा। सेना को आधुनिक हथियारों से सज्जित करने, त्वरित निर्णय लेने और वैश्विक मंच पर भारत की ताकत को स्थापित करने में श्री मोदी की भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्हें नमन। इस अभियान की विशेषता यह रही कि इसे दो महिला अधिकारियों ने नेतृत्व दिया। श्री जायसवाल ने गर्व के साथ कहा की यह केवल ऑपरेशन सिंदूर नहीं, बल्कि नारी शक्ति का प्रतीक बन गया है। इन वीरांगनाओं ने दिखा दिया कि भारत की बेटियाँ अब केवल सीमाओं की रक्षक नहीं, बल्कि शत्रु की सीमाएँ लांघकर इतिहास रचने वाली शक्तियाँ हैं। इस अनुपम संगम को मैं नमन करता हूँ। यह भारत की नई शक्ति का उदय है जहाँ नारी नेतृत्व भी रणभूमि में विजय का झंडा फहरा रहा है। यह भारत के हर नागरिक के लिए गर्व का क्षण है। यह केवल बदले की कहानी नहीं, बल्कि भरोसे की पुष्टि है कि जब भी कोई भारत माता की ओर आँख उठाएगा, वह आँख हमेशा के लिए बंद कर दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल से मिले सांसद मनीष जायसवाल, विभावि के कुलपति नियुक्ति के लिए जताया आभार

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। बुधवार को हजारीबाग लोक सभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने झारखंड की राजधानी रांची स्थित राजभवन पहुंचकर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें विनोबा भावे विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति की नियुक्ति करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उल्लेखनीय है कि सांसद मनीष जायसवाल ने बीते 4 मार्च को राज्यपाल से मिलकर विनोबा भावे विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति की नियुक्ति की मांग की थी। जिसके पश्चात प्रो. चंद्र भूषण शर्मा को विभावि का कुलपति नियुक्त किया गया है। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि छात्रहित में यह निर्णय बेहद महत्वपूर्व है और इससे न सिर्फ़ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूती मिलेगी बल्कि छात्रों को भी नई दिशा और प्रेरणा मिलेगी।

सरना धर्म कोड की मांग को लेकर 9 मई को जिला मुख्यालय में झामुमो देगा धरना

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव
बड़कागांव। केंद्र सरकार से आदिवासी सरना धर्म कोड की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा हजारीबाग जिला मुख्यालय में 9 मई को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा। तथा केंद्र सरकार से जातीय जनगणना कराने के पूर्व सरना धर्म कोड की मांग की जाएगी । प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया एवं बड़कागांव झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष सह श्रमिक संघ जिला सचिव संजय सिंह ने कहा की आदिवासी धरना कोड की मांग को लेकर 5 वर्ष पूर्व ही झारखंड विधानसभा से पास कर मंजूरी दिलाने के लिए केंद्र सरकार के पास भेजी गई है परंतु अब तक आदिवासी सरना धर्म कोड नहीं मिलना झारखंड के आदिवासियों का अपमान है ।जब तक आदिवासी सरना धर्म कोड केंद्र सरकार के द्वारा नहीं दी जाती है तब तक जातिय जनगणना का विरोध जारी रहेगा।

ऑपरेशन सिंदूर पर भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने भारतीय सेना की वीरता को सराहा

● भारतीय सेना के साहसिक कदम और केंद्र सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूंः प्रदीप प्रसाद

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को नष्ट करने वाले ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने गहरी संतुष्टि और गर्व व्यक्त किया। इस कार्रवाई को लेकर उन्होंने भारतीय सेना की वीरता की सराहना करते हुए कहा कि यह न केवल भारतीय सेना का पराक्रम है, बल्कि यह केंद्र सरकार की कड़ी और निर्णायक कार्रवाई का परिणाम भी है, जो देश को आतंकवादियों और पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली घुसपैठ से बचाने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। भा.ज.पा. विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा आज भारतीय सेना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को नष्ट करना यह दिखाता है कि हमारी सेना किसी भी सूरत में हमारे देश की सुरक्षा से समझौता नहीं करेगी। मैं भारतीय सेना को धन्यवाद देता हूं और उनके साहस को सलाम करता हूं। उन्होंने केंद्र सरकार की कड़ी नीतियों और देश के प्रति उनके समर्पण की भी सराहना की। विधायक ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ जो निर्णायक कदम उठाया है, वह ऐतिहासिक है। यह कार्रवाई उन आतंकियों और पाकिस्तान के लिए चेतावनी है जो भारत की सीमा में घुसपैठ करने का दुस्साहस करते हैं। अब भारत किसी भी प्रकार की घुसपैठ या आतंकवाद से घबराने वाला नहीं है। प्रदीप प्रसाद ने आगे कहा कि इस समय पूरे देश में एकजुटता का माहौल है। उन्होंने देश के हर नागरिक, हर समुदाय और हर धर्म के लोगों की सराहना की, जिन्होंने इस कार्रवाई का समर्थन किया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हुए। हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो या ईसाई, सभी भारतीयों ने एक आवाज में यह संदेश दिया है कि हम आतंकवाद और पाकिस्तान समर्थित साजिशों के खिलाफ खड़े हैं. उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का भी जिक्र किया, जिसमें 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। यह हमला केवल निर्दोष नागरिकों के जीवन के साथ नहीं बल्कि देश की शांति और सुरक्षा के लिए भी एक बड़ा खतरा था। इस हमले में एक नेपाली नागरिक की भी जान गई थी। आतंकियों ने बिना किसी कारण के निर्दोष लोगों को निशाना बनाया, जो पूरे देश के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की यह समय था जब भारत को इस हमले का कड़ा जवाब देना था और भारतीय सेना ने उसे पूरी तरह से निभाया। इस सैन्य कार्रवाई से यह साफ संदेश जाता है कि जब भी हमारी धरती पर आतंक का कोई भी हाथ उठेगा, भारतीयसेना उसे नष्ट करने में पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अब देश के प्रत्येक नागरिक को यह समझने की आवश्यकता है कि भारतीय सेना और सरकार की यह कार्रवाई किसी भी तरह की आतंकवादी गतिविधियों के लिए एक कड़ी चेतावनी है। यह कार्रवाई न केवल बदला है, बल्कि यह भविष्य में ऐसे आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए एक मजबूत कदम है।

डीडीसी ने समाज कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक की

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। उपायुक्त नैन्सी सहाय एवं विभागीय निर्देशानुसार बुधवार को समाहरणालय सभागार में डीडीसी इश्तियाक अहमद की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती शिप्रा सिन्हा भी मौजूद रही। बैठक में उप विकास आयुक्त ने पोषण ट्रैकर ऐप में लाभार्थियों का आधार सत्यापन, पोषण ट्रैकर ऐप में लाभार्थियों को फेस ऑथेंटिकेशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में एमआईएस एवं सीएएस की प्रगति प्रतिवेदन, सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र का गूगल शीट एवं फॉर्मेट ए तथा बी, आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली एवं गैस कनेक्शन संबंधी प्रतिवेदन, जर्जर आंगनबाड़ी केंद्र भवन की सूची, पोषण वाटिका का अद्यतन प्रतिवेदन, पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान संबंधी प्रतिवेदन एवं बंद विद्यालय की सूची से संबंधित मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।
बैठक में डीडीसी ने कहा की पीएम जनमन के तहत जहां आंगनबाड़ी केंद्र चल रही है या जहां आंगनबाड़ी केंद्र नहीं है वहां जगह चयन करके नए आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण किया जाएगा। नए आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका, सहायिका का भी चयन किया जाएगा। उन्होंने मर्ज किए गए विद्यालयों में आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन एवं स्कूल कैंपस में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों से सबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। साथ ही उन्होंने पोषक क्षेत्र के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र चिन्हित करने का निर्देश दिया।
बैठक में डीडीसी ने सभी सेविका एवं सहायिका को आयुष्मान कार्ड अविलंब बना लेने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विभागीय कार्यो एवं प्रतिवेदनों का समय पर निष्पादन करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को पोषण ट्रैकर ऐप में लाभार्थियों का आधार सत्यापन करने एवं लाभार्थियों का फेस ऑथेंटिकेशन करने और लंबित मामलों को यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।

भारतीय सेना की आतंकियों के ऊपर ऑपरेशन सिंदूर कार्रवाई पर जदयू नेता राकेश गुप्ता ने जमकर किया प्रशंसा

● भारतीय सेना एवं केंद्र सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं, उनके जज्बे को हम सलाम करते हैंः राकेश गुप्ता

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। भारतीय सेना की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के ठिकानों को नष्ट किया गया है। जदयू नेता सह समाजसेवी राकेश गुप्ता ने भारतीय सेना एवं केंद्र सरकार की इस कार्रवाई की जमकर प्रशंसा किया। सेना के साहसिक कदम को सलाम किया। जदयू नेता सह समाजसेवी राकेश गुप्ता ने कहा कि मैं भारतीय सेना को धन्यवाद देना चाहता हूं। उनके जज्बे को हम सलाम करते हैं। केंद्र सरकार एवं भारतीय सेना की बहादुरी ने आतंकियों की नींव हिला दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के सभी धर्मों और सभी समुदायों के लोग भारत सरकार के हर कदम के साथ हैं। देश के युवा और देश के हर तबके के लोग आतंकियों और पाकिस्तान समर्थित षड्यंत्रकारियों के खिलाफ हैं।
गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आंतकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इस आतंकी हमले के दौरान एक कश्मीरी और एक नेपाली नागरिक की भी जान चली गई थी। आतंकियों ने लोगों से उनका नाम पूछकर गोली मारी थी और तब से ही पूरे देश में एक अलग तरह का उबाल था। चाहे हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो या ईसाई हो, सभी भारतीयों ने एक स्वर में भारत सरकार से मांग की थी।

शिक्षाशास्त्र विनोबा भावे विश्वविद्यालय में रवीन्द्रनाथ टैगोर की जयंती का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विश्वविद्यालय शिक्षाशास्त्र विनोबा भावे विश्वविद्यालय के तत्वाधान में बुधवार को रविन्द्रनाथ टैगोर की जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. सुकल्याण मोइत्रा द्वारा की गई। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. मोइत्रा द्वारा रवीन्द्रनाथ टैगोर जी की साहित्यिक दर्शन के बारे वक्तव्य दिया गया साथ ही रवीन्द्रनाथ टैगोर जी के शिक्षा में भाव एवं मानवता के संदर्भ सूक्ष्म तत्वों की बातों पर अपना विचार प्रदान करते हुए नवीन जानकारियों को रखा ।कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता डॉ. प्रमोद कुमार ने अपने अभिभाषण में रवीन्द्रनाथ टैगोर जी की जीवनी एवं शैक्षिक दर्शनों पर प्रकाश डाला, साथ ही साथ उन्होंने रवीन्द्रनाथ टैगोर जी का हज़ारीबाग़ से संबंधों एवं इसकी ऐतिहासिकता की वृहद् जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुरुआत विभाग के वरीय शिक्षक डॉ. मृत्युंजय प्रसाद द्वारा विषय प्रवेश करवाया गया।
कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. विनीता बंकिरा एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमिता कुमारी द्वारा किया। इस अवसर पर विभाग के सभी सभी प्राध्यापक डॉ. रजनीश कुमार, सुश्री शालिनी अवधिया, डॉ. कुमारी भारती, डॉ. चौधरी प्रेम प्रकाश आदि उपस्थित रहे । कार्यक्रम को सफल बनाने में एम. एड. सत्र 2023-25 के प्रशिक्षुओं की भूमिका अद्वितीय रही।

ऑपरेशन सिंदूर ऑपरेशन न केवल आतंक के विरुद्ध कार्रवाई है, बल्कि एक स्पष्ट संदेश है कि भारत अब हर हमले का उत्तर देगाः मुन्ना सिंह

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। भारत द्वारा हाल ही में सीमापार आतंकी ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने सरकार के निर्णय को पूरी तरह उचित, मर्यादित और राष्ट्रहित में उठाया गया साहसी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि देश की संप्रभुता पर हमले का जो माक़ूल उत्तर दिया गया है, वह न केवल भारत की रणनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है, बल्कि आतंकवाद के प्रति भारत की शून्य सहनशीलता की नीति को भी स्पष्ट करता है। मुन्ना ने अपने वक्तव्य में कहा, यह जवाब किसी आक्रोश या उकसावे की भावना से नहीं, बल्कि ठोस खुफिया इनपुट, सुरक्षा सिद्धांतों और देशहित को सर्वोपरि रखते हुए दिया गया है। हमारी सेनाओं ने आतंकियों के ठिकानों और उनके लॉजिस्टिक नेटवर्क को लक्षित कर एक संतुलित, निर्णायक और सीमित अभियान चलाया। कांग्रेस नेता ने विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए इसे भारत की सैन्य और खुफिया क्षमताओं का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, ÷यह ऑपरेशन न केवल आतंक के विरुद्ध कार्रवाई है, बल्कि एक स्पष्ट संदेश है कि भारत अब हर हमले का उत्तर देगा – दृढ़ता से और मर्यादा के साथ। भारतीय सेना के साहस और अनुशासन की सराहना करते हुए मुन्ना सिंह ने कहा, हमारी सेनाएँ सिर्फ बंदूक नहीं चलातीं, वे भारत की अस्मिता, अखंडता और आत्मा की रक्षा करती हैं। मैं इन वीर सैनिकों को कोटिशः नमन करता हूँ, जिन्होंने फिर एक बार राष्ट्र को गौरव प्रदान किया है। उन्होंने आगे कहा कि भारत सदैव शांति का पक्षधर रहा है, किंतु शांति की कीमत पर कायरता कभी स्वीकार नहीं की जा सकती। आज का भारत नये आत्मविश्वास, रणनीतिक स्पष्टता और वैश्विक ज़िम्मेदारी के साथ आगे बढ़ रहा है। अंत में, कांग्रेस नेता ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी अपील की कि वह आतंक के विरुद्ध भारत की इस निर्णायक और मर्यादित पहल को वैश्विक शांति और मानवता के हित में आवश्यक कदम के रूप में देखे और भारत के साथ खड़ा हो।

बड़कागांव में रोज लग रही है सड़क जाम ग्रामीणों को हो रही है परेशानी

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। इन दिनों बड़का गांव मुख्य चौक चौराहे पर नो एंट्री के बावजूद भारी वाहनों का प्रवेश हो जाने के कारण हमेशा सड़क जाम से लोगों को जूझना पड़ रहा है। इतना ही नहीं बारूद भरी दर्जन भर से अधिक वाहनों का आवागमन भरी आबादी वाली चौक चौराहे से हो रहा है। कभी भी बड़ी हादसा हो सकती है। ज्ञात हो कि 4 महीना पूर्व बड़कागांव दैनिक बाजार के पास बारूद भरी वाहन के टायर में आग लग जाने की घटना हुई थी परंतु तुरंत अग्निशमन वाहन और पुलिस समय पर पहुंच कर स्थिति को काबू में पाया और घटना होने से रोक दिया। अन्यथा बहुत बड़ी घटना हो सकती थी जिसकी लोगों ने कल्पना नहीं की थी। जिला प्रशासन को इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है बारूद भरी वाहनों को एक अलग मार्ग से ले जाने की जरूरत है। चौक चौराहे से बारूद की वाहन का आवागमन होने से स्थानीय ग्रामीणों को दुर्घटना का भय सता रहा है। कई बार रोड किनारे मोटरसाइकिल वाहन खड़ा कर दी जा रहा है तथा बीच में भारी वाहन घुस जा रहा है जिसके कारण सड़क जाम भी देखी जा रही है। स्थानीय पुलिस प्रशासन को इस ओर विशेष ध्यान देते हुए बार-बार हो रही सड़क जाम से निजात दिलाने की आवश्यकता है। ज्ञात हो की पूर्व डीसी रविशंकर शुक्ल के द्वारा बड़का गांव में सुबह 6:00 बजे से लेकर रात्रि 9:00 बजे तक भारी वाहनों का नो एंट्री था। परंतु उनके जाने के बाद वाहन मालिकों के द्वारा नो एंट्री का घोर उल्लंघन किया जा रहा है। इस पर प्रशासन को काबू पाने की जरूरत है।

पहलगाम में आंतकी हमला में पर्यटकों की निर्मम हत्या पर मिला न्याय, मोदी सरकार एवं भारतीय सेना को सहृदय धन्यवादः शेफाली गुप्ता

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। मोदी सरकार एवं भारतीय सेना की बहादूरी ने आतंकियों के ऊपर सिंदूर ऑपरेशन चलाकर नौ ठीकाने को नष्ट कर दिया है। ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने आतंकियों के ऊपर सिंदूर ऑपरेशन पर मोदी सरकार एवं भारतीय सेना का काफी तारीफ़ किया। उन्होंने पहलगाम के आतंकी हमले में पर्यटकों की निर्मम हत्या पर न्याय मिलने पर मोदी सरकार एवं सेना का कडा प्रहार पर हर्ष व्यक्त की। मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने सिंदूर ऑपरेशन को लेकर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आतंकियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की हत्या से मानवीय करूणा पर आघात पहूँचा था। मोदी सरकार एवं सेना ने अपनी बहादूरी का परिचय देते हुए सिंदूर ऑपरेशन चलाकर पर्यटकों को न्याय दिलाने का कार्य किया है। उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय सेना को सिंदूर ऑपरेशन के लिए बहुत- बहुत सहृदय आभार एवं धन्यवाद व्यक्त की।

कविता अन्य को अनन्य बनाती है; डॉ. श्रीप्रकाश शुक्ल

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर हिंदी विभाग में कुलाधिपति व्याख्यानमाला के तहत हमारा समय और कविता की भूमिका विषयक संगोष्ठी सह काव्य पाठ आयोजित किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रसिद्ध आलोचक कवि एवं बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्राध्यापक श्रीप्रकाश शुक्ल, डॉ सत्यनारायण टंडन (सेवानिवृत्त प्राध्यापक बी. बी. एम. के. यू.), डॉ बलदेव राम (प्राचार्य बरकट्ठा महाविद्यालय) तथा डॉ जयप्रकाश रविदास (प्राचार्य बरही महाविद्यालय) ने कार्यक्रम मे भाग लिया। विभागीय प्राध्यापकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।
संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे विभागाध्यक्ष डॉ कृष्ण कुमार गुप्ता ने अपने संभाषण में कहा कि समय के साथ कविता की भूमिका बदलती रहनी चाहिए लेकिन उसके मूल में मनुष्य और मनुष्यता लक्षित होनी चाहिए। प्राध्यापक डॉ सुबोध कुमार सिंह ने साहित्य और समय के अंतर्संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य समय का, समय के लिए एवं समय के द्वारा गढ़ी हुई घटना है।
विशेषज्ञ डॉ श्री प्रकाश शुक्ल ने कहा कि कविता आत्मबोध एवं आत्मसंस्कृत से जोड़ती है। साहित्य के अन्य सभी विधाएं कविता के भीतर से अंकुरित होती है कविता समय के सत्य को उद्घाटित करते हुए मनुष्य के मुक्ति का साधन बनती है। कविता ने हाशिए के समाज की आवाज को न सिर्फ अभिव्यक्ति दी बल्कि उपेक्षित समाज की जागृति में अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कविता बुनियादी तौर पर संवादधर्मी विधा रही है। समाज में जितने कवि रहेंगे तनाव उतने ही काम होंगे। वक्तव्य के साथ-साथ अपनी नवरचित काव्य संग्रह झुकना किसी को रोकना है से कई कविताओं का वाचन किया। विभागीय प्राध्यापक डॉ सुनील कुमार दुबे ने स्वागत वक्तव्य की प्रस्तुति दी एवं वरीय प्राध्यापक डॉ केदार सिंह ने काव्य की प्रासंगिकता पर वृतचित्र प्रस्तुत करते हुए अतिथियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया। कार्यक्रम संचालक की भूमिका प्राध्यापक डॉ राजू राम एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति विद्यार्थी मानसी कुमारी और पूर्वी उषा ने किया। संगोष्ठी में शोधार्थियों के साथ-साथ अधिक संख्या में विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय धनबाद में किया गया पत्रकार सम्मेलन का आयोजन

गोमो। आज 7 मई 2025 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में एक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा ने सम्मेलन में उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए अप्रैल माह 2025 में धनबाद मंडल के प्रदर्शन एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। यह जानकारी मोहम्मद इकबाल वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक धनबाद एवं वरीय जन संपर्क अधिकारी के द्वारा दी गई है।

गिद्धौर पुलिस को अफीम तस्करी मामले में बड़ी सफलता , तीन तस्कर गिरफ्तार , भेजे गए जेल

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर पुलिस ने अफीम तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 मई सोमवार को 7 किलोग्राम अफीम के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार तस्करों में दो गिद्धौर के रहने वाले है। जिनमें पहचान चरितर दांगी पिता सूरज दांगी, दूसरा नाम जितेंद्र ठाकुर पिता लखन ठाकुर,तीसरे तस्कर की पहचान सिंघानी निवासी मिथिलेश कुमार पिता चंद्रदेव दांगी के रूप में की गई है। उल्लेखनीय है कि मिथिलेश कुमार पूर्व में भी अफीम तस्करी के एक मामले में जेल जा चुका है। और इस बार भी उसे पुनः जेल भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पीएम आवास योजना शहरी की सर्वे डेट बढ़ी , अब 20 मई तक कर सकते हैं आवेदन- कार्यपालक पदाधिकारी

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता

छतरपुर, पलामू। छतरपुर नगर पंचयात के कार्यपालक पदाधिकारी फैजूल रहमान ने बुधवार शाम 5 बजे एक विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना का ऑनलाइन आवेदन का दस्तावेज कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 20 मई 2025 तक निर्धारित किया गया है। साथ ही उन्होंने विज्ञप्ति में बताया है कि 20 मई के बाद शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना का दस्तावेज कार्यालय में जमा करने पर उसे अस्वीकृत कर दिया जाएगा। साथ ही उन्होंने अपने सभी विभागों को इस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है। बताते चले कि छतरपुर नगर पंचायत क्षेत्र में यह तीसरे टर्न ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है।

गोवर्धन लाल नर्सिंग होम में मासूम की मौत पर हंगामा

- प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप, परिजनों ने की कंपाउंडर की पिटाई

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह के गोवर्धन लाल नर्सिंग होम में बुधवार को 11 माह के मासूम की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कंपाउंडर मुकेश कुमार की जमकर पिटाई कर दी, जिससे वह बेहोश हो गया। घटना की सूचना पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को शांत किया। इसके बावजूद परिजन मासूम का शव लेकर सड़क पर बैठ गए और जाम लगा दिया। मासूम के चाचा ने नर्सिंग होम को कसाईखाना बताया और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया। पुलिस ने कार्रवाई के लिए परिजनों से लिखित आवेदन मांगा, लेकिन वे पोस्टमार्टम कराने को तैयार नहीं हुए। मामले की जांच की मांग को लेकर सिविल सर्जन को भी आवेदन दिया गया।

संदिग्ध परिस्थिति में घर में मिला महिला का शव, पति गायब

परिजनो ने लगाया हत्या का आरोप

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

हंटरगंज (चतरा)। थाना क्षेत्र के डाहा गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का शव मिला है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेज दिया है। घटना बुधवार की दोपहर की है। इस मामले में पुलिस को महिला के मायके वाले गया जिले के मोहनपुर थाने के हमसोर निवासी मृतिका के पिता महेश्वर यादव के माध्यम से बुधवार को सूचना मिली है। महिला की मौत के बाद से ही पति भी गायब है। मृतक महिला डाहा गांव में 30 वर्षीय गीता कुमारी पति बीरबल

यादव की लाश उसी के घर से बरामद की है। मृतिका का पति बीरबल गायब बताया जा रहा है। गांववालो को अनुसार मृतिका घरेलू विवाद में जहर खा ली है। वही महिला मृतक के परिजनो का आरोप है कि मेरी बेटी को जब से शादी हुवा है तब से उसका पति प्रताड़ित करते आ रहा है। मेरी बेटी की मृत्यु की ख़बर उसकी गोतनी ने फोन के माध्यम से दी जब हमलोग उसके घर पहुंचे तो देखे की बेटी का शव घर में पड़ा है उसके बाद पुलिस को हमलोगों ने सुचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चतरा भेज दिया। परिजनो ने बताया कि मृतिका के अंग ना ही नाक की नथुनी ना ही कान की कंबाली में ना ही पैर में पायल था सारा आभूषण उसके शरीर से निकाल लिया गया था। इधर हंटरगंज पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बात ही स्पष्ट हो पाएगा की किन परिस्थितियों में महिला की मौत हुई है हालांकि पुलिस हर एक पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है।

पुलिस ने फरार नक्सली के घर चिपकाया इश्तेहार

बालूमाथ। बालूमाथ पुलिस ने कुख्यात जेजेएमपी नक्सली संगठन के एक फरार अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसके घर पर न्यायालय द्वारा जारी इश्तेहार चस्पा किया है। यह कार्रवाई एसआई रंजन कुमार पासवान और अनुभव कुमार के नेतृत्व में की गई. दोनों अधिकारी दल-बल के साथ अभियुक्त के गांव पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए दो स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में इश्तेहार चस्पा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियुक्त पप्पू लोहरा उर्फ सूर्यदेव लोहरा, पिता रामवृक्ष

लोहरा उर्फ गरजू मिस्त्री, ग्राम लुंडी, थाना और जिला लातेहार का निवासी बालूमाथ थाना कांड संख्या 203/22 के मामले में फरार चल रहा है. उक्त मामले में अभियुक्त पर भारतीय दंड संहिता की धारा 147/387/120 बी तथा आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं - 25(1-B)(a), 25(1-A), 26, 35, 25(6), 25(7) और 17 सीएलए एक्ट के अंतर्गत गंभीर आरोप हैं। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अभियुक्त के परिजनों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है, कि यदि अभियुक्त एक माह के भीतर माननीय न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो उसके खिलाफ अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गिरिडीह में डकैती की बड़ी साजिश नाकाम पुलिस ने सात अपराधीयो को हथियारों के साथ दबोचे

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले में पुलिस ने एक बड़ी आपराधिक साजिश को समय रहते विफल कर दिया है। गांडेय थाना क्षेत्र के भलुआ गांव में बीते 1 मई की रात करीब 10 अज्ञात अपराधियों ने दो घरों में धावा बोलकर डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में पीड़ितों द्वारा गांडेय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए गिरिडीह पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की। इस टीम ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सात अपराधियों

को गिरफ्तार कर लिया, जो अगली लूट की योजना बना रहे थे। पकड़े गए अपराधियों के पास से एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, छह मोबाइल फोन, चोरी की एक बिना नंबर की अपाची बाइक, और डकैती में लूटा गया ?2,900 रुपये बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान राजु मंडल उर्फ हरिनंदन मंडल (दुमका), गोपाल यादव (जामताड़ा), मोतिउल रहमान (गिरिडीह), माजीद अंसारी, आसिफ अंसारी, नाजिर अंसारी और सलाउद्दीन अंसारी (सभी जामताड़ा से) के रूप में हुई है। इन सभी ने पूछताछ के दौरान डकैती में संलिप्तता स्वीकार की है। इस मामले में गांडेय थाना में एक और प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें भारतीय दंड संहिता बीएनएस 2023 की धाराएं और आर्म्स एक्ट की धाराएं शामिल की गई हैं। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जीतवाहन उरांव, गांडेय थाना प्रभारी आनंद प्रकाश सिंह, तकनीकी शाखा और विभिन्न थाना क्षेत्रों की संयुक्त टीमों ने अहम भूमिका निभाई।

बोरवेल चालक की संदिग्ध मौत से मचा हड़कंप

- पुलिस पर हत्या का आरोप

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह जिले के ताराटांड थाना क्षेत्र में बोरवेल गाड़ी के चालक संजय दास की मौत से हड़कंप मच गया है। मृतक के रिश्तेदार बालेश्वर रविदास ने पुलिस पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पेट्रोलिंग कर रही पुलिस टीम ने संजय से पैसे की मांग की, और विरोध करने पर उसकी बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस शव को मौके पर ही छोड़कर चली गई। बुधवार सुबह ग्रामीणों और परिजनों ने शव के साथ थाना पहुंचकर जमकर हंगामा किया और थाने का घेराव किया। फिलहाल मौके पर भारी भीड़ जुटी है, वहीं पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट होंगे।

रक्तदान कर बचायी जा सकती है किसी की जान

- जिंदगी में प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान करना ही चाहिए: राहुल राजवंश

गिरिडीह, प्रतिनिधि। जिले के धनवार में एक महिला प्रसव के कुछ घंटे के बाद रक्त की अति आवश्यकता पड़ी। वहीं जब इस बात की जानकारी द अंबेडकर फाऊंडेशन ऑफ एशिया के प्रेसीडेंट राहुल राजवंश को पड़ी तो उन्होंने तुरंत कर्तव्यनिष्ठा युवा होने के नाते उस महिला को रक्तदान कर जान बचाने का काम किया और अब बच्चा ओर मां दोनों स्वस्थ है। वहीं राहुल राजवंश ने बताया कि रक्तदान करने से हमारा रक्तचाप संतुलित बना रहता है और नया खून का बनना प्रारंभ हो जाता है। जिंदगी में प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान करना ही चाहिए। खून का रिश्ता में किसी भी प्रकार का जाति धर्म नहीं देखा जाता है, राहुल ने बताया कि खुद 3 से 4 महीना में रक्तदान करते रहते है और कुल मिलाकर हमारी संस्था 3550 यूनिट रक्तदान करवाकर गिरिडीह के युवाओं के बीच मिसाल कायम कर दिए है। इनका कहना है कि स्वस्थ रहेगा भारत तो सुंदर बनेगा भारत।

संक्षिप्त समाचार

कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद ने जिला परिषद की योजनाओं का किया स्थलीय निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़-बुधवार को कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद श्री प्रीतिलता मुर्मू ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत नरोत्तमपुर पंचायत में जिला परिषद अंतर्गत पीसीसी रोड एवं निकासी नाला का स्थलीय निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

डीपीआरओ ने नरोत्तमपुर पंचायत भवन का किया निरीक्षण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़- जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्रीमती प्रीतिलता मुर्मू ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत नरोत्तमपुर पंचायत भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वॉटर प्यूरीफायर, भस्मक एवं ज्ञान केन्द्र का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। ज्ञान केन्द्र के सफल संचालन हेतु निर्देशित किया। मौके पर मुखिया, पंचायत सचिव एवं रोजगार सेवक, मोबिलाइजर, स्वंय सेवक उपस्थित थे।

उपायुक्त हेमंत सती ने किया साहेबगंज मंडल कारा का औचक निरीक्षण

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। उपायुक्त हेमंत सती ने साहेबगंज स्थित मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कारा की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, कैदियों की दिनचर्या, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया।उपायुक्त ने कारा के विभिन्न वार्डों का भ्रमण करते हुए कैदियों से सीधे संवाद स्थापित किया और उनकी समस्याओं तथा सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कारा प्रबंधन को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कैदियों को समय पर भोजन, स्वास्थ्य जांच एवं मानसिक परामर्श जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर बल दिया। साथ ही जेल परिसर की साफ-सफाई एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मंडल कारा अधीक्षक चंद्रशेखर सुमन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के अंत में उपायुक्त ने संतोष व्यक्त करते हुए सुधारात्मक सुझाव भी दिए और कारा प्रशासन को कैदियों के मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील रहने की सलाह दी।

झारखंड में मॉक ड्रिल: 5 जिलों में बजे सायरन, ठप हुआ आवागमन; अगर जंग हुई तो क्या करेगी आम जनता?

रांची। भारत व पाकिस्तान के बीच लड़ाई छिड़ी तो देश की जनता की क्या भूमिका होगी। कैसे जान-माल को बचाने में आम जनता भी महती भूमिका निभाएगी। इसी उद्देश्य से बुधवार को पूरे देश में सिविल डिफेंस के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया था। झारखंड में यह आयोजन पांच जिले रांची, बोकारो, जमशेदपुर, गोड्डा व साहिबगंज में हुआ। इन पांच जिलों से जुड़े छह स्थानों पर स्थानीय जिला पुलिस-प्रशासन की टीम ने सायरन बजाकर मॉक ड्रिल के दौरान उक्त इलाके में यातायात रोककर लोगों को लड़ाई के दौरान बरतने वाली सावधानी से अवगत कराया।
यह मॉक ड्रिल आगे भी अलग-अलग इलाकों में कराया जा सकता है। इसका मूल उद्देश्य लड़ाई के वक्त जिलों, शहरों, मुहल्लों में अफरा-तफरी को रोकना है। लोग सायरन की आवाज से फैमिलियर रहें, युद्ध व अनहोनी की आशंका से हतोत्साहित न होने पाएं।

अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे प्रमुख से मिलने पहुंचे, स्थानीय विधायक कहा होगी कार्रवाई

बीडीओ की बर्खास्तगी तक चलेगा पंसस का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन- प्रमुख

कृष्णा गोस्वामी, देवघर
बीते पिछले दिनों से पालोजोरी बीडीओ द्वारा प्रमुख उषा किरण मरांडी प्रकरण मामले को लेकर पंचायत समिति सदस्यों समेत अन्य जनप्रतिनिधियों में काफी रोष देखने को मिला। इसी कड़ी में बुधवार को प्रमुख उषा किरण मरांडी की अगुवाई में प्रखंड मुख्यालय के समक्ष पंसस सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा बीडीओ आमिर हमजा के खिलाफ में जमकर नारेबाजी करते हुए देखने को मिले। वही सबों ने पालोजोरी बीडीओ हाय हाय, पालोजोरी बीडीओ होश में आओ, बीडीओ के हिटलर साही नहीं चलेगी, जिसको लेकर प्रमुख सहित पंचायत समिति सदस्यों ने अनिश्चित करें हड़ताल बैठे हुए दिखे। वहीं इसकी सूचना सारठ विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह को मिलते ही पालोजोरी स्थित प्रखंड मुख्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर रहे पंचायत में सदस्यों से मिलें वो सभी को इस धरना प्रदर्शन में उनके साथ खड़े रहने की बात कहते हुए दिखे। साथ ही उन्होंने कहा कि हमने पालोजोरी बीडीओ अमीर हमजा के दुर्व्यवहार की शिकायत को लेकर देवघर उपायुक्त को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई करते हुए बर्खास्त करने

की मांग की है। वहीं इस विषय पर उन्होंने कहा की जब तक पालोजोरी प्रखंड विकास पदाधिकारी को यहां से बर्खास्त नहीं की जाती तब तक हम सभी पंचायत समिति सदस्यों के साथ है और आगे भी रहेगें।इसको लेकर सबों ने प्रण लेते हुए दिखें ओर कहा गया है की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी हैं...। जबकि वहीं इस विषय पर प्रखंड प्रमुख उषा किरण मरांडी से बातचीत में उन्होंने कहा की प्रखंड मुखिया संघ के भी कुछ मुखिया सदस्य इस हड़ताल को लेकर आपसी समझौते करने को लेकर आएं हुवे थे। परंतु प्रमुख महोदया ने साफ़ इंकार करते हुए कहा की में किसी प्रकार के समझौते पर हस्ताक्षर को सहमत नहीं हूं। बातचीत में उन्होंने कहा की में अपने निर्णय पर अडिग हूं आगे रहूंगा। वहीं प्रमुख उषा किरण मरांडी ने कहा की जब तक बीडीओ का बोरिया बिस्तरां यहां से बांधकर भिजवा नहीं देगें तबतक हमलोगों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहने की बात कही गई।
वहीं इस मौके सारठ विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने कहा कि पालोजोरी बीडीओ आमिर हमजा के पास कोई एबिलिटी नहीं है। इसमें किसी तरह की कोई क्षमा नहीं है। यह गजेटेंड अफसर बनकर रह सकें। इसको कहीं पारा टीचर में दे दे वही बेहतर है। वैसे भी इसका दिमागी संतुलन का जांच करना सरकार को बहुत जरूरी है, जो कि मैंने पहले भी एक बार कहा अपलोगों के माध्यम से कहा था कि इनकी मानसिकता की जांच होनी बहुत जरूरी है, जो कि कभी भी यह दुरुस्त ढंग से न बात करते और न लोगों से व्यवहार करते हैं, न मीटिंग में पेश आते हैं ढंग से, चूंकि एक-आध मीटिंग मैं भी थोड़ा बीडीओ को शब्दों से प्रताड़ित किया हूँ। बीडीओ के द्वारा मीटिंग में मेंबरान से गलत शब्दों का इस्तेमाल करके बात करते थे वह तो मैंने देखा हूँ इसलिये इनको तो चाहिए की कड़ी से कड़ी सजा देते हुए इनको तो सबसे पहले सस्पेंड करे सरकार, तब इनसे कारण पृक्षा पूछे। एक नहीं इनपर दसों शिकायत हो चुकी है इस ब्लॉक में। बीडीओ के ऊपर कार्यवाही हो लेकर मैंने डीसी और सरकार को भी लिखा हूँ कि तुरंत यहाँ से हटाया जाय, जो कारनामे इन्होंने किया है, जो करतूत, जो घोटाले इन्होंने किया है उसका क्या होगा। वहीं इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य बबलू महतो, अजरुद्दीन अंसारी, रियाज़ अंसारी, जाकिर अंसारी, सगीर अंसारी, मनिशल हांसदा, चंद्र देव मोहली, टिकेश्वर हांसदा, संतोष बेसरा, प्रमुख प्रतिनिधि दिनेश मुर्मू, उपप्रमुख प्रतिनिधि सुशील साधु, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि शंकर टुडू, जितेंद्र कुमार राय, सरफराज अंसारी, शमशुल हक, राजेन्द्र मोहली, भोला यादव, प्रेम टुडू, जितेंद्र महतो, गनी मियाँ सहित अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो
पाकुड़- बुधवार को उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक हुई। बैठक के दौरान परियोजना पदाधिकारी यूआईडीएआई रितेश श्रीवास्तव ने उपायुक्त को जानकारी देते हुए बताया कि जिला के सभी प्रखंडों में आधार सेवा केन्द्रों की संचालन सुचारु रूप से किया जा रहा है। उपायुक्त ने जिले में उपलब्ध सभी आधार किटों को समयबद्ध तरीके से क्रियाशील करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिले में हो रही आधार अपडेट से संबंधित कार्यों की

समीक्षा करते हुए बंद आईडी को पुन संचालन करने की दिशा में निर्देश दिया। समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित महिला सुपरवाइजर के पास तीन आईडी है, तीनों संचालक का परीक्षा लेते हुए क्रियाशील बनाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने डीआईओ एवं परियोजना पदाधिकारी यूआईडीएआई एवं सीएससी मैनेजर को रेंडमली प्रज्ञा केंद्र, पंचायत भवन, आधार सेंटर का औचक निरीक्षण करने एवं लगातार मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को स्कूलों में आधार कैम्प एवं पोस्ट आफिस को आंगनबाड़ी केंद्रों में आधार कैम्प लगाने का निर्देश दिया गया। फर्जी आधार कार्ड न बने इसका विशेष ख्याल रखें।
बैठक में अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, मुख्यालय डीएसपी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, पाकुड़ अंचलाधिकारी, एलडीएम, परियोजना पदाधिकारी यूआईडीएआई, सीएससी मैनेजर समेत अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई राजस्व विभाग की समीक्षात्मक बैठक

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की मासिक समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक में जमीन का म्यूटेशन, भूमि सीमांकन, परिसोधन, ऑनलाइन लगान, भू-अधिग्रहण में प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में लंबित म्यूटेशन के आवेदनों को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि निर्धारित समयसीमा में ही आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करें। वैसे आवेदन जो 90 दिनों से ज्यादा लंबित हैं उन्हें यथाशीघ्र निष्पादित करें। साथ ही उपायुक्त ने सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया कि सीएचसी निर्माण हेतु सम्बन्धित सीएचसी के पोषक क्षेत्राधीन स्वास्थ्य विभाग के मानक अनुरूप भूमि को चिन्हित किया जाय। बैठक में अपर समाहर्ता श्री जेम्स सुरीन, भूमि सुधार उप समाहर्ता श्री मनीष कुमार, अंचलाधिकारी, सीआई, हल्का कर्मचारी बैठक में उपस्थित थे।

कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रहे

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़
पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने वर्चुअल मोड के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर कृषि विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि सभी पात्र किसानों को पीएम किसान योजना का लाभ मिले इससे सुनिश्चित करें। साथ ही प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि योजना के तहत लाभ प्राप्त कर रहे अपात्र किसानों के नाम हटाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने मिशन मोड में डेटा सत्यापन करने का निर्देश दिया गया।

संजीव कुमार हत्याकांड का खुलासा तीन युवक को गिरफ्तार किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय साहिबगंज में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस करके बताया कि 04 मई 2025 को नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कॉलेज रोड चैती दुर्गा के पास जी0 एस0 इलेक्ट्रोनिक्स के मालिक संजीव कुमार गुप्ता उर्फ गुड्डु, पिता स्वश गौरी शंकर साह को उनके दुकान में घुसकर दो अज्ञात अपराधियों के द्वारा गोली मार दी गयी थी, जहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस संबंध में नगर थाना कांड सख्या- 74/25, दिनांक- 05 मई 25, धारा 103(1) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट अंकित किया गया है। घटना के गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक साहिबगंज के द्वारा नितिन खण्डेलवाल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरहरवा के नेतृत्व में कांड के उद्भेदन एवं अपराधकर्मी की गिरफ्तारी हेतु एक एसआईटी टीम का गठन किया गया था। पुलिस अधीक्षक साहिबगंज के

द्वारा गठित एसआईटी टीम के द्वारा गुप्त एवं तकनिकी आसूचना संकलन कर इस घटना में शामिल तीन अपराधियों मनीष कुमार मंडल उम्र 20 वर्षीय, पिता रामदेव मंडल, साकिन छोटा लोहंडा, कुश कुमार मंडल, उम्र 20 वर्षीय, पिता गन्नू मंडल, साकिन प्रेमनगर, एवं बिनोद कुमार तांती उम्र 29 वर्षीय, पिता संजय तांती, साकिन प्रेमनगर, तीनों का थाना जिरवाबाड़ी, जिला साहिबगंज को विधिवत गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से घटना में प्रयुक्त एक देशी पिस्टल, मैगजीन 2 पीस, जिंदा गोली 42 पीस, एवं हत्या हेतु मारने के लिये मिले 6170 रुपए और दो मोबाइल फोन बरामद किया गया है एवं इनके निशानदेही पर अभियुक्त मनीष कुमार मंडल के द्वारा घटना के समय पहने गये कपड़ो को बरामद किया गया है। अभियुक्तो का लूट एवं आर्म्स एक्ट के मामले में अपराधिक इतिहास रहा है। कांड में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी की जा रही है। मौके पर छापामारी दल में नितिन खण्डेलवाल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरहरवा, विजय कुशवाहा, पुलिस उपाधिक्षक (मु0), साहेबगंज, रुपक कुमार, परिक्ष्यमान पुलिस उपाधिक्षक, साहेबगंज, पुनि राजीव रंजन, पुलिस निरीक्षक, नगर प्रभाग, साहेबगंज, पुनि अमित कुमार गुप्ता, सह- थाना प्रभारी, नगर थाना, पुअनि शशि सिंह, थाना प्रभारी, जिरवाबाड़ी थाना, पुअनि लव कुमार, थाना प्रभारी, गंगा नदी थाना, पुअनि सुमित कुमार, थाना प्रभारी, बरहरवा, पुअनि पवन कुमार, थाना प्रभारी, बरहेट, पुअनि अनिश कुमार पाण्डेय, नगर थाना, पुअनि प्रदीप कुमार महतो, नगर थाना, पुअनि प्रवीण कुमार प्रभाकर, नगर थाना, पुअनि मुरली मनोहर सिंह, नगर थाना, पुअनि विक्रम कुमार, राजमहल थाना, आरक्षी/40 अभिषेक राज, टाईगर मोबाईल, नगर थाना, आरक्षी/227 अंकुर कुमार, टाईगर मोबाईल, नगर थाना, आरक्षी/281 शैलेश कुमार मिश्रा, रिजर्व गार्ड, जिरवाबाड़ी थाना, तकनिकी शाखा, साहेबगंज शामिल थे।

सखी मण्डल दीदी का व्यक्तिगत ऋण कार्य पर प्रशिक्षण

देवघर जिले के तीन प्रखंड पालोजोरी, मोहनपुर और देवघर सदर के सखी मंडल से जुड़े महिलाओं का उद्यम कार्य का साधन के राज्य प्रबंधक अश्रुता सिंह के द्वारा दो दिवशीय क्षेत्रीय अवलोकन किया गया, इस क्षेत्रीय अवलोकन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में सखी मंडल उद्यमी दीदियो का कार्य का अवलोकन बारीकी से किया गया जिसमें देखा गया की सखीमंडल दीदी जिला के विभिन्न बैंक मुख्यत भारतीय स्टेट बैंक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक और इंडियन बैंक से व्यक्तिगत ऋण प्राप्त कर अपने आजीविका को और सशक्त कर रही

है साथ ही अपने छोटे उद्योग को ऋण राशि का प्रशिक्षण प्राप्त कर सही से उपयोग करते हुए उद्यम को भी बढ़ा रही है और अपने परिवार का भरण पोषण सशक्त रूप से करने में सक्षम हो रही है पहले दिन के क्षेत्रीय भवन में मोहनपुर और देवघर सदर प्रखंड का भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक सज्जन कुमार आनंद, व एफ एस मिश्रा और राज्य प्रबंधक साधन असरुता सिंह जेएसएलपीएस वित्तीय समावेशन प्रबंधक परशुराम कुमार साधन जिला प्रबंधक सहदा नशीम के सहयोग से किया गया जिसमें 30 दीदियो से मिलकर उनकी कठिनाइयों को समझकर सरल करने हेतु विभिन्न उपायों को बताया गया तथा दूसरे दिन पालोजोरी प्रखंड का दौरा साधन राज्य प्रबंधक, जेएसएलपीएस प्रभारी डीएमएफआई, पालोजोरी प्रखंड बीपीएम संजय कुमार, बीपीओ धीरज चौरसिया, बीडीएसपी बैंक सखी, विभिन्न बैंक प्रबंधक संयुक्त रूप से किये जिसमें उधम सम्बन्धी पुस्तकों का रखरखाव ग्राम संगठन का बैठक की स्थिति दीदियो के व्यवहार में परिवर्तन और उनकी आर्थिक स्थिति को कैसे और सशक्त किया जाए इन विषयों पर विस्तार से बताया गया जिससे सभी दीदीयो में उधम और उद्यमिता का समझ विकसित हुआ और सभी खुश दिखी। इस पुरे कार्यक्रम मे रिकी देवी, प्रतिमा देवी, सुषमा देवी, प्रीती कुमारी, संगीता देवी सिउली देवी, रूपा देवी, गुड़िया, ममता, अपशाना, मरियम, गुड़िया, रीता,जमनी, कलावती, नीलम, मिना सहित 52 दीदियो ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।

भारत-पाक के बीच परमाणु युद्ध हुआ तो कुछ न बचेगा!

विचार

> इतिहास बताता है कि युद्ध मानव समाज का एक स्थायी भाव रहा है। प्राचीन भारत में मौर्य, गुप्त और चोल साम्राज्य युद्धों के माध्यम से ही बने और बढ़े। मौर्य सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद युद्ध की विभीषिका देख कर बौद्ध धर्म अपनाया और शांति का रास्ता चुना। समुद्रगुप्त ने उत्तर से दक्षिण तक विजयों की श्रृंखला से तो चोलों ने समुद्री युद्धों से दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत का प्रभाव स्थापित किया। लेकिन हर साम्राज्य की नींव में लाखों लाशें और उजड़ी बस्तियाँ होती हैं। 8वीं से 10वीं सदी तक चला त्रिपक्षीय युद्ध (पाल, प्रतिहार, राष्ट्रकूट) इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। लगभग 200 वर्षों तक कन्नौज पर कब्ज़े के लिए तीनों शक्तियाँ लड़ती रहीं।

पंकज श्रीवास्तव

जब भी भारत पर कोई आतंकी हमला होता है, मीडिया और सोशल मीडिया पर पाकिस्तान से युद्ध के नगाड़े बजने लगते हैं। पहलगाम हमले के बाद भी यही हुआ। युद्ध की बातें इस तरह हो रही हैं जैसे भारत और पाकिस्तान की सेनाएँ सीमा पर आमने-सामने खड़ी हों और किसी भी क्षण बम बरसने लगेंगे। लेकिन क्या युद्ध का रास्ता इतना आसान है? क्या परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच युद्ध के नतीजों पर नहीं सोचना चाहिए? भारत और पाकिस्तान के पास 150 से अधिक परमाणु हथियार हैं। ऐसे में एक छोटी सी चूक भी महाविनाश की वजह बन सकती है। परमाणु युद्ध की कल्पना ही भयावह है- दिल्ली, कराची, इस्लामाबाद और मुंबई जैसे शहर मिनटों में राख में बदल सकते हैं। पहले ही दिन करोड़ों मौतें, उसके बाद 'न्यूक्लियर विंटर' और वैश्विक अकाल। यह केवल उपमहाद्वीप नहीं, पूरी मानव सभ्यता के लिए ख़तरा होगा।

युद्ध की परंपरा : इतिहास बताता है कि युद्ध मानव समाज का एक स्थायी भाव रहा है। प्राचीन भारत में मौर्य, गुप्त और चोल साम्राज्य युद्धों के माध्यम से ही बने और बढ़े। मौर्य सम्राट अशोक ने कलिंग युद्ध के बाद युद्ध की विभीषिका देख कर बौद्ध धर्म अपनाया और शांति का रास्ता चुना। समुद्रगुप्त ने उत्तर से दक्षिण तक विजयों की श्रृंखला से तो चोलों ने समुद्री युद्धों से दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत का प्रभाव स्थापित किया। लेकिन हर साम्राज्य की नींव में लाखों लाशें और उजड़ी बस्तियाँ होती हैं। 8वीं से 10वीं सदी तक चला त्रिपक्षीय युद्ध (पाल, प्रतिहार, राष्ट्रकूट) इसका सबसे जीवंत उदाहरण है। लगभग 200 वर्षों तक कन्नौज पर कब्ज़े के लिए तीनों शक्तियाँ लड़ती रहीं। अंततः तीनों कमज़ोर हुईं और तुर्क आक्रमणकारियों के लिए भारत के द्वार खुल गए।

विश्व युद्धों की सीख : 20वीं सदी में जब युद्ध आधुनिक हथियारों से लड़े गए, तो मानवता की पीड़ा चरम पर पहुँच गई। प्रथम विश्व युद्ध ने लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को निगल लिया, और द्वितीय विश्व युद्ध में यह संख्या आठ करोड़ तक पहुँची। हिरोशिमा और नागासाकी पर हुए परमाणु हमले इस विनाश की पराकाष्ठा थे। इन हमलों ने दुनिया को यह अहसास कराया कि युद्ध अब केवल सेनाओं की भिड़ंत नहीं रह गया, यह पूरी मानवता का संकट बन चुका है।

भारत-पाक युद्ध और परमाणु संकट : भारत और पाकिस्तान की सैन्य ताक़तों की तुलना करें तो भारत स्पष्ट रूप से आगे है- 14 लाख सैनिक, आधुनिक मिसाइलें, और सात गुना ज़्यादा सैन्य बजट। फिर भी, पाकिस्तान के पास भी परमाणु हथियार हैं, और यही संतुलन युद्ध को रोकता रहा है। लेकिन जब युद्धोन्माद राजनीतिक लाभ का साधन बन जाए तो स्थिति विस्फोटक हो जाती है। हाल ही में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री द्वारा यह स्वीकार करना कि उनके देश ने दशकों तक आतंकवादियों को प्रशिक्षण और समर्थन दिया, इस बात की पुष्टि करता है कि भारत की चिंताएँ निराधार नहीं हैं। लेकिन क्या इसका जवाब युद्ध है?

चंद्रशेखर की चेतावनी : 13 दिसंबर 2001 को जब संसद पर आतंकी हमला हुआ था, तब भी युद्ध की बातें होने लगी थीं। लेकिन संसद में खड़े होकर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने चेताया था कि 'लड़ाई ख़तरनाक खेल होती हैङ्ख इससे सबका विनाश हो जाएगा।' बीजेपी सांसदों ने तब उनके भाषण के बीच काफी टोका-टाकी की थी, फिर भी उन्होंने कहा, ' अगर सरकार युद्ध का फ़ैसला करती है तो करे, लेकिन मैं अकेला होते हुए भी युद्ध का विरोध करता रहूँगा। चंद्रशेखर के भाषण को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने चुपचाप सुना और इतिहास बताता है कि बात युद्ध तक नहीं पहुँची। चंद्रशेखर की चेतावनी को आज भी याद करने की ज़रूरत है। युद्ध कभी भी समाधान नहीं होता। यह तो आख़िरी विकल्प है, जब कोई रास्ता न बचे।

महाभारत से आज तकः युद्ध की निरर्थकता : महाभारत एक आदर्श उदाहरण है। पांडवों को इस महासमर में जीत तो मिली, लेकिन सब कुछ तबाह हो गया। सौ कौरव भाई ही नहीं, पाँचों पांडवों के पुत्र भी मारे गए और युधिष्ठिर के मन में केवल शून्यता बची। शांतिपर्व में कहा गया है-

"न युद्धात् परमं किंचिद् युद्धं सर्वं न संनादति। युद्धेन संनादति सर्वं तस्माद् युद्धं परित्यजेत्।

– महाभारत, शांतिपर्व (12.101.24)

(युद्ध से बढ़कर कोई आपदा नहीं; युद्ध सब कुछ नष्ट कर देता है। इसलिए युद्ध का परित्याग करना चाहिए।)

आज जब भारत-पाक संबंधों में फिर तनाव है, तब ज़रूरत है संयम की, विवेक की। पाकिस्तान को सबक़ ज़रूर सिखाया जाना चाहिए, लेकिन वह सबक़ युद्ध नहीं, राजनय, अंतरराष्ट्रीय दबाव और विकास की प्रतिस्पर्धा से सिखाया जा सकता है। हमारी सभ्यता की परीक्षा तब होती है जब हम उकसावे में आए बिना, अपने मूल्यों को बनाए रखते हुए, टिके रहें। युद्ध नहीं, शांति ही असली शक्ति है।

संपादकीय

युद्ध के कगार पर

इसमें दो राय नहीं कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में चुन-चुनकर मारे गए 26 लोगों की मौत ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोरा है। साथ ही इस घटनाक्रम से उपजे आक्रोश ने सरकार पर आतंकियों व उनके आकाओं को सबक सिखाने का दबाब भी बनाया है। जिसके चलते दोनों देशों की तरफ से तल्ख बयानबाजी का जो दौर शुरू हुआ, वो थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिसने दोनों देशों के संबंधों को निचले स्तर तक पहुंचा दिया है। जवाबी कार्रवाई के दबाव में स्थितियां खतरनाक स्थिति की तरफ बढ़ गई है। दोनों देशों की सीमाओं में तनाव तेजी से बढ़ रहा है। तीखी बयानबाजी के बीच सैन्य ताकत को बढ़ाने के दावे किए जा रहे हैं। लगातार चिंताजनक होती स्थिति के बीच संयुक्त राष्ट्र संघ की तरफ से बयान आया है। दोनों पक्षों को अधिकतम संयम बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि तनाव का स्तर कम करने की कोशिश की जाए। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का हस्तक्षेप और सुरक्षा परिषद के बंद कमरे में हुआ सलाह-मशविरा अंतर्राष्ट्रीय जगत की चिंता को ही रेखांकित करता है। निस्संदेह, संयुक्त राष्ट्र महासचिव की चेतावनी महज कूटनीतिक बयानबाजी नहीं है। निश्चित रूप से यह परमाणु हथियारों से लैस दो पड़ोसियों के बीच संघर्ष को टालने की महत्वपूर्ण कोशिश है। हालांकि, पाकिस्तान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में ले जाकर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का उपक्रम किया था। लेकिन वैश्विक मूड हस्तक्षेप के बजाय तनाव कम करने पर केंद्रित नजर आया। इसमें दो राय नहीं कि अब तक भारत की ओर संयमित प्रतिक्रिया ने स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद ही की है। हालांकि, दंडात्मक कार्रवाई के लिये देश के भीतर बढ़ती मांग ने दिल्ली पर सैन्य विकल्पों पर विचार करने का दबाव जरूर डाला है। हालांकि देश के दीर्घकालीन हितों के मद्देनजर कूटनीतिक प्रयासों से समस्या के समाधान की कोशिश की जानी चाहिए। लेकिन इस हकीकत को नजरअंदाज नहीं किया जाता कि आंतरिक दबाव के चलते यदि सैन्य विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती है, तो कालांतर इससे क्षेत्र में व्यापक संघर्ष की शुरुआत हो सकती है। यह भी एक हकीकत है कि ऐसे मौके पर जब आतंकवादियों के क्रूर हमले में मारे गए लोगों के परिवार शोकाकुल हैं और जनता आक्रोशित है, संयम का आह्वान किसी को रास नहीं आएगा। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बड़े पैमाने पर संघर्ष को बढ़ावा देना कल्पना से अधिक तबाही ला सकता है। एक सैन्य टकराव न केवल इस उपमहाद्वीप को अपनी गिरफ्त में ले सकता है, बल्कि दशकों तक इस क्षेत्र को अस्थिर भी बनाये रख सकता है। विगत का अनुभव हमें याद कराता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले युद्ध से न केवल जन-धन की व्यापक क्षति होती है बल्कि साथ में कूटनीतिक अलगाव और आर्थिक झटके भी मिलते हैं। इन हालात में यह जरूरी है कि दोनों देश बैक चैनल के जरिये कूटनीतिक प्रयास करें तथा विश्वास निर्माण के उपायों के लिए फिर से प्रतिबद्धता दिखाएं। वैश्विक समुदायों, खासकर संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका व चीन जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को बयानों से आगे बढ़कर तनाव को बढ़ने से रोकने के लिये सक्रिय रूप से मध्यस्थता करनी चाहिए। हमें यह याद रखना चाहिए कि कश्मीर का सैन्य समाधान अतार्किक ही कहा जाएगा। एकमात्र वास्तविक समाधान निरंतर बातचीत में निहित है। दरअसल, आज अशांति के मूल कारणों को संबोधित करने की जरूरत है। पहली जरूरत इस बात की है कि शांति को नुकसान पहुंचाने वाले आतंकी नेटवर्क को नेस्तनाबूद किया जाए। इतिहास गवाह है कि युद्ध शांति का विकल्प कभी नहीं हो सकता। वहीं दूसरी ओर पड़ोसी कितना भी बुरा क्यों न हो भौगोलिक रूप से हम उसे बदल नहीं सकते। बुराई में अच्छाई की तलाश से स्थिति सामान्य बनाये रखने की कोशिश की जानी चाहिए। युद्ध की आकांक्षा रखने वाले लोगों को भी सोचना चाहिए कि कहीं न कहीं अंत में युद्ध की कीमत आम आदमी को ही प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से चुकानी पड़ती है।

पोक पर कैसे किया पाकिस्तान ने क़ब्ज़ा?

पंकज श्रीवास्तव

पोक का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की कहानी 19वीं सदी से शुरू होती है, जब 1846 की अमृतसर संधि के तहत महाराजा रणजीत सिंह के सिपहसालार रहे गुलाब सिंह ने 75 लाख नानकशाही सिक्कों के बदले ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से जम्मू-कश्मीर रियासत खरीदी। इसमें जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, और बाल्टिस्तान शामिल थे। यह इतिहास का एक दुर्लभ उदाहरण था, जब एक राज्य बिना जनता की राय के खरीदा गया।पहले सिख-अंग्रेज़ युद्ध के बाद गुलाब सिंह ने पाला बदला था। 1947 में जब भारत आजाद हुआ, तब गुलाब सिंह के वंशज, महाराजा हरि सिंह, इस रियासत के शासक थे। हरि सिंह के सामने तीन विकल्प थेः भारत में शामिल होना, पाकिस्तान में जाना, या स्वतंत्र रहना। वे स्विट्जरलैंड जैसा स्वतंत्र देश बनाने का सपना देख रहे थे। लेकिन अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान समर्थित कबायली हमलावरों ने, सेना की मदद से, कश्मीर पर धावा बोल दिया। हरि सिंह की सेना असमर्थ थी। भारत से मदद माँगने पर जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल ने स्पष्ट किया कि पहले विलय पत्र पर हस्ताक्षर जरूरी हैं। 26 अक्टूबर 1947 को हरि सिंह ने विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए, और जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा बना। इसके बाद शुरू हुआ भारत-पाक युद्ध, जो 1 जनवरी 1949 को संयुक्त राष्ट्र के युद्धविराम के साथ खत्म हुआ। नतीजा? जम्मू-कश्मीर का बंटवारा। पाकिस्तान ने 78,000 वर्ग किलोमीटर पर कब्जा रखा, जो आज ढङ्ङ के रूप में जाना जाता है। यह क्षेत्र दो हिस्सों में बंटाः जम्मू और कश्मीर, जो 13,297 वर्ग किलोमीटर में फैला है, और गिलगित-बाल्टिस्तान, जो

72,871 वर्ग किलोमीटर में है। भारत इसे अवैध कब्जा मानता है, क्योंकि पूरा जम्मू-कश्मीर कानूनी तौर पर भारत में विलय हो चुका था।

पोक की वर्तमान स्थिति : पेक की प्रशासनिक स्थिति जटिल है। उसकी राजधानी मुजफ्फराबाद है और1974 के अंतरिम संविधान के तहत चलता है। यहाँ एक राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, और 49 सीटों वाली विधानसभा है। कागजों पर यह अर्ध-स्वायत्त है, लेकिन वास्तव में सारी शक्ति इस्लामाबाद के पास है। गिलगित-बाल्टिस्तान, जिसे 2009 तक उत्तरी क्षेत्र कहा जाता था, और भी कम स्वायत्त है। यहाँ 33 सीटों वाली विधानसभा और एक मुख्यमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान की सेना और नौकरशाही का दबदबा है। मानवाधिकार संगठन बोलने की आजादी और विरोध पर पाबंदियों की शिकायत करते हैं। स्थानीय लोग इसे 'आजाद' के बजाय 'गुलाम कश्मीर' कहते हैं। पोक की 60 लाख की आबादी है जिसमें 20 लाख गिलगित-बाल्टिस्तान में- हाल के वर्षों में आर्थिक उपेक्षा, बिजली की कमी, और मानवाधिकार हनन के खिलाफ प्रदर्शन बढ़े हैं। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी जैसे समूह अधिक स्वायत्तता या भारत में शामिल होने की माँग करते हैं, क्योंकि वे भारत के जम्मू-कश्मीर को फलता-फूलता देखते हैं। लेकिन सभी भारत के पक्ष में नहीं हैं-कुछ स्वतंत्रता चाहते हैं, तो कुछ पाकिस्तान के प्रति वफादार हैं।

भारत का रुख स्पष्ट है : पोकभारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान का अवैध कब्जा है। 22 फरवरी 1994 को संसद ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पाकिस्तान से ढङ्ङ और अक्साई चिन खाली करने की माँग की। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 24 सीटें और लोकसभा में 7 सीटें ढङ्ङ के लिए आरक्षित हैं, जो भारत के संकल्प का प्रतीक हैं।

एकीकरण की संभावनाएं : पोक को भारत में शामिल करना आसान नहीं। तीन रास्ते संभव हैं। पहला, कूटनीति-भारत संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर दबाव डाल सकता है, लेकिन चीन, जो गिलगित-बाल्टिस्तान से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा चला रहा है, इसे जटिल बनाता है। दूसरा, सैन्य कार्रवाई-भारत की सेना सक्षम है, लेकिन युद्ध जोखिम भरा है, खासकर परमाणु हथियारों की मौजूदगी में। तीसरा, स्थानीय विद्रोह-ढङ्ङ में असंतोष बढ़ रहा है, और भारत इसे समर्थन दे सकता है, लेकिन पाकिस्तान इसका विरोध करेगा। कूटनीति सबसे व्यवहारिक रास्ता है, जिसमें भारत जम्मू-कश्मीर के विकास को प्रदर्शित कर ढङ्ङ के लोगों का दिल जीत सकता है। पाक अधिकृत कश्मीर न केवल एक भू-राजनीतिक चुनौती है, बल्कि उन 60 लाख लोगों की जमीन भी है जो शांति और प्रगति चाहते हैं। 1947 का बंटवारा और भारत का अटल संकल्प इसे विभाजन और उम्मीद का प्रतीक बनाते हैं। युद्ध अंतिम रास्ता है, लेकिन कूटनीति और विकास के जरिए भारत पोक के लोगों का विश्वास जीत सकता है। यह राह लंबी और कठिन है, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति से असंभव कुछ भी नहीं। पोक का भविष्य भारत और पाकिस्तान के फैसलों पर टिका है, और इसमें शांति की जीत ही सबसे बड़ी उम्मीद है।

रीढ़विहीन अफसरशाही: सिद्धरमैया से लेकर कांवड़ यात्री का पैर धोने वाले अधिकारी तक

एन.के. सिंह

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एक सार्वजानिक-सभा में भाषण दे रहे थे. बीच में अचानक भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता नारे लगाने लगे. यह बात राज्य के इस सबसे बड़े जन-प्रतिनिधि को इतनी नागवार गुज़री कि तत्काल आदेश दिया कि जो भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौजूद हैं, फ़ौरन मंच पर आयें. सुरक्षा के लिए तैनात एक एसीपी पूरी संजीदगी के साथ मंच पर आ कर सीएम साहेब को सैल्यूट किया लेकिन सैल्यूट का जबाव सीएम ने अपना दाहिना हाथ खींच कर थप्पड़ मारने के भाव से दिया। अधिकारी को प्रशासनिक सेवा की ट्रेनिंग में कानून-व्यवस्था के इस अध्याय से परिचित नहीं कराया गया था लिहाज़ा थोडा पीछे हुआ. मुख्यमंत्री की भावभंगिमा के प्रतिकार की आशंका से उनका सिक्यूरिटी अफसर अचानक बगल में आया तब इस "जननेता" को अहसास हुआ कि कैमरा लगा है और हजारों की भीड़ उनके उग्र भाव को देख रही है. हाथ पीछे आया. लेकिन लौटने के बाद मुख्यमंत्री उस अधिकारी की "अक्षमता" पर क्या प्रतिक्रिया देंगे यह अभी पता नहीं चला है। स्थाई कार्यपालिका की नियति में हीं इसकी दुर्गति है. जरा सोचें. इस वर्ग से (जिसे ब्रिटिश काल में आईसीएस) कहा जाता था, सन 1922 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री जॉर्ज लोयेड इनकी "क्षमता" से इतने खुश थे कि ब्रिटिश संसद में बोलते हुए इन्हें "स्टीलफ्रेम" की संज्ञा से नवाजा. यह वह काल था जब गांधी अंग्रेजों के खिलाफ जनाक्रोश सडकों पर लाने में अद्भुद रूप से सफल हो रहे थे. याने शोषणकारी औपनिवेशिक व्यवस्था में भी "आकाओं" को खुश करना इनकी भी मौलिक फितरत हो चुकी थी। भारतीय आईसीएस का एक बड़ा वर्ग भी आजादी की लड़ाई को दबाने में उसी

शिद्दत से लगा था. आजादी की औपचारिक घोषणा के पूर्व की अंतरिम सरकार में नेहरु इन आईसीएस अधिकारियों से छुटकारा चाहते थे. संविधानसभा में भी इनके खिलाफ माहौल था. लेकिन पटेल इस छोटे से काल इनकी साथ काम करने का अनुभव संविधानसभा में साझा करते हुए कहा "जिन यंत्रों के साथ काम करना हो उन्हें बिगाड़ते नहीं हैं". जाहिर है उनको भी उतना भरोसा नहीं था। लेकिन ढाई साल इनके साथ काम करने के बाद पटेल ने एक सवाल के जवाब में उसी सभा में 10 अक्टूबर, 1949 को कहा, "मैं पिछले कुछ समय से इनके साथ काम कर रहा हूँ. मैं अपने अनुभव के आधार पर पूरी संजीदगी से कह सकता हूँ कि "लॉयल्टी" की बात हो या "देशभक्ति" की, या फिर जिम्मेदारी की, यह अधिकारी वर्ग हम राजनीतिक लोगों से कहीं कम नहीं हैं. सच पूछिए तो इन तीन वर्षों में मैंने पाया कि इनका विकल्प नहीं है और अगर इन्होने निष्ठा और प्रतिबद्धता से काम न किया होता तो यह यूनियन ढह चुका होता। पटेल के कार्यकाल में हीं आल इंडिया सर्विस की अवधारणा के तहत आइएएस और आईपीस कैडर्स तैयार किया गया. इन सेवा में तीसरा वर्ग है इंडियन फारेस्ट सर्विस का. बाकि सारी सेवाएं यहाँ तक कि इंडियन फॉरेन सर्विस (आईएफएस) भी सेंट्रल सर्विसेज में आती हैं। हमने इमरजेंसी में भी इन अफसरों की भूमिका देखी जो सत्ता में बैठे आकाओं के लिए सब कुछ करने को तत्पर रहे. मोदी ने सन 2014 में सत्ता हासिल की तो पहला काम किया अपने राजनीतिक सहयोगियों याने सीनियर मंत्रियों तक को किनारे कर अफसरशाही का सहारा लेना. आज पीएमओ में बैठे चंद अधिकारियों की दहशत से बड़े से बड़ा भाजपा सीएम भी घबराता है।

लोयड से पटेल से मोदी तक : अगर किसी संस्था की तारीफ औपनिवेशिक शासन के ब्रिटिश पीम से लेकर आजाद नए भारत का एचएम करे तो इससे एक बात तो साफ़ है। अफसरों को "अक्काओं" के हुक्म बजा लाने में महारथ हासिल है. ईडी से लेकर आईटी तक और सीबीआई से लेकर थाने के दरोगा तक अपनी रीढ़ गिरवी रख चुके हैं किसी नेता के घर ताकि पोस्टिंग अच्छे मिले और ट्रान्सफर मन माफिक हो. । कर्नाटक की उपरोक्त छोटी सी घटना बताती है कि देश के प्रशासनिक ढांचे को शक्ति-असंतुलन के दीमक ने कितना खोखला कर दिया है. लेकिन इसमें एक पक्ष झराजनीतिक कार्यपालिका झ हीं दोषी नहीं है. इन आकाओं को खुश करने के लिए ये अधिकारी बुलडोजर से गिरे मकान और आर्तनाद करती महिलाओं-बच्चों की फोटो अपने सीएम के साइट पर अपलोड करते हैं. बच्चों को स्कूल में मिड-डे मील में चावल और नमक खिलाये जाने की फोटो और खबर प्रकाशित करने वाले पत्रकार को यही अफसर सत्तादल को खुश करने के लिए संगीन दफाओं में महीनों जेल में रखते हैं। अफसरों को ज्वाइन करने के समय संविधान और कानून के अनुरूप काम करने की शपथ लेनी होती है लेकिन 75 सालों में अच्छी पोस्टिंग का लालच और ट्रान्सफर का डर इनकी नैतिक रीढ़ तोड़ चुका है. नतीजतन उत्तर प्रदेश में एक एसपी मीडिया बुलाकर एक कांवड़ यात्री के पैर धोता है और विडियो को सीएम ऑफिस को भेज देता है. होड़ में एक डीएसपी होली पर मुसलमानों को आदेश देता है कि रंग से ऐतराज है तो घर में बैठें लेकिन उस राज्य का सीएम ईद के अवसर ऐलान करता है कि सड़क नमाज पढ़ने की जगह नहीं है. अगले दिन एसपी/डीएसपी को शाबासी मिलती है. तो थप्पड़ को जलालत क्यों मानें?

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

इंजीनियरिंग में बेस्ट आप्शंस

स्टूडेंट्स के बीच इंजीनियरिंग हमेशा से हॉट सब्जेक्ट रहा है, क्योंकि बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग के बाद करियर के कई ऑप्शंस खुल जाते हैं। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस, पीएसयू, प्राइवेट सेक्टर में शानदार जॉब हासिल कर सकते हैं। अगर आप इंजीनियरिंग में एडमिशन लेने जा रहे हैं, तो जानें यहां आपके लिए क्या बेस्ट ऑप्शंस हैं..

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग

एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए 12वीं में साइंस सब्जेक्ट यानी फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स/ बायोलॉजी जैसे सब्जेक्ट होने चाहिए। अधिकतर एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी एग्रीकल्चर इंजीनियर के बीई/बीटेक प्रोग्राम्स में एडमिशन के लिए एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन करती है। इस कोर्स की अवधि चार वर्ष की होती है। इसमें डिप्लोमा कोर्स भी किया जा सकता है। कुछ संस्थानों में एडमिशन बारहवीं के अंक के आधार पर भी होता है। आज इस फील्ड में अवसर भी कम नहीं है। स्किल्ड प्रोफेशनल्स प्रोडक्शन, सेल्स, मैनेजमेंट, रिसर्च आदि फील्ड में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

12वीं साइंस (मैथ्स) के स्टूडेंट्स बीई/बीटेक एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं या एयरोनॉटिक्स में डिप्लोमा भी कर सकते हैं। विभिन्न कॉलेजों और आईआईटीज में एयरोनॉटिक्स में डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कोर्स उपलब्ध है। कई पॉलिटेक्निक्स द्वारा एविएशन में डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। देश में कुछ संस्थान एविएशन में पोस्ट ग्रेजुएट (एमटेक) और डॉक्टोरल प्रोग्राम (पीएचडी) भी कराते हैं। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग का बीई/ बीटेक कोर्स चार साल का होता है, जबकि डिप्लोमा कोर्स की अवधि दो-तीन साल होती है। एयरोनॉटिकल इंजीनियर गवर्नमेंट और प्राइवेट एयरलाइंस में जॉब की तलाश कर सकते हैं। इसके अलावा, नेशनल एयरोनॉटिकल लैब, एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, इसरो आदि में भी जॉब पा सकते हैं।

ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग

इन दिनों ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स की डिमांड काफी बढ़ गई है। आप आईआईटी (गुवाहाटी) से बीटेक इन डिजाइनिंग (चार वर्षीय) का कोर्स कर सकते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) अहमदाबाद, इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में चार वर्षीय प्रोग्राम ऑफर करती है। इन सभी कोर्स में 12वीं (पीसीएम) के बाद जेईई मेन्स और एडवांस क्वालिफाई करके एडमिशन लिया जा सकता है। आईआईटी, दिल्ली से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) हासिल कर सकते हैं। आईआईटी, कानपुर भी इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में दो वर्षीय मास्टर डिग्री कोर्स कराती है। इसके अलावा, इंडस्ट्रियल डिजाइन सेंटर, आईआईटी-मुंबई से इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग में मास्टर डिग्री (दो वर्षीय) प्राप्त कर सकते हैं।

जेनेटिक इंजीनियरिंग

इस कोर्स में एंट्री के लिए 12वीं बायोलॉजी, केमिस्ट्री और मैथ्स से पास होना जरूरी है। इस समय अधिकतर यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट में जेनेटिक इंजीनियरिंग के लिए अलग से कोर्स ऑफर नहीं किया जाता है, लेकिन इसकी पढ़ाई बायोटेक्नोजी, माइक्रोबायोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री में सहायक विषय के रूप में होती है। बायोटेक्नोलॉजी के अंडर ग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट में जेनेटिक इंजीनियरिंग में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। गेजुएट कोर्स, बीई/बीटेक में एंट्री प्रवेश परीक्षा के आधार पर होती है। जेनेटिक इंजीनियर के लिए भारत के साथ-साथ विदेश में भी जॉब के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। मेडिकल और फार्मास्युटिकल कंपनी, एग्रीकल्चर सेक्टर, प्राइवेट और गवर्नमेंट रिसर्च और डेवलपमेंट सेंटर में जॉब हासिल कर सकते हैं। टीचिंग को भी करियर ऑप्शन के रूप में आजमाया जा सकता है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बनने के लिए स्टूडेंट को जेईई या फिर स्टेट लेवल पर आयोजित होने वाले इंजीनियरिंग एग्जाम को क्वालिफाई करना जरूरी है। 12वीं साइंस के स्टूडेंट्स इस कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं। इसके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ होना चाहिए। मौजूदा समय में इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स की मांग में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इंडस्ट्रीज मैन्युफैक्चरिंग, टेलीविजन, कंप्यूटर, माइक्रोवेब्स से संबंधित इंडस्ट्रीज में इसकी खूब मांग है। इसके अलावा, एटमी प्लांट्स, हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट्स, थर्मल पावर आदि के डिजाइन और डेवलपमेंट इलेक्ट्रिक इंजीनियर की अहम भूमिका होती है।

फायर इंजीनियरिंग

फायर इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए साइंस सब्जेक्ट्स से बारहवीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा, इन कोर्सेज में प्रवेश के लिए कई संस्थान नेशनल लेवर पर एंट्रेंस एग्जाम और साक्षात्कार आदि भी आयोजित करते हैं। फायर इंजीनियरिंग से रिलेटेड सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। कोर्स के दौरान आग बुझाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज में फिजिकल फिटनेस के मार्क्स भी जोड़े जाते हैं। दिल्ली कॉलेज ऑफ फायर ऐंड सेफ्टी इंजीनियरिंग के डायरेक्टर जेड एस लाकड़ा के मुताबिक, फायर इंजीनियरिंग से जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए गवर्नमेंट और पब्लिक सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं। इस फील्ड में जुड़े प्रोफेशनल्स रेलवे, एयरफोर्ट ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया, डिफेंस फोर्स, इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, ओएनजीसी, माइंस, रिफाइनरिज, पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स आदि में जॉब की तलाश कर सकते हैं।

कंप्यूटर साइंस

कंप्यूटर साइंस में करियर बनाने के लिए मैथ्स और साइंस (फिजिक्स, केमेस्ट्री) में अच्छी पकड़ होनी चाहिए। इस ब्रांच में बीई या बीटेक करने के बाद पोस्टग्रेजुएशन यानी एमई/एमटेक किया जा सकता है। कंप्यूटर इंजीनियर्स के लिए देश-विदेश दोनों जगहों पर अच्छी संभावनाएं हैं। ये सॉफ्टवेयर्स को डिजाइन, डेवलप और मेंटेन करते हैं। इस फील्ड से जुड़े लोगों को सॉफ्टवेयर कंपनीज और आईटी कंपनियों में जॉब मिलती है। कंप्यूटर इंजीनियर अपनी टीम के साथ मिलकर मैथ और साइंस का प्रयोग करके कंप्यूटर को डिजाइन और डेवलप करते हैं। आमतौर पर कंप्यूटर के पुजरें के साथ काम करने वाले प्रोफेशनल्स को हार्डवेयर इंजीनियर कहा जाता है और जो कंप्यूटर के प्रोग्राम्स के साथ काम करते हैं, उन्हें सॉफ्टवेयर इंजीनियर कहा जाता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

इन दिनों पेट्रोलियम इंजीनियर्स की काफी डिमांड है। अन्य इंजीनियरिंग ब्रांच की ही तरह पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स का 12वीं साइंस (फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथमेटिक्स) से पास होना जरूरी है। इस कोर्स में एडमिशन के लिए जेईई पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद इंडियन ऑयल, ऑयल इंडिया लिमिटेड, एचपीसीएल, ओएनजीसी, बीपी आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है।

माइनिंग इंजीनियरिंग

माइनिंग इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन के लिए मैथ, फिजिक्स और केमिस्ट्री से 12वीं पास होना जरूरी है। माइनिंग इंजीनियरिंग में एडमिशन के लिए जेईई जैसे एंट्रेंस एग्जाम को पास करना जरूरी है। कोर्स कंप्लीट करने के बाद स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, कोल इंडिया लिमिटेड, आईपीसीएल, नेवली लिग्नाइट कॉरपोरेशन, यूरेनियम कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, आदि में जॉब की संभावनाएं तलाश सकते हैं। इसके अलावा, रिसर्च और टीचिंग में भी काफी स्कोप है।

हॉबी भी बन सकती है कमाई का साधन

यदि आपकी भी कोई हॉबी है, तो वह आपको अच्छा रिटर्न भी दे सकती है। जरूरत है कि आप अपनी हॉबी को अपना पैशन बना लें, तभी तो वह आपको लाभ देगी। पैशन को निवेश में बदलने की शुरूआत करने पर उससे संबंधित कुछ बातों को जानना जरूरी है, तभी तो आप उसकी सही कीमत पा सकती हैं और अपनी कड़ी मेहनत से जुटाई संग्रहणीय वस्तुओं को भी सुरक्षित रख सकती हैं।

कलैक्शन के लिए जुनून

कलैक्शन की ललक किसी में बचपन या बुढ़ापे से ले कर कभी भी पैदा हो सकती है। कला, पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप, सिक्के और नोट सरीखी वस्तुओं का कलैक्शन लंबे समय में आपको अच्छी रिटर्न दे सकता है।

शुरूआत के लिए

यदि आप कुछ संग्रह करना शुरू करने वाली हैं, तो बेहतर है कि आप आम कलैक्शन के साथ शुरूआत करें। उदाहरण के लिए यदि आप स्टांप इकट्ठी करने वाली हैं, तो जितनी ज्यादा संभव हो, उतनी स्टांप इकट्ठी करें और जब कुछ समय के बाद आपके पास स्टांप का अच्छा-खासा कलैक्शन हो जाए, तो आप किसी खास देश की खास स्टांप पर भी फोकस कर सकती हैं। इससे मिलने वाली खुशी एक संकलनकर्ता का प्रोत्साहन होती है, न कि उसके संकलन की मार्कीट वैल्यू उसके लिए मायने रखती है।

अभिभावकों की भूमिका

अगर किसी बच्चे में कलैक्शन की हॉबी है तो अभिभावक और शिक्षकों को उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिभावकों में अपने बच्चे के टैलेंट को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चे की कलैक्शन की आदत को पैशन बनाने में उसे प्रोत्साहन दें। वे अपने बच्चे का परिचय ऐसी विभिन्न सोसायटियों से करा सकते हैं, जहां पर पुराने और बड़े संकलनकर्ता दूसरों को प्रोत्साहित करने के लिए मीटिंग और सैमीनार आयोजित करते हैं। ये सोसायटियां किसी संकलनकर्ता के संकलन की जानकारी को लोगों से सांझा करने और उनके संकलन को विस्तृत बनाने के लिए जानकारियां देने में मददगार होती हैं।

विशिष्ट कलैक्टरों की जमात में शामिल होने के लिए संकलनकर्ता को अपने संकलन के विषय की गहन जानकारी होनी चाहिए। उसके लिए अपने विषय के अन्य संकलनकर्ताओं और उनके संकलन के स्तर के बारे में जानना भी बेहद जरूरी है, सो इसके लिए आप प्रदर्शनियों में जाएं तथा नैट पर सर्च करती रहें।

उपलब्धता भी रखती है मायने

आप जिस चीज का संकलन करने जा रहे हैं, उसकी उपलब्धता का स्तर जानना बेहद महत्वपूर्ण है। यह भी समझें कि विशिष्ट संकलनकर्ताओं के पास संजोई गई चीजें आसानी से नहीं मिलतीं।

डीलर की पहचान जरूरी

स्टांप, स्कल्पचर और सिक्के बेचने वाले डीलरों से कोई चीज खरीदने से पहले आप अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें कि वास्तव में वह वस्तु अपने दाम के अनुरूप है या नहीं। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय प्रत्येक आइटम का गहनता से परीक्षण करना होगा। इसकी भी जांच कर लें कि वह चीज अच्छी स्थिति में हो और किसी अधिकृत संस्था द्वारा प्रमाणित हो। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय इस बात का भी ध्यान रखें कि कहीं आप धोखाधड़ी का शिकार तो नहीं हो रहे हैं, क्योंकि बहुत सी नई चीजों को पुराना रूप देकर एंटीक बता दिया जाता है।

संग्रहणीय वस्तुओं की सुरक्षा

एक संकलनकर्ता को अपनी संग्रहणीय वस्तुओं की गुणवत्ता के साथ किसी हाल में समझौता नहीं करना चाहिए। उन्हें अपने संग्रहण की स्थिति की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। ऐसी चीजों को इकट्ठा करने से बचना चाहिए, जो सही स्थिति में न हों, हालांकि पुराने इस्तेमाल हो चुके स्टांप इसके अपवाद हो सकते हैं। संकलनकर्ता आम तौर पर अपनी कलैक्शन को लेकर बेहद पोजैसिव होता है। अपनी कलैक्शन को लोगों के हाथ में देकर दिखाने की अपेक्षा दूर से दिखाना बेहतर तरीका है। सिक्कों के संग्रहणकर्ताओं को अपने सिक्के साफ पानी से धोने चाहिएं। ऐसे रसायनों से बचना चाहिए जिनसे सिक्कों की वास्तविक चमक कम हो जाती हो।

संकलनकर्ताओं को अपने संकलनको दुर्लभ, अति दुर्लभ जैसी श्रेणियों में वर्गीकृत कर उनका कैटालॉग बनवा कर उनके विषय में लोगों को जानकारी देनी चाहिए।

संकलन का बाजार

संकलनकर्ताओं को देखना चाहिए कि उनके संकलन के लिए आसान खरीद और बिक्री का बाजार हो। संकलित वस्तुओं को किसी मान्यता प्राप्त अथॉरिटी से प्रमाणपत्र मिला होना चाहिए। संग्राहक के पास अपने संकलन को बेहतर स्थिति में सुरक्षित रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी होना चाहिए।

पैशन को दें दिशा

अपने पैशन को यूं ही मत जाने दें। आपका यह पैशन आपको किसी बड़े निवेश की ओर ले जा सकता है। अगर आपको सिक्के इकट्ठे करने का शौक है तो आप सिक्कों का एक बड़ा कलैक्शन कर इन्हें बेच कर अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं अर्थात आपकी हॉबी भी पूरी होगी और पैसा कमाने की चाहत भी। पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप तथा दुनिया के तमाम देशों की करंसी इकट्ठा करने की आपकी हॉबी आपको धनवान बना सकती है।

आफिस और आपका व्यवहार

ऑफिस में कभी काम को कल पर टाल कर, तो कभी काम ज्यादा होने पर छुट्टी ले लेना जैसी आदतें पुरुषों में ही नहीं, बल्कि महिला कर्मचारियों में भी पाई जाती हैं। उन्हें तो शायद यह महसूस भी नहीं होता कि उनकी यह आदत धीरे-धीरे उनकी ही परफार्मैंस पर भारी पड़ते हुए उन्हें बॉस की नजरों में गैर-जिम्मेदार ठहराती जा रही है।

महिलाएं अक्सर दूसरों के सामने यह राग अलापती हैं कि वे तो मजे की नौकरी कर रही हैं। ऐसी बातें जब बॉस के कानों में पहुंचती हैं, तो वह निल-परफार्मैंस के साथ सहज ही आपकी तुलना कर लेता है। यही कारण है कि जब प्रमोशन की बात आती है तो कई बार आपके जूनियर बाजी मार जाते हैं। ऐसी कई गलतियां हैं, जिनकी आदी हो चुकीं महिला कर्मचारी इन्हें अपनी आदत बना लेती हैं। यदि आप में भी कोई ऐसा अवगुण है तो उसे समय रहते ही सुधार लेना आवश्यक है।

अपनी गलती दूसरों के सिर न मढ़ें

अपनी गलती को छिपाने वाले तथा बॉस की नजरों में अच्छी इमेज साबित करने वाले लोग हर जगह होते हैं। ऐसे लोग अपनी गलती दूसरे के सिर मढ़ कर बच निकलना चाहते हैं, परंतु अपनी इस आदत के कारण दूसरों की परेशानी की वजह बन जाते हैं। यदि आप में भी यह आदत है तो इसे सुधार लेना ही बेहतर है। हो सकता है कि आरंभ में अपनी गलती मानते हुए आपको शर्मिंदगी महसूस हो, लेकिन यकीन मानें कि उसे छिपाने में आपको कहीं ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। अपने किसी कुलीग के सिर गलती मढने् की कोशिश हर बार कामयाब नहीं हो सकती और गलती साबित हो जाने पर वह स्थिति अधिक कष्टदायक हो सकती है।

रोज की बहानेबाजी तौबा-तौबा

कई बार आप सुबह उठती हैं और काम पर जाने का मन नहीं हो रहा या बच्चों ने घूमने की फरमाइश कर दी तो तुरंत फोन कर बॉस से पेट दर्द, सिरदर्द या किसी और बीमारी का बहाना बना कर आप लीव ले लेती हैं। छुट्टी लेना तो आपका अधिकार है और उस समय आप अभिनय में कलाकारों को भी मात दे देती हैं। कुछ दिन की छुट्टी चाहिए तो मैडीकल सर्टीफिकेट देकर लंबी छुट्टी ले ली परंतु ऐसी बहानेबाजी आपके दूसरे कुलीग्स का वर्क प्रैशर बढ़ा देती है। कभी यह सोचा है कि आपकी इस आदत के चलते आप अपने सहयोगियों का ही नहीं, बल्कि अपने बॉस का भी विश्वास खोने लगती हैं, क्योंकि वह आपको जिम्मेदारी का काम या ओहदा देने से कतराने लगते हैं।

व्यवहार हो संतुलित

किसी ने आपके काम पर उंगली उठाई या फिर आपको क्रिटीसाइज किया तो आप अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पातीं और गुस्से में लाल-पीली होकर सामने वाले पर बरस उठती हैं या फिर आप सामने वाले की कही गलत बातों को भी चुपचाप सुन स्वयं में ही सिमटे हुए वहां से उठ कर चल देती हैं। प्रोफैशनल नजरिए से देखा जाए तो दोनों तरह के व्यवहार सही नहीं हैं, क्योंकि तुरंत रिएक्ट करने से आप सबकी नजरों में एग्रैसिव साबित होते हैं तो चुपचाप हर किसी की नाराजगी झेलने से आप सॉफ्ट टार्गेट बन जाते हैं। इसलिए बेहतर है कि व्यवहार को संतुलित रखें क्योंकि दोनों ही स्थितियों में आप अपना सही पक्ष नहीं रख सकतीं। इसलिए बेहतर है कि भीतर का आक्रोश थम जाने पर ही सामने वाले से बात करें। इससे आप जहां सही ढंग से अपना पक्ष रख सकेंगी, वहीं आपकी एनर्जी बेकार की बातों में वेस्ट नहीं होगी और काम पर भी उसका नैगेटिव असर नहीं पड़ेगा।

पर्सनल काम करें अवॉयड

ऑफिस के फोन से पर्सनल कॉल करना, ई-मेल पर चैट करना, प्रिंट पर पर्सनल डॉक्यूमैंट्स के प्रिंट लेना या फिर घरेलू कामों को निपटाना जैसे काम एक दिन बॉस के नोटिस में आ ही जाते हैं। ये सब आपकी कार्यक्षमता पर सवालिया निशान भी लगाते हैं। इसलिए बेहतर है कि इस प्रकार के पर्सनल कामों को अवॉयड किया जाए।

शालीन पहनावा

जब बात ऑफिस में प्रोफैशनल बिहेवियर की चल रही हो तो सही ड्रैसिंग भी उसी में आती है। यदि ऑफिस में कोई ड्रैस कोड नहीं है तो आपकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, इसलिए ऑफिस में हमेशा ग्रेसफुल पोशाक ही पहनें, क्योंकि इसी से आपके सहयोगी आपके बारे में अपनी राय कायम करते हैं।

आतंकवाद का खात्मा मानवता का पहला कर्तव्यः नकवी

एजेंसी
नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि आतंकवाद केवल भारत की समस्या नहीं है बल्कि यह पूरे विश्व के लिए चुनौती है। अगर कोई देश आतंकवाद का सुरक्षित ठिकाना बन गया हो, आतंकवादियों का शरणगाह बन गया हो, तो निश्चिततौर पर ऐसे ठिकानों को नष्ट करना मानवता का पहला कर्तव्य है। पूरी दुनिया एक स्वर में आतंकवाद के चारागाहों, शरणगाहों को खत्म करने की आवाज उठ रही है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री को जनगणना में जातिगत गणना को लेकर तीन सुझाव देने से जुड़े सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया में नकवी ने कहा कि जातिगत गणना के मामले में राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ लगी हुई है। इसमें कोई आपत्ति भी नहीं है, लेकिन आज पुरानी पार्टी के कुछ कुंठित चरित्र की कलाबाजी दिखाई दे रही है, वो ठीक नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सवाल पर इस पार्टी के कुनबे के कुंठित नेताओं की कलाबाजी दिखाई दे रही है। उस पर पुरानी पार्टी के अध्यक्ष को नियंत्रित करना जरूरी है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा, 'पीएम मोदी जो कहते हैं वह पूरा करते हैं'

नई दिल्ली । भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद यह भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। सेना की इस कार्रवाई के बाद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि यह उन लोगों के मुंह पर जोरदार तमाचा साबित हुआ है जो कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिर्फ बातें करते हैं, वह सिर्फ खोखले वादे करते हैं। इस कार्रवाई से सिद्ध हो गया कि पीएम मोदी जो कहते हैं वह पूरा करते हैं। बुधवार को केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि हम ऐसी कार्रवाई करेंगे कि दुश्मन को समझ में आ जाएगा कि हमें उकसाने का क्या मतलब होता है। इस कार्रवाई के लिए हम भारतीय सेना और नरेंद्र मोदी का दिल से आभार व्यक्त करते हैं। कांग्रेस नेताओं के बयानों पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोगों को यह समझ नहीं है कि कब क्या बयान देना है। अनुभवहीनता के कारण वह पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। पीएम मोदी और हम लोग कांग्रेस के बयान को गंभीरता से नहीं लेते हैं। हम भारत की प्रतिष्ठा को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। आतंक पर भारत की कार्रवाई पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि अभी बहुत कुछ बाकी है। ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय जनता संतुष्ट है। लेकिन, अभी पाकिस्तान को पूरा जवाब नहीं दिया है। अभी तो हमारी सेना ने आतंकवादियों के गढ़ को ध्वस्त किया है। अगर पाकिस्तान किसी बहकावे में आता है तो जवाब में कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पीओके के मंदिरों के खंडहरों में पुनः सुनाई देगा हर-हर महादेव का जयघोषः कपिल मिश्रा

नई दिल्ली । भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले को लेकर बीजेपी नेता और दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने इसे आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कदम बताते हुए कहा, 1400 साल के आतंक का सर्वनाश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा।कपिल मिश्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पीओके के मंदिरों के खंडहरों में पुनः हर हर महादेव का जयघोष सुनाई देगा। युद्ध काल में सबको सैनिक बनना होगा। डॉक्टर, नर्स, पुलिस, निगम कर्मचारी और सामान्य नागरिक, सभी को योद्धा की तरह कर्तव्यों का पालन करना होगा। भव्य विजय की तैयारी करें। कपिल मिश्रा ने एक अन्य पोस्ट में पाकिस्तान के मदरसों में रात को हुए ऐलान का जिक्र करते हुए तंज कसा। उन्होंने लिखा, ÷पाकिस्तान के मदरसों में ऐलान हुआ- घर छोड़कर भागो, कलमा पढ़ते रहो। जिहादियों ने बेगुनाहों को कलमा पढ़ने को कहा था, जो नहीं पढ़ पाया, उसे मार दिया गया। अब वे भागते-भागते कलमा पढ़ रहे हैं। जिहादियों ने कहा था, मोदी को बता देना। जाओ, बता दिया। भारत माता की जय।

भारत में स्लीपर सेल से जानकारी लेते हैं आतंकीः कर्नल सोही

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का माहौल है। इस हमले के पीछे आतंकियों की रणनीति और स्लीपर सेल की भूमिका पर कर्नल एसएस सोही (रि.) ने से विस्तृत बातचीत की। कर्नल सोही ने बताया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन स्लीपर सेल के जरिए भारत में अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं। ये स्लीपर सेल सामान्य नागरिकों की तरह रहते हैं और जरूरत पड़ने पर सक्रिय होकर जासूसी, रेकी और हमले को अंजाम देते हैं। उन्होंने कहा कि स्लीपर सेल के सदस्य बिना किसी संचार या गतिविधि के चुपचाप रहते हैं। जब पाकिस्तान से निर्देश मिलते हैं, तब ये भारतीय सेना की गतिविधियों, सैन्य टुकड़ियों के मूवमेंट और संवेदनशील स्थानों की जानकारी जुटाते हैं। ये लोग मोबाइल फोन से फोटो, वीडियो बनाकर भेजते हैं। कई बार भारतीय सेना और खुफिया एजेंसियों की सतर्कता के कारण इन्हें पकड़ लिया जाता है।

भारत का पानी अब भारत के काम आएगाः प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को स्थगित करने के फैसले पर दो टूक कहा कि 'भारत का पानी अब भारत के हक में बहेगा, भारत के हक में रुकेगा और भारत के ही काम आएगा।' पानी के मुद्दे पर पिछली सरकारों पर हमला करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यों के बीच नदियों के जल को दशकों तक विवाद का मुद्दा बनाये रखा गया। वर्तमान सरकार नदियों को जोड़ने की महत्वकांक्षी योजनाओं से इसका समाधान तलाश रही है। इस संदर्भ में उन्होंने केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का ज़िक्र करते हुए कहा कि इनसे लाखों किसानों को लाभ पहुंचेगा और सिंचाई की दिक्कत दूर होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज एबीपी नेटवर्क के इंडियाञ्च2047 समिट में भाग लिया। इस दौरान अपने संबोधन को उन्होंने उनके नेतृत्व में चल रही सरकार के कठोर

निर्णयों और उनके प्रभावों पर केन्द्रित किया। राष्ट्र हित सर्वोपरी को अपनी सरकार की नीति बताते हुए उन्होंने पिछली सरकारों पर कटाक्ष किया, ÷एक दौर था जब फैसले लेने से पहले सोचा जाता था कि दुनिया क्या कहेगी या वोटबैंक पर असर पड़ेगा। लेकिन आज भारत नीतियों को राष्ट्रहित में तय कर रहा है और उसका लाभ देश को मिल रहा है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते पर भी बात रखी। उन्होंने इसे भारत के लिए ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि यह समझौता दोनों देशों के लिए एक नया आर्थिक अध्याय जोड़ने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हमने मानव-केंद्रित वैश्वीकरण का मार्ग चुना है। सच्चा विकास बाजारों की मजबूती से नहीं बल्कि व्यक्ति के स्वाभिमान और सपनों की पूर्ति से आंका जाता है। इसी कारण भारत का ध्यान केवल जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर नहीं है, बल्कि जीईपी यानी 'ग्रॉस एंपावरमेंट ऑफ पीपल' पर है। अब देश की प्रगति का मापदंड हर व्यक्ति की गरिमा, आत्मनिर्भरता और उसकी आकांक्षाओं की पूर्ति होगा। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भरता को भारत की आर्थिक पहचान का हिस्सा बताया और आश्चर्य जताया कि दशकों तक भारत को केवल एक 'बाजार' समझा गया। उन्होंने कहा कि अब वह सोच बदल चुकी है। भारत आज अनेक क्षेत्रों में निर्माता के रूप में उभर रहा है। उन्होंने परंपरा और तकनीक के तालमेल पर भी बल दिया। मोदी ने कहा कि भारत अब डिजिटल लेन-देन के मामले में विश्व के शीर्ष देशों में शामिल है। साथ ही योग और आयुर्वेद जैसी पारंपरिक विधाओं को भी वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण ने यह स्पष्ट किया कि भारत अब सिर्फ आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है।

कतर के अमीर ने प्रधानमंत्री को फोन कर आतंक के खिलाफ लड़ाई में दिया समर्थन

एजेंसी
नई दिल्ली। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात कर पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने की हर कार्रवाई को पूर्ण समर्थन दिया। वहीं प्रधानमंत्री ने एकजुटता और सहयोग के स्पष्ट संदेश के लिए उनका धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने तथा इस वर्ष के प्रारंभ में अमीर की राजकीय यात्रा के दौरान लिए गए निर्णयों को क्रियान्वित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ लगातार विश्व के नेताओं

का भारत को समर्थन मिल रहा है। अब तक विश्व के 16 नेता इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत कर चुके हैं और भारत के साथ एकजुटता दिखा चुके हैं।

पाकिस्तान आतंकवादियों के शरण स्थल के रूप में पहचान बना चुका है : विदेश सचिव

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने ऑपरेशन सिंदूर के पीछे भारत सरकार की मंशा स्पष्ट की है। उन्होंने बताया कि भारत के पास पुख्ता सबूत हैं कि पाकिस्तान आतंकियों की शरणस्थली है। भारत ने नपे-तुले अंदाज में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। मिस्त्री ने कहा, 26 नवंबर 2008 को हुए हमले के बाद भारत में हुई किसी आतंकवादी हमले में मारे गए आम नागरिकों की संख्या की दृष्टि से सबसे गंभीर घटना पहलगाम का हमला अत्यधिक बर्बरता पूर्ण था, जहां मौजूद लोगों को करीब से उनके परिवारों के सामने सिर पर गोली मारी गई। हत्या के इस तरीके से परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया गया, साथ ही उन्हें यह नसीहत दी गई कि वे वापस जाकर इस संदेश को पहुंचा दें। उन्होंने आगे कहा कि यह हमला स्पष्ट रूप से जम्मू और कश्मीर में बहस हो रही सामान्य स्थिति को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया था। पैटर्न फिर से अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार बन रहा था। इस हमले का मुख्य उद्देश्य देश के प्रतीक को प्रभावित करना था। पिछले वर्ष लगभग 2 करोड़ से अधिक पर्यटक कश्मीर आए थे। इस समय का मुख्य उद्देश्य इसलिए संभवतः एक संघ राज्य क्षेत्र में विकास और प्रगति को नुकसान पहुंचाकर इसे पिछड़ा बनाए रखना था। पाकिस्तान से लगातार होने वाली सीमा पार आतंकवाद से उपजाऊ जमीन बनाने में सहायता की जाए। हमले में जम्मू और कश्मीर और शेष राष्ट्र दोनों में सांप्रदायिक दंगे बढ़कर इसका श्री भारत और सभी नागरिकों को दिया जाना चाहिए, उनके प्रयासों को सफल कर दिया। उन्होंने बर्बर कार्रवाई को लेकर कहा- पहलगाम का हमला बहुत बर्बरतापूर्ण था। पाकिस्तान के आतंकियों से संबंध उजागर हुए हैं, हमलावरों की पहचान भी हुई है। परिवारों के सामने गोली मारी गई, पर्यटकों पर गोली बरसाई गई। आतंक के संबंध का पाकिस्तान से लंबा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। आतंकी हमले में टीआरएफ की भूमिका आई। प्रत्यक्षदर्शियों के इनपुट के आधार पर उन्हें चिन्हित किया गया। हमले का यह तरीका जम्मू-कश्मीर और देश में सांप्रदायिक दंगे फैलाने से प्रेरित था। एक समूह ने खुद को टीआरएफ कहते हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। इसे यूएन ने प्रतिबंधित किया है और यह लश्कर से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान स्थित समूहों के लिए कवर के तौर पर टीआरएफ का इस्तेमाल किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर : प्रियंका गांधी, मायावती और अखिलेश यादव ने सेना के शौर्य की तारीफ की

एजेंसी
नई दिल्ली। 'ऑपरेशन सिंदूर'पर भारत में हर तरफ खुशी की लहर है। हर कोई पाकिस्तान में आतंकियों पर की गई कार्रवाई का समर्थन कर रहा है। इस कड़ी में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि हमें अपनी सेना पर अत्यंत गर्व है। हमारे बहादुर जवान हमारी स्वतंत्रता और अखंडता को सुरक्षित रखते हैं। भगवान उनकी रक्षा करें। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, %%हमारी सेना पर हमें अत्यंत गर्व है। हमारे बहादुर जवान हमारी स्वतंत्रता और अखंडता को सुरक्षित रखते हैं। भगवान उनकी रक्षा करें और उन्हें धैर्य और वीरता से चुनौतियों का सामना करने की अपार हिम्मत दें। जय हिंद।' उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक्स पोस्ट में लिखा, 'पाकिस्तान में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की भारतीय सेना की 'ऑपरेशन सिंदूर' कार्रवाई गौरवमय व सराहनीय।' समाजवादी

पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पराक्रमो विजयते!' जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के ठिकानों पर हमला किया। ये ऐसे चिन्हित स्थान हैं, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई और उन्हें निर्देशित किया गया। कुल मिलाकर, नौ (9) ठिकानों को निशाना बनाया गया है, जिसमें आतंकवादी स्थल मरकज सुभान अल्लाह बहावलपुर, मरकज तैयबा, मुरीदके, सरजाल/तेहरा कलां, महमूना जोया सुविधा, सियालकोट, मरकज अहले हदीस बरनाला, भिम्बर, मरकज अब्बास, कोटली, मस्कर राहील शाहिद, कोटली जिले में स्थित हैं। इसके अलावा मुजफ्फराबाद में शावई नाला कैम, मरकज सैयदना बिलाल शामिल हैं।इस पूरे ऑपरेशन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात भर प्रगति पर बारीकी से नजर रखी। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों और सैन्य कमांडरों के साथ लगातार संपर्क में थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़े।

स्वास्थ्य केन्द्रों में अग्नि सुरक्षा पर द्वितीय राष्ट्रीय कार्यशाला में बोले जेपी नड्डा, केन्द्रों पर नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाना चाहिए

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में 'स्वास्थ्य क्षेत्र आपदा तैयारी एवं प्रतिक्रिया' तथा 'स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्नि सुरक्षा' पर दूसरी राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा नोडल अधिकारियों के समन्वय से 'अग्नि सुरक्षा सप्ताह' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाना चाहिए। ताकि लापरवाही के लिए कोई स्थान ही न बचें। उन्होंने कहा कि यह दूसरी कार्यशाला स्वास्थ्य मंत्रालय की स्वास्थ्य सुविधाओं में आपदा और अग्नि तैयारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को आपदा और

अग्नि घटनाओं के प्रति अधिक लचीला और प्रतिरोधी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नड्डा ने कहा कि हमें आपदाओं को घटित न होने देने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि निर्बाध, व्यापक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों पर उच्च-भार वाले उपकरणों, ऑक्सीजन और रसायनों जैसे अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थों के साथ काम करते हैं जो न केवल जीवन बचाते हैं, बल्कि ज्वलनशील भी होते हैं और खतरा पैदा कर सकते हैं। इसलिए, उनके प्रति अधिक संवेदनशीलता की आवश्यकता है। सभी हितधारकों से इस कर्तव्य में योगदान देने का आग्रह करते हुए नड्डा ने कहा कि यह जिम्मेदारी केवल शीर्ष स्तर के अधिकारियों की ही नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और पैरामेडिक्स की भी है। आपदा-प्रतिक्रिया के संबंध में स्वास्थ्य कर्मियों का आत्मविश्वास बढ़ाने की आवश्यकता है।

कांग्रेस ने दिखाई एकजुटता, कहा- पार्टी आतंकवाद के खिलाफ सरकार और सेना के साथ

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस ने आज कहा कि वह पूरी एकजुटता के साथ आतंकवाद के खिलाफ किसी भी निर्णायक कार्रवाई में सरकार और भारतीय सेना के साथ खड़ी है। पार्टी नेतृत्व ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की राष्ट्रीय नीति को दोहराते हुए कहा कि राष्ट्रीय एकता और एकजुटता इस समय सबसे ज्यादा जरूरी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भारत की पाकिस्तान और पीओके से उत्पन्न होने वाले हर प्रकार के आतंकवाद के खिलाफ एक अडिग राष्ट्रीय नीति है। हम अपने भारतीय सशस्त्र बलों पर गर्व करते हैं जिन्होंने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। हम उनके साहस और संकल्प की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के दिन से ही कांग्रेस सशस्त्र बलों और सरकार के साथ खड़ी है। राष्ट्रीय एकता समय की मांग है और कांग्रेस पूरी तरह देश के सैनिकों के साथ है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सशस्त्र

बलों की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिन्द! कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बयान में कहा कि यह समय एकता का है। 22 अप्रैल की रात से ही कांग्रेस यह स्पष्ट कह रही है कि सरकार को हमारा पूर्ण समर्थन रहेगा। कांग्रेस सशस्त्र बलों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह करने में इस्तेमाल की गई स्कैल्प और हैमर मिसाइल

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह करके पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया।इस जवाबी कार्रवाई में फ्रांसीसी लड़ाकू विमान राफेल से दागी गई स्कैल्प और हैमर मिसाइल भी फ्रांस में ही बनी हैं। राफेल में तीन तरह की मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जिसमें मीटियोर, स्कैल्प और हैमर मिसाइल हैं। इन तीनों मिसाइलों के साथ लैस होने की वजह से ही राफेल ने चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ा रखी है। हाइली एजाइल एंड मैनोवरेबल म्यूनिशन एक्टेंडेड रेंज (हैमर) हवा से जमीन पर मार करने वाले रॉकेट के जरिए चलने वाली मिसाइल किट है। हैमर मिसाइल हवा से जमीन पर 60 से 70 किलोमीटर तक दुश्मन को निशाना बना सकती है। राफेल में लगने वाली हैमर मिसाइल काफी खतरनाक है, जिसे जीपीएस के बिना भी 70 किलोमीटर की रेंज से लॉन्च किया जा सकता है। फ्रांस से 36 राफेल विमानों का सौदा होते समय भारत ने बजट के अभाव में फ्रांस से महंगे हैमर सिस्टम्स लेने के बजाय इजराइली स्पाइस-2000 बम से ही हैमर से लैस करने पर सहमति व्यक्त की। दूसरी खेप में तीन और राफेल विमानों की आपूर्ति होने के बाद बड़ी संख्या में हैमर सिस्टम्स भारतीय

काम चलाने का निर्णय लिया था, लेकिन पहली खेप में पांच राफेल की आपूर्ति के बाद हैमर सिस्टम्स लेने के लिए फ्रांस को ऑर्डर किया गया था।सितम्बर, 2020 में भारत और फ्रांस की सरकारों के बीच हैमर कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसकी आपूर्ति आमतौर पर एक साल में होनी थी, लेकिन फ्रांस ने भारत की जरूरत को तत्काल पूरा करने के लिए भारतीय राफेल को ऑल वेदर मिसाइल वायुसेना को मिल गई थीं। राफेल में लगने वाली हैमर मिसाइल काफी खतरनाक है, जिसे जीपीएस के बिना भी 70 किलोमीटर की रेंज से लॉन्च किया जा सकता है। हैमर हवा से जमीन पर मार करने वाली तेज गति से उड़ने वाली मिसाइल है। इसका वजन 340 किलो होता है। यह 10.2 फीट लंबी होती है। इसके अगले हिस्से में नेविगेशन और गाइडेंस सिस्टम लगा होता है।

ओआईसी का बयान बेतुका और पाकिस्तानी एजेंडे का हिस्साः विदेश मंत्रालय

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की ओर से जारी बयान को बचकाना बताया है। मंत्रालय ने कहा कि यह बयान पाकिस्तान के कहने पर जारी किया गया है और इसमें हमले की सच्चाई और उसकी सीमा पार से जुड़ी कड़ियों को अनदेखा किया गया है। भारत ने आरोप लगाया है कि ओआईसी को पाकिस्तान गुमराह कर रहा है। पाकिस्तान लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद में लिप्त है और ओआईसी का बयान उसके एजेंडे को आगे बढ़ाने वाला है। बयान में कहा गया, 'हम भारत के आंतरिक मामलों में ओआईसी के दखल को पूरी तरह अस्वीकार करते हैं।' उल्लेखनीय है कि ओआईसी ने हाल ही में अपने बयान में दक्षिण एशिया में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता जताई और भारत-पाकिस्तान के बीच वार्ता की वकालत की। ओआईसी ने जम्मू-कश्मीर मुद्दे पर अपने पुराने रुख को दोहराया और इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए मुख्य चुनौती बताया। ओआईसी ने अपने वक्तव्य में जम्मू-कश्मीर मुद्दे को दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए मुख्य चुनौती

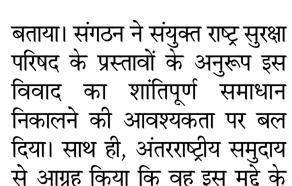

बताया। संगठन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के अनुरूप इस विवाद का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह इस मुद्दे के समाधान के लिए अपने प्रयास तेज़ करे ताकि क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित की जा सके।

समिट इंडिया का युद्ध की स्थिति में जन जागरण महाभियान शुरू करने का फैसला

एजेंसी
नई दिल्ली ।स्वैच्छिक संगठन 'समिट इंडिया' ने युद्ध की स्थिति में देशवासियों को आनी वाली दिक्कत के मद्देनजर जन जागरण का महाअभियान शुरू करने का फैसला किया है। इसके तहत लोगों को सरकार के परामर्श, एहतियात और सावधानी से अवगत कराया जाएगा। साथ ही अन्य स्वैच्छिक संगठनों के साथ मिलकर सहायता और सुविधा केंद्रों का निर्माण किया जाएगा है। इसके लिए देश के हजारों कार्यकर्ताओं के समूह बनाकर जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह फैसला समिट इंडिया के चेयरमैन एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू की अध्यक्षता में लिया गया। यह जानकारी समिट इंडिया के महासचिव महेश वर्मा ने दी।उन्होंने कहा कि चेयरमैन का संकल्प है कि युद्ध की स्थिति में गरीबों, मजदूरों और जरूरतमंद लोगों को किसी तरह की कठिनाई का सामना नहीं करने दिया जाएगा। उनकी हरसंभव मदद की जाएगी। संगठन देशभर में एआईसीटीई और कैप्सी जैसे सहयोगी संगठनों के माध्यम से लगभग 10 हजार सहायता शिविर और सुविधा केंद्रों का निर्माण करेगा। एआईसीटीई के

26 हजार शिक्षण संस्थानों की सहायता ली जाएगी। कैप्सी देश में डेढ़ करोड़ से ज़्यादा सुरक्षा गार्ड्स का बड़ा मंच है। इसके लगभग 30 हजार सदस्य हैं। इनकी मदद से रक्त की कमी नहीं होने दी जाएगी। वर्मा ने पूर्व में हुए युद्ध को लेकर देशवासियो के सहयोग को याद दिलाते हुए बताया कि देश ने तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के आह्वान पर एक वक्त का खाना का त्याग दिया था ताकि खाद्य संकट से निजात मिले। देश की माताओं और बहनों ने अपने आभूषण देने शुरू किए थे। आज देश आर्थिक रूप से संबल है। जापान से आगे निकलकर विश्व की चौथी आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। उन्होंने कहा कि लगभग 15,000 से अधिक स्वैच्छिक संगठनों और एवं कारोबारी प्रतिष्ठान के एसोसिएशन के साथ बातचीत की गई है। सबने आश्वासन दिया है कि ऐसे केंद्रों के निर्माण में सहयोग करेंगे। संगठन प्रमुख श्याम जाजू ने इस बावत खर्च की जाने वाली धनराशि का आवंटन भी किया है। यह धनराशि संस्था को दान स्वरूप प्राप्त होती है। जाजू ने देशवासियो से अपील की है वह दरिंदगी और नफरत को उखाड़ फेकने का संकल्प लेकर यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का इकबाल बुलंद रखने का प्रण लें।

'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना बधाई की पात्र : संदीप दीक्षित

एजेंसी
नई दिल्ली । भारत ने पहलगाम हमले का बदला पाकिस्तान और पीओके में 'ऑपरेशन सिंदूर' एयर स्ट्राइक से लिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। इसके लिए उन्होंने भारतीय सेना को बधाई दी। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान संदीप दीक्षित ने कहा कि खबरों के मुताबिक भारतीय सेना ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय को तबाह कर दिया है। इसके लिए मैं सेना को बहुत बधाई देता हूं।इससे पहले संदीप दीक्षित ने एक्स पोस्ट में लिखा, अभी सुबह-सुबह खबर मिली कि हमारी वायु सेना, थल सेना और जल सेना ने मिलकर पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर दिया, जहां-जहां से आतंक जन्म लेता था और पनपता था, उस कोख को ही बर्बाद किया है। हमारी सेनाओं को दिल से धन्यवाद और सलाम। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने पाकिस्तान पर हुए एयर स्ट्राइक पर कहा है कि हम भारतीय सेना के साथ हैं और यह सैन्य कार्रवाई स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, उसका पूरा समर्थन है। हम सरकार के साथ हैं। देश की इच्छा थी कि पाकिस्तान को एक बार उसकी जगह बताएं। पाकिस्तान बार-बार आंख मिचौली का खेल खेलकर हमारे लोगों को मारता था और अपनी दहशतगर्दी से बाज नहीं आ रहा था। उसको सबक सिखाने की जरूरत थी और वह कदम भारतीय सेना ने उठाया।गौरतलब है कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें आतंकवादी समूह लश्कर-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर भी शामिल है। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 लोगों की गोलीमार कर निर्मम हत्या कर दी थी। इसके बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है। भारत ने पड़ोसी मुल्क के खिलाफ काफी सख्त कदम उठाए थे और पीएम मोदी लगातार आतंकियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की बात कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

अलका मिश्रा (अस्सिटेंट वाइस प्रेसिडेंट), और उनकी टीम ने की वृक्षारोपण

संवाददाता श्रीकान्त यादव की रिपोर्ट
अलका मिश्रा अस्सिटेंट वाइस प्रेसिडेंट- एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड (पटना) में पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने हेतु वृक्षारोपण किया गया। अलका मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में मानव जीवन पर पर्यावरण प्रदूषण सबसे बड़ा संकट बनकर आया है। ऐसे में आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण को अनुकूल बनाने में हर व्यक्ति को अपने आसपास एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। अलका मिश्रा ने कहा कि मानव और पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं। दिन प्रतिदिन पृथ्वी से वृक्षों के कम होने से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। हमारी बुरी आदतें जैसे बेवजह पानी बर्बाद करना, पॉलिथीन का उपयोग, वृक्षों की कटाई आदि से पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। साथ ही लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से क्षेत्र के करीब 180 लोगों के बीच एक एक फलदार पौधों का वितरण किया गया।
सुत्रो से पता चला अलका मिश्रा ना सिर्फ अस्सिटेंट वाइस प्रेसिडेंट ही हैं ब्लकी एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं अलका मिश्रा ने अपने दम से जो ख्याति अर्जित की उसकी मिसाल दी जाती है। साथ ही वो अपना सारा श्रेय अपनी टीम मेम्बर को देती हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भाजपा कार्यकर्ता ने जश्न मनाया

सं, सू पंकज कुमार ठाकुर
चांदन (बांका) आज बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अपने समर्थकों के साथ बस स्टैंड चांदन में एकत्रित होकर भारतीय सेना के द्वारा चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर जश्न मनाते हुए भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम को सलाम किया एवं भारतीय सेना जिन्दावाद के नारे लगाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष निरंजन सिंह ने की।आज कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता हरेकृष्ण पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष चन्दन सिन्हा, बेचन महतों, सुबोध यादव, तरुण दूबे, मुकेश दूबे, भीमलाल चौधरी, रंजन बर्णवाल, नवीन वर्मा, लक्ष्मी राऊत, रंजन दूबे, ज्योतिंद्र चौधरी, शम्भू पाण्डेय सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने किया ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सेना की सराहना

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम
मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी स्थलों को निशाना बनाते हुए ऑपरेशन सिंदूर सफलतापूर्वक सम्पादन करने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना किया है। उन्होंने कल रात भारतीय सेना द्वारा आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले की भारी सराहना की। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए कल यह अभियान चलाया गया था। इनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के बेस सहित नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले शामिल थे। मुख्यमंत्री संगमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "#OperationSindoor भारत याद रखता है और भारत वापस लड़ता है। आतंकवाद के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। मुख्यमंत्री संगमा अंत में अपने एक्स हैंडल पर जय हिंद का जिक्र करते हुए अपना देशप्रेम भावना व्यक्त करते हैं।

आज दिनांक 07/05/2025 को चाँदन प्रखंड में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी की विचारधाराओं , उद्देश्यों, दिनांक 11 मई 2025 से चलने वाले 1 करोड़ लोगों का हस्ताक्षर अभियान एवं जन सुराज पार्टी की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के बीच कार्यकर्ता सम्मेलन में विस्तृत चर्चा की गई जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित हुए !कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष अशोक ठाकुर , विधान सभा सहायक प्रभारी गिरधारी राय, रामनारायण यादव, मुकेश साह, पवन मंडल , हेमिया देवी , कुनमा देवी, मंजू देवी, बिमली देवी, राजू तुरी , छोटू शर्मा इत्यादि लोग शामिल हुए ।

MERI ने ग्लोबल फ़ोरम्स 2025 कार्यक्रम में युवाओं के साथ वैश्विक संवाद को प्रज्वलित किया

भविष्य के नेता वैश्विक नीति, प्रौद्योगिकी और संघर्ष समाधान पर उच्च-प्रभावी शैक्षिक कार्यक्रम में चर्चा करते हैं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मैनेजमेंट एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (MERI), जनकपुरी, दिल्ली–जो MERI समूह के संस्थानों का हिस्सा है–ने लेटेस्ट ग्लोबल फ़ोरम्स 2025 शीर्षक से एक अत्यधिक गतिशील कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे रैसिना संवाद, दोहा फोरम, बोआ फोरम फॉर एशिया और वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) से प्रेरित होकर वैश्विक चुनौतियों और नीतिगत रुझानों पर चर्चा करना था। कार्यक्रम की शुरुआत MERI की डीन प्रोफेसर (डॉ.) दीपशिखा कालरा के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने वैश्विक नीति निर्धारण में युवाओं की भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया। अतिथि सम्माननीय प्रोफेसर (डॉ.) राकेश खुराना ने एक प्रभावशाली उद्घाटन भाषण में वैश्विक मंचों की बदलती भूमिका और युवा आवाजों के वैश्विक एजेंडों को आकार देने में प्रभाव के बारे में चर्चा की। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने भारत-चीन-यूएस रिश्तों, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईभी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नवाचारों, वैश्विक सततता, संघर्ष समाधान और एशिया तथा लैटिन अमेरिका में आर्थिक विकास जैसे विषयों पर गहन चर्चाओं में भाग लिया। छात्रों ने सभी सत्रों में शोध-आधारित दृष्टिकोण और आलोचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार समारोह के साथ हुआ, जिसमें शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं को कुछ इस प्रकार से सम्मानित किया गया। पुरस्कारों का वितरण डॉ. खुराना और डॉ. कालरा ने किया, जिन्होंने विजेताओं के प्रयासों की सराहना की। डॉ. नेहा शिवानी ने आभार व्यक्त करते हुए आयोजकों और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।
यह कार्यक्रम MERI की शैक्षिक उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को उजागर करता है और यह साबित करता है कि वैश्विक मुद्दों को समझने और सहयोगात्मक संवाद के माध्यम से हल करने में युवाओं की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार ने ऑपरेशन सिंदूर को आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत संदेश बताया

सेना और राजनीतिक नेतृत्व की सराहना की

नई दिल्ली, (आरएनएस)। वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सेना की त्वरित और सटीक प्रतिक्रिया की सराहना की है और इसे देश की सुरक्षा और मूल्यों को बनाए रखने वाला बताया है। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (PoK) में स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है, जो लश्कर-ए-तैयबा (LeT) आतंकवादियों द्वारा पाहलगाम में 26 नागरिकों की बेरहमी से हत्या की जवाबी कार्यवाही है। राकेश कुमार ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है, जिन्होंने सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ा होकर इस निर्णायक और संयमित प्रतिक्रिया को संभव बनाया। राकेश कुमार ने कहा, यह ऑपरेशन भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है, जो आतंकवाद के कृत्यों का जवाब फोकस और न्याय के साथ देता है। यह मिशन एक स्पष्ट संदेश देता है कि भारत अपने लोगों के खिलाफ हिंसा को सहन नहीं करेगा, और इसका जवाब मापदंड, न्यायपूर्ण और प्रभावी होगा। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर हनुमान जी के अशोक वाटिका में लिए गए दृष्टिकोण से प्रेरित था, जहां केवल उन ढांचों को नष्ट किया गया था जो निर्दोषों को नुकसान पहुंचाने के लिए उपयोग किए जा रहे थे। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने इसी सिद्धांत का पालन करते हुए केवल उन लोगों को निशाना बनाया जो हमले के जिम्मेदार थे। रक्षा मंत्री ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व ने सशस्त्र बलों को सटीकता और उद्देश्य के साथ प्रतिक्रिया देने की ताकत और स्वतंत्रता दी है । ऑपरेशन सिंदूर को भारत के आतंकवाद विरोधी प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो रणनीति, ताकत और कूटनीति का अच्छा संतुलन दिखाता है। कुमार ने देशवासियों से अपील की कि वे सशस्त्र बलों और उनके नेताओं का समर्थन करें, जो ऐसे ऑपरेशन सुनिश्चित करते हैं।

देश के अधिकांश बड़े एयरपोर्ट बंद, 10 मई तक नहीं उड़ेंगे यात्री विमान

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकियों के खिलाफ हुई सैन्य कार्रवाई के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा के मद्देनजर कई जरुरी कदम उठाए है। देश के अधिकांश बड़े एयरपोर्ट 10 मई तक के लिए बंद कर दिए गए हैं, अब इन एयरपोर्ट से केवल सेना के विमान ही उड़ेंगे। खबर लिखे जाने तक 11 एयरपोर्ट बंद किए गए थे इसके बाद अन्य को भी बंद किए जाने की संभावना है।
सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भुज, श्रीनगर, जामनगर, लेह, अमृतसर, चंडीगढ़ और धर्मशाला सहित 11 एयरपोर्ट बंद किए गए है। भारत पाक सीमा से करीब 250 किमी दूर चंडीगढ़ एयरपोर्ट में किसी भी यात्री को एयरपोर्ट जाने की इजाजत नहीं है। केवल एयरपोर्ट स्टाफ ही आईडी कार्ड दिखाकर एंट्री कर सकता है। पंजाब पुलिस ने पूरी तरह से एयरपोर्ट से 1 किलोमीटर दूर नाकेबंदी कर दी है। वहीं, एयरपोर्ट पर यात्रियों की फ्लाइट कैंसिल की गई है। चंडीगढ़ से मुंबई यात्रा करने वाले एक यात्री ने बातचीत की और बताया कि फ्लाइट कैंसिल हो गई है, लेकिन एयरलाइंस ने दिल्ली से हमारी फ्लाइट मुंबई की करवा दी है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर टैक्सी चालक भारी भरकम किराया वसूल कर रहे हैं। यात्रियों ने कहा कि इस पर प्रशासन को ध्यान देना चाहिए और लगाम लगनी चाहिए। यात्रियों ने कहा कि हम पूरी तरह से देश हैं और सरकार के साथ खड़े हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते उत्तर भारत में अब तक हिमाचाल प्रदेश के धर्मशाला का गग्गर एयरपोर्ट, चंडीगढ़, अमृतसर, श्रीनगर और लेह एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। ऐसे में हवाई सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों ने अपनी यात्रियों को एडवायजरी जारी की है।

जिन्ह मोहि मारा, तिन्ह मोहि मारे... ऑपरेशन सिंदूर पर बोले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 50 बीआरओ (सीमा सड़क संगठन) बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आप जानते हैं कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारे भारतीय सशस्त्र बलों ने हम सभी को गौरवान्वित किया है। सफल ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना की प्रशंसा करते हुए कहा कि सिर्फ उन लोगों को मारा जो हमारे निर्दोष लोगों की हत्या में शामिल थे। इस दौरान भारत माता की जय÷ के नारे भी लगे। राजनाथ ने कहा कि हमने भगवान हनुमान के उस सिद्धांत का पालन किया जिसका पालन उन्होंने अशोक वाटिका में जाते समय किया था। जिन्ह मोहि मारा, तिन्ह मोहि मारे। हमने उन्हीं को निशाना बनाया जिन्होंने हमारे निर्दोषों को मारा। उन्होंने कहा कि हमने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें योजना के अनुसार सटीकता से नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने सटीकता, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ काम किया। दलगत राजनीति से ऊपर उठते हुए भारत के विभिन्न दलों के नेताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की सराहना की और सोशल मीडिया पर 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' जैसे देशभक्ति के नारे पोस्ट किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' कहा, जबकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर 'जय हिंद' और 'जय हिंद की सेना' लिखा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें सशस्त्र सेनाओं पर गर्व है, ''जय हिंद''।

पुलिस ने दो वारंटी को किया गिरफ्तार, न्यायालय से था बेतामिला वारंटी

अमरेन्द्र कुमार सिंह
बंदेया (औरंगाबाद)। बंदेया थाना क्षेत्र के खोजी गांव में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बेतामिला वारंटी अकलू मोची एवं अकलू साव को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी की पहचान खोजी गांव निवासी बिरजू मोची के पुत्र अकलू मोची और जोगी साव के पुत्र अकलू साव के रूप में हुई है। अकलू मोची और अकलू साव के खिलाफ न्यायालय से पहले ही बेतामिला वारंट जारी हो चुका था। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे मगलवार की रात उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि फरार और वारंटी अपराधियों के खिलाफ थाना क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है, और ऐसे लोगों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

पाकिस्तान की ओर से संभावित एयर स्ट्राइक का सामना करने की तैयारी, अकस्मात सायरनः असम के तिनसुकिया, डिगबोई में मॉक ड्रिल

पंकज नाथ, आदिवासी एक्सप्रेस, असम
केंद्र सरकार के निर्देश पर आज असम के 15 जिलों में मॉक ड्रिल की गई। इसी के मद्देनजर असम में ठीक 4 बजे तिनसुकिया जिले में दो स्थानों पर मॉक ड्रिल हुई। तिनसुकिया शहर में डिगबाई रिफाइनरी परिसर और थाना चौराहे पर शारक्षा द्वारा हवाई हमले के संबंध में बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में अखाड़ा अभ्यास आयोजित किया गया । दोपहर में अलार्म बजने की तेज आवाज ने तिनसुकिया शहर के बीचोंबीच थाना चौराहे पर दहशत पैदा कर दी। देखते ही देखते फायर बिग्रेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। थोड़ी देर बाद कुछ एम्बुलेंस आईं। नगर निगम कार्यालय भवन में आयोजित अग्नि अखाड़ा अभ्यास में जिला आयुक्त स्वप्निल पाल और पुलिस अधीक्षक अभिजीत दिलीप भी मौजूद थे। पॉल ने कहा कि हाल ही में जो जटिल हालात पैदा हुए हैं, उसे देखते हुए हमें दुश्मन की ओर से अचानक होने वाले किसी भी हमले के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सावधानी हमें कई आपदाओं से बचा सकती है, उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक करने के लिए इस कवायद की व्यवस्था की गई है। साथ ही दिगवई के प्रशासनिक और स्थापना भवनों और तेल भंडारों में भी इस तरह के अग्निशामक यंत्र और बम आपदा अखाड़े प्रचलित हैं। इसके बाद शाम 7 बजे सुस्त व्यायाम किया गया । ऐसा इसलिए क्योंकि किसी भी एयर स्ट्राइक का पता चलते ही सारे बिजली कनेक्शन काट दिए जाएंगे ताकि दुश्मन के विमान टारगेट साइट की पहचान न कर सकें। जिला आयुक्त ने कहा कि अगर ऐसी स्थिति पैदा होती है तो लोगों को वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था से भी बचना चाहिए। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि यह कार्य जिले के नागरिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, पुलिस, स्वास्थ्य, नगरपालिका, विद्युत, जनसंपर्क आदि सभी विभागों के साथ-साथ डिगबाई रिफाइनरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पूर्ण समन्वय से सफलतापूर्वक किया गया है।

नवीन जिंदल के नेतृत्व कुरुक्षेत्र में होगा नवीन अवसर किसान समागम का आयोजन

इवेंट का फोकस आधुनिक कृषि पद्धतियों, किसानों की आय वृद्धि और ग्रामीण रोजगार के अवसरों पर

कुरुक्षेत्र, (आरएनएस)। सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर 'नवीन अवसर किसान कॉन्क्लेव' का आयोजन 9 से 11 मई तक कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में किया जा रहा है। नवीन जिन्दल फाउंडेशन और आईआरएमए आईएसईईडी के संयुक्त सौजन्य से आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के किसानों और युवाओं की भारी भागीदारी की उम्मीद है।यह विशेष आयोजन किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचारों और बाजार से जुड़ने के अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत किसानों को जैविक खेती, नई उपकरणों की जानकारी, कृषि-आधारित स्टार्टअप, और ग्रामीण उद्यमिता से संबंधित विषयों पर गहन मार्गदर्शन मिलेगा। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि नवीन अवसर एक ऐसा मंच है जो हमारे अन्नदाताओं को सम्मान देने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक कृषि के नए आयामों से जोड़ने का काम करेगा। हमारा लक्ष्य है कि किसानों की आय बढ़े, गांवों में रोजगार के नए अवसर बनें और ग्रामीण भारत आत्मनिर्भर बन सके।
नवीन जिन्दल के मीडिया सलाहकार डॉ. राज कुमार ने कहा कि यह एक सकारात्मक और अनोखी पहल है, जो किसानों को भविष्य की खेती से जोड़ने का कार्य करेगी। सांसद नवीन जिन्दल के नेतृत्व में इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य है कि किसान नई तकनीकों से लैस हों और उन्हें सरकार की योजनाओं से सही जानकारी और लाभ मिल सके। कॉन्क्लेव में होने वाले प्रमुख सत्रों में प्राकृतिक खेती, पीएम-एफएमई योजना, कीट प्रबंधन और जैविक नियंत्रण, एफपीओ (एफपीओ) योजनाएं, गो-टू-मार्केट रणनीतियां, ऋण और सब्सिडी संबंधी जानकारी, डेयरी उद्योग की चुनौतियां, बीज व लाइसेंस मार्गदर्शन, डीलरशिप प्रक्रिया, निर्यात के अवसर और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग जैसे विषयों को शामिल किया गया है।
इस अवसर पर क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों को भी सम्मानित किया जाएगा और उनकी सफलता की कहानियां साझा की जाएंगी, जिससे अन्य किसान प्रेरणा ले सकें। 'नवीन अवसर' किसान कॉन्क्लेव कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, नवाचार और अवसर की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

एमआई कप्तान पंड्या और गुजरात कोच नेहरा पर लगा जुर्माना

एजेंसी
मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में मंगलवार रात मुंबई इंडियंस (एमआई) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खेले गए मुकाबले में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई की टीम को एक बार फिर धीमी ओवर गति के चलते जुर्माने का सामना करना पड़ा है। वहीं, गुजरात के कोच आशीष नेहरा को 'खेल भावना के विपरीत आचरण' के लिए फाइन और डिमेरिट प्वाइंट दिया गया। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस को अंतिम ओवर में एक अतिरिक्त फील्डर 30-यार्ड सर्कल के अंदर लाना पड़ा, जो आईपीएल के नियमों के तहत धीमी ओवर गति पर इन-गेम पेनल्टी है। गुजरात को अंतिम ओवर में जीत के लिए 15 रन चाहिए थे और उन्होंने आखिरी गेंद पर मैच जीत लिया। आईपीएल की ओर से जारी बयान के अनुसार मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक

पांड्या पर उनकी टीम द्वारा वानखेड़े स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के मैच नंबर 56 के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना लगाया गया है। बयान में आगे कहा कि चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, इसलिए पंड्या पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इम्पैक्ट प्लेयर और कन्कशन सब्स्टीट्यूट सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया। वहीं मैच के अंतिम क्षणों में जब बार-बार बारिश की वजह से खेल रुका, आशीष नेहरा बेहद जोशीले अंदाज में नजर आए और अंपायरों से मैच फिर से शुरू करने की मांग करते दिखे। इसी आचरण को लेकर उन्हें आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.20 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। नतीजतन, उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट प्वाइंट लगाया गया। यह पहली बार है जब किसी कोच को इस तरह की सजा दी गई है। आईपीएल के बयान के अनुसार गुजरात टाइटंस के हेड कोच आशीष नेहरा पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया है। उन्होंने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल एक का अपराध किया, जो खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है। उन्होंने मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया।

वेव्स 2025 में प्रो कबड्डी लीग की सफलता बनी चर्चा का केंद्र

एजेंसी
मुंबई। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 में 'इंडिजिनस स्पोर्ट्सः फ्रॉम इंडिया टू द ग्लोबल स्टेज' विषय पर एक अहम पैनल चर्चा हुई। इस सत्र में केंद्र सरकार, खेल प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय खेल रणनीति से जुड़े दिग्गज शामिल हुए। चर्चा का उद्देश्य भारत के पारंपरिक खेलों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डालना था। इस सत्र की शुरुआत ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के उद्घाटन भाषण से हुई। इसके बाद खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे, प्रो कबड्डी लीग के चेयरमैन अनुपम गोस्वामी, खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल, खेल सलाहकार मिस्टर निक कावर्ड, फैनकोड के को-फाउंडर मिस्टर यानिक कोलाको और ईरानी कबड्डी स्टार फजल अत्राचली जैसे दिग्गजों ने अपने विचार रखे। प्रो कबड्डी लीग की सफलता पर बोलते हुए अनुपम गोस्वामी ने कहा, कबड्डी की यात्रा एशियन गेम्स में पहचान मिलने से लेकर जियोस्टार के साथ ऐतिहासिक साझेदारी तक पहुंच चुकी है। 2024 सीजन को 201 मिलियन दर्शकों ने देखा, यह बताता है कि देशी खेलों में कितनी बड़ी संभावनाएं हैं।

महिला वनडे त्रिकोणीय श्रृंखलाः दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा भारत

नई दिल्ली। कोलंबो में चल रही महिला त्रिकोणीय सीरीज में भारतीय टीम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। भारत की नजर जहां फाइनल में जगह पक्की करने पर होगी, वहीं टीम पिछली हार का बदला लेने के इरादे से भी मैदान में उतरेगी। रविवार को श्रीलंका के खिलाफ मिली हार से भारत की लगातार आठ जीत की लय टूट गई थी।

अंकतालिका में भारत टॉप पर, नेट रनरेट बनी ताकत

भारत ने अब तक तीन मुकाबलों में चार अंक हासिल किए हैं और नेट रनरेट (+0.433) के आधार पर श्रीलंका (+-0.166) से आगे है। दक्षिण अफ्रीका अभी तक एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी है और अंक तालिका में सबसे नीचे है, हालांकि उन्होंने एक मुकाबला कम खेला है।

बल्लेबाजी में प्रतिभा रावल चमकीं, गेंदबाजी में स्नेह राणा का जलवा

भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात ओपनर प्रतिभा रावल का शानदार फॉर्म रही है। उन्होंने अब तक 163 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। वहीं गेंदबाजी में स्नेह राणा ने तीन मैचों में 11 विकेट झटके हैं और 4.25 की इकॉनमी से गेंदबाजी की है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने करियर का पहला पांच विकेट हॉल भी लिया था।

माता-पिता और वरिष्ठों के सहयोग से सुजाता कुजूर की नजर ओलंपिक खेलों पर

नई दिल्ली। ओडिशा के सुंदरगढ़ की गलियों से निकली 21 वर्षीय डिफेंडर सुजाता कुजूर अब भारतीय महिला हॉकी टीम के सीनियर कैम्प का हिस्सा बन चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सीनियर टीम के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा पूरा किया, जो कि हॉकी की दुनिया में सबसे चुनौतीपूर्ण माने जाने वाले टूर में से एक है। अपने पहले अंतरराष्ट्रीय दौरे को याद करते हुए सुजाता ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत ही खास अनुभव रहा। सीनियर टीम के साथ पहली बार खेलने का मौका मिला, जहां थोड़ा दबाव भी महसूस हुआ, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने को मिला। खासकर यह कि वो ट्रेनिंग और मैचों को कैसे लेते हैं। उन्होंने आगे कहा, सीनियर खिलाड़ी बेहद सहयोगी और प्रेरणादायक रहे। उन्होंने मुझे समझाया कि बेवजह का दबाव लेने की जरूरत नहीं है, बस अपने स्वाभाविक खेल पर ध्यान दो। सबने मुझे बहुत सपोर्ट किया। सुजाता को हॉकी यात्रा आसान नहीं रही। दीप ग्रेस एका को अपना आदर्श मानने वाली सुजाता ने मात्र 10 साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था। आर्थिक स्थिति कमजोर थी, लेकिन उनके जज्बे में कोई कमी नहीं आई।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में देसी खेल खो-खो बना आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली। खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2025 में देसी खेल खो-खो ने एक बार फिर अपनी पकड़ मजबूत की है। 5 मई से बिहार के बोधगया स्थित बीआईपीएआरडी ग्राउंड में शुरू हुए खो-खो मुकाबलों को देखने के लिए सैकड़ों स्कूली छात्र मैदान में उमड़ पड़े। इस टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों की 8-8 टीमें सहित कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो 9 राज्यों का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इन खेलों का आयोजन बिहार के पांच शहरों पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय में 15 मई तक किया जा रहा है। खो-खो मुकाबले 5 से 9 मई तक बोधगया में दो इनडोर मैट कोर्ट पर खेले जा रहे हैं। खो-खो को वैश्विक मंच पर लाने की दिशा में यह आयोजन एक अहम कदम है। हाल ही में हुए वेव्स समिट 2025 में इस दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया गया था। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के लगभग 40 तकनीकी अधिकारी टूर्नामेंट के संचालन में जुटे हैं। इस आयोजन में कुल लगभग 240 खिलाड़ी, 16 कोच और 16 टीम मैनेजर शामिल हैं।

आईपीएल : पंजाब के साथ मुकाबले के लिए धर्मशाला पहुंचे दिल्ली के धुरंधर

एजेंसी
धर्मशाला। धर्मशाला के एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आठ मई को होने वाले दूसरे आईपीएल मुकाबले के लिए मेहमान दिल्ली कैपिटल्स की टीम मंगलवार दोपहर बाद धर्मशाला पहुंची। मेजबान पंजाब किंग्स से टक्कर लेने के लिए अक्षर पटेल की सेना केएल राहुल और अन्य खिलाड़ियों के साथ दिन में करीब दो बजकर 40 मिनट पर गगल एयरपोर्ट पर पहुंचे। एयरपोर्ट से टीम के खिलाड़ियों को विशेष बसों द्वारा सीधा धर्मशाला के कंडी स्थित होटल रेडिसन ब्लू ले जाया गया। एयरपोर्ट और होटल पहुंचने पर दिल्ली की टीम का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। गौर हो कि दिल्ली कैपिटल्स आठ मई को धर्मशाला में मेजबान पंजाब किंग्स के साथ अपना मैच खेलेगी। यह मैच आठ मई को शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा। पंजाब की टीम धर्मशाला में बीते चार मई को खेले गए मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा कर पॉइंट टेबल में दूसरे स्थान पर पंहुच गई है। दिल्ली की टीम का बीते दिन हैदराबाद के साथ मुकाबला ड्रा रहा जिसके चलते वह अभी भी पांचवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं, दूसरी ओर मेजबान पंजाब किंग्स लखनऊ को हराने के बाद अपने होम ग्राउंड धर्मशाला में उत्साह से लबरेज है। पंजाब अपने आगामी दो अहम मुकाबले आठ को दिल्ली व 11 मई को मुंबई के साथ खेलने के लिए तैयार है। आठ मई को खेले जाने वाले इस मुकाबले से पूर्व दोनों टीमें मैदान में पसीना बहाती नजर आएंगी। तय कार्यक्रम बीके मुताबिक पंजाब की टीम आज शाम छह से नौ बजे तक जबकि दिल्ली की टीम कल बुधवार को इवी समय पर प्रैक्टिस के लिए मैदान में उतरेगी।

नेशनल टीम में जगह बनाने को तैयार सुनील जोजो, बोले- देश के लिए मेडल जीतना है सपना

एजेंसी
बेंगलुरु। ओडिशा के राउरकेला से निकलकर अब सुनील जोजो भारतीय सीनियर पुरुष हॉकी टीम के नेशनल कोचिंग कैंप में अपनी जगह बना चुके हैं। 22 वर्षीय डिफेंडर पहले दो बार जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और हाल ही में सुल्तान ऑफ जोहर कप में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे। सीनियर कैंप में पहली बार शामिल होने का अनुभव साझा करते हुए सुनील ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह आसान नहीं है। यहां की फिजिकल डिमांड और खेल की गति काफी ज्यादा है। आपको तेजी से ढलना पड़ता है। स्किल लेवल भी अलग है, इसलिए कड़ी मेहनत करनी होती है। अब जब मैं यहां हूं, तो उसी हिसाब से खुद को ढाल रहा हूं।

अपनी ताकत और सुधार की जरूरतों पर फोकस

सुनील ने अपनी मजबूतियों में 'गेम अवेयरनेस' और 'टैकलिंग' को गिनाया, लेकिन साथ ही अपनी फिटनेस पर और काम करने की बात भी स्वीकारी। उन्होंने कहा, मेरे खेल की सबसे बड़ी ताकत अवेयरनेस और टैकलिंग है, लेकिन मुझे अपने स्टेमिना और एंड्योरेंस पर काफी मेहनत करनी है। सुनील ने हमेशा मनप्रीत सिंह को अपना आदर्श माना है और अब उनके साथ कैंप में ट्रेनिंग करना उनके लिए एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा, अब मैं उनके साथ ज्यादा वक्त बिता रहा हूं। वो अलग-अलग रोल और पोजीशन में खेलते हैं, तो मैं यह सीखने की कोशिश करता हूं कि वो अलग परिस्थितियों में कैसे खुद को ढालते हैं। भविष्य को लेकर सुनील पूरी तरह स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, मैं भारतीय टीम का नियमित हिस्सा बनना चाहता हूं और हर टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करना चाहता हूं। मेरा सपना है कि मैं भारत के लिए मेडल जीतूं। हीरो हॉकी इंडिया लीग

में यूपी रुद्रास टीम द्वारा चुने जाने के बाद भले ही सुनील को ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन उन्होंने अनुभव को कीमती बताया। उन्होंने कहा, मैंने बहुत कुछ सीखा, खासकर ड्रेसिंग रूम और ट्रेनिंग के दौरान। आगे उस अनुभव का फायदा उठाना चाहता हूं।द्वद्व

इंटर मिलान के खिलाफ हार के बाद भड़के बार्सिलोना कोच हैंसी फ्लिक, रेफरी के फैसलों पर उठाए सवाल

एजेंसी
मिलान। सैन सिरो में इंटर मिलान से 4-3 की हार के बाद बार्सिलोना के चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। बार्सिलोना के मैनेजर हैंसी फ्लिक ने मैच के दौरान रेफरी के कई फैसलों पर नाराजगी जाहिर की। बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और 87वें मिनट में राफिन्हा के गोल से 3-2 की बढ़त हासिल कर ली थी। लेकिन इंजुरी टाइम में इंटर के फ्रांसेस्को एचेर्वी ने गोल कर मैच को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया। फिर घरेलू टीम के सब्स्टीट्यूट डेविडे फ्रत्तेसी ने निर्णायक गोल कर इंटर को 7-6 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में पहुंचा दिया।

रेफरी मार्किनियाक के फैसलों पर उठे सवाल

हैंसी फ्लिक ने पोलैंड के रेफरी सिज़मोन मार्किनियाक के फैसलों की आलोचना करते हुए कहा, हर 50-50 फैसला इंटर के पक्ष में गया। उन्होंने इंटर को दिए गए पेनल्टी पर आपत्ति जताई, जो पाउ कुबारसी के लुटारो मार्टिनेज पर टैकल के लिए वीएआर समीक्षा के बाद दी गई थी। वहीं, बार्सिलोना को मिले एक

पेनल्टी को वीएआर ने यह कहते हुए बाहर का फाउल करार दिया कि मिखितारियन का यामल पर फाउल बॉक्स के बाहर हुआ था।

बार्सिलोना के खिलाड़ियों और स्टाफ ने एक संभावित हैंडबॉल और डुम्फ्रिज द्वारा गेरार्ड मार्टिन पर फाउल को लेकर भी आपत्ति जताई, जो इंटर के बराबरी वाले गोल के पहले हुआ।

रेफरी से कहा जो कहना था, लेकिन यहां नहीं बताऊंगा - फ्लिक

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्लिक ने कहा, ÷मैं रेफरी के बारे में ज्यादा नहीं बोलना चाहता, लेकिन हर फैसला उनके पक्ष में गया। मैं अपनी टीम से निराश नहीं हूं, उन्होंने सब कुछ झोंक दिया। उन्होंने आगे कहा, मैंने रेफरी को जो कहना था, कह दिया है, लेकिन मैं उसे यहां नहीं दोहराऊंगा।

अब लक्ष्य है ला लीगा, रियल से होगा बड़ा मुकाबला

बार्सिलोना अब कोपा डेल रे जीतने के बाद ट्रेबल की उम्मीद खो चुका है। टीम अब ला लीगा पर फोकस करेगी, जहां वह टॉप पर है और रविवार को रियल मैड्रिड के खिलाफ 'एल क्लासिको' खेलेगी। बार्सिलोना चार अंकों की बढ़त के साथ आगे है और पिछले तीन क्लासिको मुकाबले जीत चुका है। फ्लिक ने कहा, हम इससे सीख लेंगे। हम आगे बढ़ना चाहते हैं, और हमारे पास अब ज्यादा समय नहीं है, लेकिन अगला मैच जल्द ही है। हर खिलाड़ी को खुद पर गर्व होना चाहिए।

यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में इंटर मिलान की धमाकेदार एंट्री, बार्सिलोना को 4-3 से हराया

एजेंसी
मिलान। इंटर मिलान ने यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल में बार्सिलोना को एक्स्ट्रा टाइम तक चले रोमांचक मुकाबले में 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। दो लेग्स के कुल स्कोर में इंटर ने 7-6 से जीत दर्ज की। मिलान की बरसात में खेले गए इस मुकाबले में इटली के मिडफील्डर डेविडे फ्राटेसी ने 99वें मिनट में विजयी गोल दागा। उनका यह सातवां गोल सीज़न का सबसे अहम साबित हुआ और सं सिरो स्टेडियम जश्न में डूब गया। सिमोन इनज़ागी की टीम अब म्यूनिख में इस महीने के अंत में होने वाले फाइनल में आर्सेनल या पेरिस सेंट-जर्मेन में से किसी एक से भिड़ेगी। इंटर के लिए यह मुकाबला

सीज़न का टर्निंग पॉइंट बन गया है, क्योंकि वह पहले ही इटालियन कप से बाहर हो चुका था और सीरी ए की दौड़ में भी नेपोली से पिछड़ गया है। बार्सिलोना ने पहले हाफ में 2-0 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की। एरिक गार्सिया और डानी ओल्मो ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। फिर 88वें मिनट में राफिन्हा ने गोल कर बार्सिलोना को 3-2 की बढ़त दिला दी। लेकिन, इंजरी टाइम में फ्रांसेस्को एचर्वी ने डेनज़ेल डमफ्रिस की क्रॉस पर गोल कर मुकाबले को एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया। इंटर के स्विस गोलकीपर यान सोमर ने कई अहम मौके पर शानदार बचाव किए। उन्होंने एरिक गार्सिया और लमीन यमाल के प्रयासों को नाकाम कर मैच में इंटर की उम्मीदों को ज़िंदा रखा। अब इंटर मिलान दो साल में दूसरी बार चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंचा है और एक बार फिर यूरोप का ताज पहनने की दहलीज़ पर खड़ा है।

बिहार में आईपीएल की तर्ज पर होगा बिहार प्रीमियर लीग

एजेंसी
पटना। बिहार अपने खेलों के स्तर को लगातार बढ़ा में लगा है। इसके तहत अब बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) ने बिहार प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर बिहार प्रीमियर लीग (बीपीएल) के आयोजन की घोषणा की है। यह टी-20 फॉर्मेट का भव्य टूर्नामेंट 1 जून से 25 जून 2025 तक पटना के ऊर्जा ग्राउंड में खेला जाएगा,जिसमें छह टीमें भाग लेंगी। इसके लिए बीसीए ने फ्रेंचाइजी पार्टनर बनने के इच्छुक व्यक्तियों और कंपनियों से रुचि पत्र (ईओआई) मांगे हैं। आवेदन भेजने की अंतिम तिथि 7 मई निर्धारित की गई है। शाम 5 बजे तक इच्छुक आवेदक अपना प्रस्ताव ईमेल के माध्यम से info.bpl@bihar-cricketassociation.com पर भेज सकते हैं। इस टूर्नामेंट में टीमों की न्यूनतम बोली राशि 5 करोड़ रुपये प्रति वर्ष तय की गई है। जो इसे बिहार की अब तक की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को 50 लाख रुपये की ब्याज मुक्त सुरक्षा राशि भी जमा करनी होगी, जो टूर्नामेंट के समापन के बाद वापस की जाएगी।

बीपीएल में सभी छह टीमें बिहार के प्रमुख शहरों के नाम पर होंगी। इन नामों को बीपीएल की गवर्निंग काउंसिल अंतिम मंजूरी देगी। टूर्नामेंट का सीधा प्रसारण जिओ सिनेमा पर किया जाएगा।

शुरुआत में ऐसा लग रहा था जैसे हम टेस्ट मैच खेल रहे हों : शुभमन गिल

एजेंसी
मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर मुंबई इंडियंस को 3 विकेट से हरा दिया। मैच के बाद कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि जब टीम लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो हालात टेस्ट मैच जैसे महसूस हो रहे थे। हवा तेज़ चल रही थी और बारिश की वजह से बल्लेबाजी करना बेहद कठिन हो गया था।

पावरप्ले में संभलकर खेली क्रिकेटः गिल ने कहा, पावरप्ले के दौरान हमारा गेम प्लान बिल्कुल अलग था। चार से पांच ओवर तक ऐसा लग रहा था जैसे हम टेस्ट मैच खेल रहे हों। हमें सामान्य क्रिकेट खेलनी पड़ी। पावरप्ले के बाद सोचा कि अब अपने गेम पर लौटते हैं, लेकिन बारिश बार-बार बाधा डाल रही थी। गुजरात ने पावरप्ले में सिर्फ

29 रन बनाए, लेकिन इसके बाद गिल और जोस बटलर ने 72 रन की अहम साझेदारी कर पारी को संभाला। फिर गिल और शर्फेन रदरफोर्ड के बीच तेज़ साझेदारी भी हुई, लेकिन अचानक टीम ने 15 गेंदों में 13 रन पर 4 विकेट गंवा दिए, जिससे लय टूट गई और गुजरात डकवर्थ-लुईस स्कोर से भी पीछे हो गई।

ड्रेसिंग रूम में छाए थे निराशा के बादल

गिल ने कहा, उस वक्त ड्रेसिंग रूम में काफी निराशा थी, क्योंकि एक समय हम गेम में काफी आगे थे। फिर जैसे ही वो 4 ओवर का खराब सत्र आया, 13 रन पर 4 विकेट चले गए, तो ऐसा लगा जैसे कोई टेस्ट मैच का सत्र हमारे खिलाफ चला गया हो। वो समय काफी फ्रस्ट्रेटिंग था, लेकिन यूनिवर्स ने हमें एक और मौका दिया और फिर सब ठीक हो गया।

राशिद खान की वापसी से गिल खुश

गिल ने राशिद खान की तारीफ करते हुए कहा, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 3 ओवर में 50 रन देने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। चोट से उबरकर वो जैसे नेट्स में मेहनत कर रहे थे और जिस तरह उन्होंने गेंदबाजी की, वो हमारे लिए बहुत अच्छा संकेत है।

मिशेल ओवेन को चोटिल ग्लेन मैक्सवेल की जगह पंजाब किंग्स की टीम में मिली जगह

एजेंसी
धर्मशाला। चोटिल ग्लेन मैक्सवेल की जगह ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिशेल ओवेन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शेष सत्र के लिए पंजाब किंग्स की टीम में शामिल किया गया है। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने 23 वर्षीय ओवेन का टीम में स्वागत करते हुए कहा, ÷मुझे लगता है कि हम सभी इस सत्र के अंतिम चरण के लिए मिशेल ओवेन को अपनी टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे मैंने पिछले 12 महीनों में बहुत करीब से देखा है। वह ऐसा खिलाड़ी है जो अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी कर सकता है और साथ ही कुछ बहुत ही उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी भी कर सकता है। मैं उसे टीम का हिस्सा बनाकर वास्तव में उत्साहित हूं।

गुजरात के खिलाफ आखिरी गेंद तक मिली हार के बाद हार्दिक पांड्या बोले- नो बॉल ने हमें हराया

एजेंसी
मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बारिश से प्रभावित मुकाबले में मुंबई इंडियंस को गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी गेंद पर तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला उतार-चढ़ाव से भरा रहा, लेकिन अंत में कप्तान हार्दिक पांड्या की 'नो बॉल' चिंता की सबसे बड़ी वजह बनी।मैच के बाद हार्दिक ने कहा, ÷कैच छूटने से ज्यादा नुकसान नो बॉल्स ने पहुंचाया। मेरे द्वारा डाले गए दो नो बॉल और आखिरी ओवर में दीपक चाहर की नो बॉल को मैं क्राइम मानता हूं। ये चीजें अक्सर टीम को भारी पड़ती हैं और हमारे साथ भी यही हुआ।

हार्दिक ने 8वें ओवर में दो नो बॉल डालीं, जो 18 रन खर्च करने वाले ओवर में शामिल रहीं। वहीं, आखिरी ओवर में 14 रन बचाने की कोशिश कर रहे दीपक चाहर ने भी अहम मौके पर नो बॉल फेंकी। हार्दिक ने साफ कहा कि कैच ड्रॉप ज्यादा बड़ा कारण नहीं था। हम कैच को लेकर बहुत क्लीनिकल थे। शायद अगर नो बॉल नहीं होती तो जीत हमारी होती। लेकिन मैं खिलाड़ियों से खुश हूं कि उन्होंने 120व दिया और आखिरी तक मुकाबले में बने रहे। हार्दिक बोले, यह 150 रन का विकेट नहीं था। पिच पर 175 रन बनने चाहिए थे। हम बल्लेबाजी में 20-30 रन पीछे रह गए। लेकिन गेंदबाजों ने शानदार वापसी करवाई, खासकर गीली गेंद और बार-बार बारिश से बाधित होते मैच में।हार्दिक ने यह भी बताया कि दूसरी पारी के दौरान गेंद लगातार गीली हो रही थी जिससे

गेंदबाजों को दिक्कत हुई। पहली पारी में मैदान सूखा था, लेकिन दूसरी पारी में गेंद गीली होती गई। ये परिस्थितियां हमारे पक्ष में नहीं रहीं, लेकिन खेल चलता रहता है।

खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025: मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने मलखंभ बालक वर्ग में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी
भोपाल। बिहार राज्य की राजधानी पटना में आयोजित खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025 में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए मलखंभ बालक वर्ग में स्वर्ण पदक अर्जित किया। वहीं, युग प्रताप सिंह ने 10 मीटर शूटिंग में कांस्य पदक मध्य प्रदेश की झोली में डाला। इस प्रकार मध्य प्रदेश ने अब तक प्रतियोगिता में दो पदक हासिल किए हैं।खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन 04 से 15 मई तक बिहार में पटना, राजगीर, भागलपुर, नई दिल्ली, गया में हो रहा है, जिसमें मध्य प्रदेश का 176 खिलाड़ी और 53 सपोर्ट स्टॉफ सहित कुल 229 सदस्यीय दल 18 खेलों में प्रतिभागिता कर रहा है। यूथ गेम्स में हुई मलखंभ की प्रतिगिता में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मध्य प्रदेश ने 123.60 अंकों के साथ यह स्वर्ण पदक जीता, जबकि महाराष्ट्र 122.50 के साथ द्वितीय और छत्तीसगढ़ 122.05 के साथ तृतीय स्थान पर रहा। मध्य प्रदेश की टीम में छह खिलाड़ी-देवेन्द्र पाटीदार, यतिन कोरी, युवराज राव, नीरज काछवा, जयंत राठौर और दक्ष कहार शामिल रहे। वहीं, व्यक्तिगत बालक वर्ग 10 मी. पिस्टल शूटिंग में मध्य प्रदेश के युगप्रताप सिंह राठौर ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में राजस्थान के मयंक चौधरी ने स्वर्ण और चंडीगढ़ के धैर्य

पराशर ने रजत पदक आर्जित किया। मध्य प्रदेश खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने राज्य खेल मलखंभ के खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन की सराहना की है।

अन्य परिणाम - खेलो गए गतका में बालिका फारी सोती टीम प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की टीम ने चंडीगढ़ की टीम को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हराकर सेमी फाइनल में अपनी जगह पक्की की। वहीं, ट्रैप बालक वर्ग में तीन राउंड के मुकाबले खेले गए, जिसमें मध्य प्रदेश के खिलाडी सैयद अली- तीसरी पोजीशन, दीर्घ चौहान-सातवीं पोजीशन, मनित्या सिंह रावत-ग्यारवी पोजीशन, नवजीत बिश्नोई-तेहरवी पोजीशन और रुस्तम पुखाम्बम-चौदहवीं पोजीशन पर रहे। इस प्रतियोगिता में चौथे और पांचवे राउंड के मुकाबले बुधवार को खेले जाएंगे। इसी तरह ट्रैप बालिका वर्ग में गतका में तीन राउंड के मुकाबले खेले गए, जिसमें मध्य प्रदेश के खिलाड़ी पूनम रघुवंशी- चौथी पोजीशन, हिना रशिम बैरवा-आठवीं पोजीशन और अनंन्य मौर्या-ग्यारवी पोजीशन पर रहीं। इस प्रतियोगिता में भी चौथे और पांचवें राउंड के मुकाबले बुधवार को होंगे। खेल और युवा कल्याण संचालक राकेश गुप्ता ने भी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है और आशा व्यक्त की है कि मध्य प्रदेश इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भारत का दृष्टिकोण दीर्घकालिक : सीतारमण

मिलान। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भारत का दृष्टकोण अल्पकालिक नहीं रहा है बल्कि दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाया गया है। श्रीमती सीतारमण ने यहां एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 58वीं वार्षिक बैठक में एडीबी गवर्नर्स सेमिनारः भविष्य के लचीलेपन के लिए सीमा पार सहयोग' के दौरान कहा 'हमारा दृष्टिकोण हमारे पास मौजूद परिसंपत्तियों के आधार पर खुद को और अधिक मजबूत करना है, चाहे वह मानव पूंजी के रूप में हो या प्रौद्योगिकी के रूप में जिसमें हम अग्रणी हैं, अगर मैं ऐसा कह सकता हूं, और उन क्षेत्रों में भी जिनमें हमें लगता है कि हम आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पास लगभग 60 करोड़ लोग हैं जो 25 वर्ष से कम आयु के हैं। इसलिए भारत ऐसी अर्थव्यवस्था से नहीं जुझ रही हैं जो बूढ़ी हो रही है। उन्होंने कहा 'हमने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) विकसित की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वैश्विक बाजार तक पहुंच उस नागरिक को भी मिले जो दूर-दराज के किसी गांव में रहता है और उसके पास कुछ हस्तशिल्प उत्पाद हैं जिन्हें वह बेचना चाहता है।

एयरटेल अफ्रीका और स्पेसएक्स में करार, सैटेलाइट इंटरनेट से जुड़ेगा दूर-दराज का अफ्रीका

दुबई। दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी एयरटेल अफ्रीका ने अफ्रीकी महाद्वीप में अपने ग्राहकों तक स्पेसएक्स की हाई-स्पीड सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक पहुंचाने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि स्टारलिंक को एयरटेल अफ्रीका के 14 में से 9 देशों में परिचालन की अनुमति मिल चुकी है जबकि बाकी पांच देशों में लाइसेंसिंग प्रक्रिया जारी है। इस साझेदारी से एयरटेल अफ्रीका अपने सैटेलाइट-आधारित कनेक्टिविटी समाधान को और बेहतर बनाकर ग्रामीण इलाकों में कनेक्टिविटी का विस्तार करेगा। साथ ही कंपनी स्टारलिंक की सहायता से सेलुलर बैकहॉलिंग के जरिए नेटवर्क पहुंच को और भी मजबूत बनाने की योजना पर काम कर रही है। एयरटेल अफ्रीका के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनील तलदार ने कहा कि यह साझेदारी अफ्रीका की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देने के उनके निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी की सैटेलाइट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी कि अफ्रीका के सबसे दूरवर्ती और कम सेवा प्राप्त हिस्सों में भी विश्वसनीय और किफायती वॉयस और डेटा सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

सीतारमण ने की जेबीआईसी के गवर्नर से भेंट

मिलान। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज मिलान में एशियाई विकास बैंक की वार्षिक बैठक के मौके पर जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन (जेबीआईसी) के गवर्नर नोबुमित्सु हयाशी से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि इस दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के लिए महत्वाकांक्षी 5 लाख येन का निवेश लक्ष्य का 70 प्रतिशत से अधिक प्राप्त हो चुका है और भारत विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने की आशा करता है क्योंकि दोनों देश 10 साल के सहयोग पर काम करते हैं। वित्त मंत्री ने जेबीआईसी को विनिर्माण, अर्धचालक, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचे सहित भारत के उच्च विकास वाले क्षेत्रों में अधिक जापानी निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। जबकि जापान 43.28 अरब डॉलर के एफडीआई प्रवाह के साथ भारत का 5वां सबसे बड़ा निवेशक बना हुआ है, इस साझेदारी को और विस्तारित करने की क्षमता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 2.96 प्रतिशत उबलकर 58.82 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 2.92 प्रतिशत की छलांग लगाकर 61.99 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

भारत-यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौता, मोदी और स्टारमर ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सहमत हो गए हैं। दोनों देशों ने एक व्यापक व्यापार समझौते की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने डबल कॉन्ट्रिब्यूशन कन्वेंशन के साथ-साथ भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷अपने मित्र प्रधानमंत्री कीर स्टारमर से बात करके बहुत प्रसन्नता हुई। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारत और ब्रिटेन ने एक महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते के साथ-साथ एक दोहरे योगदान सम्मेलन को सफलतापूर्वक संपन्न किया है। ये ऐतिहासिक समझौते हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करेंगे तथा हमारी दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन और नवाचार

को बढ़ावा देंगे। मैं जल्द ही प्रधानमंत्री स्टारमर का भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान जारी कर कहा कि दोनों नेताओं ने इसे द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। दोनों इस बात पर सहमत हुए कि दुनिया की दो बड़ी और खुली बाजार अर्थव्यवस्थाओं के बीच ऐतिहासिक समझौते व्यवसायों के लिए नए अवसर खोलेंगे, आर्थिक संबंधों को मजबूत करेंगे और लोगों के बीच संबंधों को गहरा करेंगे।प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के साथ गठबंधनों को मजबूत करना और व्यापार बाधाओं को कम करना, एक मजबूत और अधिक सुरक्षित अर्थव्यवस्था प्रदान करने के लिए उनकी परिवर्तन योजना का हिस्सा है। पीएमओ के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार, लगातार मजबूत होती जा रही और बहुआयामी साझेदारी की आधारशिला है। वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को शामिल करते हुए एक संतुलित, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी एफटीए से द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि होने, रोजगार के नए अवसर पैदा होने, जीवन स्तर में सुधार होने और दोनों देशों के नागरिकों के समग्र कल्याण में सुधार होने की उम्मीद है। यह दोनों देशों के लिए वैश्विक बाजारों के लिए उत्पादों और सेवाओं को संयुक्त रूप से विकसित करने की नई संभावनाओं को भी खोलेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा का मुनाफा 3.3 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 5048 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 4886 करोड़ र ुपये की तुलना में 3.3 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि मार्च 2025 में समाप्त तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 11,019.6 करोड़ रुपये रही जो मार्च 2024 में समाप्त तिमाही के 11793 करोड़ रुपये की तुलना में 6.5 प्रतिशत कम है। बैंक का सकल एनपीए घटकर 2.26 प्रतिशत हो गया, जो पिछली तिमाही में 2.43 प्रतिशत था। इसी तरह से शुद्ध एनपीए भी घटकर 0.58 प्रतिशत पर आ गया जबकि तीसरी तिमाही में यह 0.59 प्रतिशत था।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 500 रुपये से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा होकर एक बार फिर एक लाख रुपये के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये से लेकर 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,750 रुपये से लेकर 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और

22 कैरेट सोने की कीमत 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 99,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पूर्ण चार्ज पर 449 किलोमीटर चलने वाली विंडसोर प्रो ई कार लाँच

एजेंसी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने नई तकनीक और सुरक्षा सुविधाओं के साथ-साथ नए 52.9 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ नयी विंडसोर इसेंस प्रो ईलेक्ट्रिक कार लाँच करने की घोषणा की जिसकी एक्स शोरूम कीमत 1749800 रुपये है जो पहली 8000 बुकिंग के लिए वैद्य है और बैटरी को किराये पर लेने अर्थात बैटरी-एज़-ए-सर्विस (बीएएएस) के लिए इसकी शुरूआती बीएएएस कीमत 12.49 लाख रुपये और 4.5 रुपये प्रति किलोमीटर है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि विंडसोर को लाँचिंग के बाद ग्राहकों से मिली प्रतिक्रिया के बाद विंडसोर प्रो बिजनेस क्लास यात्रा के अनुभव को बढ़ाएगा। प्रो सीरीज़ के जुड़ने से इसका बाजार प्रदर्शन और मजबूत होगा। कंपनी ने अपने बैटरी-एज़-ए-सर्विस की पहुंच का विस्तार करने के लिए आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा प्राइम जैसे नए फाइनेंसरों को शामिल किया है। इस स्वामित्व योजना को पहली बार सितंबर 2024 में लॉन्च किया गया था और आज इसे बजाज फिनसर्व, हीरोफिन कॉर्प, इकोफाई, विद्युतटेक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा प्राइम सहित छह फाइनेंसरों द्वारा समर्थित किया गया है। कंपनी एमजी विंडसर प्रो के पहले मालिक को आजीवन बैटरी वारंटी प्रदान करेगी।

इसके अलावा कंपनी विंडसर प्रो के लिए अपनी 3-60 सुनिश्चित बायबैक योजना पेश करेगी जो यह सुनिश्चित करती है कि यह 3 साल बाद अपने मूल्य का 60 प्रतिशत बरकरार रखेगी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक अनुराग मेहरोत्रा ने कहा, एमजी विंडसर भारत के 4 व्हील ईवी सेगमेंट के विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसने अपने आकर्षक मूल्य प्रस्ताव से ग्राहकों को जीत लिया है। शुरुआती खरीदारों से सकारात्मक प्रचार ने इसे तेजी से स्वीकार्यता प्रदान की, जिससे इसकी पहुंच मेट्रो शहरों से आगे बढ़कर टियर 2 और 3 बाजारों में फैल गई। पारंपरिक से अलग एक उत्पाद पेश करके, हमने सफलतापूर्वक खरीदारों की एक नई लहर को जोड़ा है।

अपने भागीदारों के साथ, हम सही तकनीक के साथ सही समय पर प्रासंगिक नवाचार प्रदान करके भारतीय ऑटो परिदृश्य को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एमजी विंडसर प्रो का लॉन्च विस्तारित विकल्प प्रदान करने, सामान्य रूप से ईवी में अधिक आत्मविश्वास पैदा करने और अधिक ग्राहकों को टिकाऊ गतिशीलता के भविष्य में आत्मविश्वास से उद्यम करने के लिए आमंत्रित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अहिल्यानगर में महाराष्ट्र कैबिनेट की विशेष बैठक, 5503.69 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को मंजूरी

एजेंसी

मुंबई। राजमाता पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी जयंती के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में 5503.69 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं को मंजूरी दी गई है। राज्य सरकार ने आज चौंडी (अहिल्यानगर) में राजमाता पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी जयंती के उपलक्ष्य में कैबिनेट की विशेष बैठक आयोजित की। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार सहित पूरा मंत्रिमंडल उपस्थित था। बैठक में चौंडी में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर स्मारक स्थल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 681.32 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। अष्टविनायक गणपति मंदिरों के नवीनीकरण के लिए 147.81 करोड़ रुपये, श्री क्षेत्र तुलजाभवानी देवी मंदिर विकास योजना के लिए 1865 करोड़, श्री क्षेत्र ज्योतिबा मंदिर विकास योजना

के लिए 259.59 करोड़ रुपये, श्री क्षेत्र त्र्यंबकेश्वर विकास योजना के लिए 275 करोड़ रुपये, श्री क्षेत्र महालक्ष्मी मंदिर विकास योजना के लिए 1445.97 करोड़ रुपये, श्री क्षेत्र माहुरगढ़ विकास योजना के लिए 829 करोड़ रुपये कैबिनेट की बैठक में मंजूर किए गए हैं। साथ ही अहिल्यानगर में बालिकाओं और महिलाओं के लिए नई आईटीआई शुरू किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी तरह राहुरी, जिला अहिल्यानगर में वरिष्ठ स्तर का सिविल न्यायालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट की बैठक में ग्राम सामाजिक परिवर्तन फाउंडेशन (वीएसटीएफ) के अंतर्गत क्रियान्वित किए जा रहे मिशन महाग्राम कार्यक्रम की अवधि को 2022-25 के स्थान पर 2028 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। कैबिनेट की बैठक में धनगर समुदाय के छात्रों को एक प्रसिद्ध अंग्रेजी माध्यम आवासीय विद्यालय में शिक्षा प्रदान करने की योजना का नाम राजा यशवंतराव के नाम पर रखा गया है। यह योजना अब यशवंत विद्यार्थी योजना के रूप में क्रियान्वित की जाएगी। अब तक इस उद्देश्य के लिए 288.92 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं। राजा यशवंतराव होलकर ने 1797 से 1811 के बीच शिक्षा की उन्नति के लिए अनेक कार्य किये। गुरुकुल जैसी परम्परागत शिक्षा को बढ़ावा दिया। सैन्य शिक्षा में अनुशासन, नैतिकता और नेतृत्व गुण शामिल थे। शिक्षा सभी के लिए खुली कर दी गई। महल में लड़कियों के लिए शिक्षा सुविधाएं स्थापित की गईं। अब यह योजना उनके नाम पर रखी गई है। धनगर समाज के पोस्ट-मैट्रिक शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों के लिए राजस्व विभाग मुख्यालय में छात्रावास बनाने की योजना का नाम पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर छात्रावास योजना रखा गया है।

22 महीने में 99 प्रतिशत गांवों में पहुंचा 5 जी : सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज यहां कहा कि केवल 22 महीनों में 99 प्रतिशत गांवों को 5जी से जोड़ दिया गया और 82 प्रतिशत आबादी को नेटवर्क पर लाया गया है।श्री सिंधिया ने यहां भारत टेलीकॉम 2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि 470,000 टावर लगाए हैं और यह विकास नहीं बल्कि एक दूरसंचार क्रांति है। पूरे भारत में जो डिजिटल हाईवे बनाया गया है, वह केवल संचार के संदर्भ में नहीं है- यह एक ऐसा मजबूत बुनियादी ढांचा है जो 1.4 अरब नागरिकों को स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, शासन और आर्थिक अवसर तक पहुंच प्रदान करके सशक्त बनाता है। उन्होंने प्रगतिशील सुधारों और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों द्वारा समर्थित दूरसंचार निर्यातक और नवाचार के केंद्र के रूप में भारत की बढ़ती भूमिका का उल्?लेख किया। उन्?होंने कहा कि केवल गांवों को ही नहीं जोड़ रहे हैं अपितु भविष्य को भी जोड़ रहे हैं। जो भी टावर लगाते हैं, जो भी बाइट भेजते हैं, वह 1.4 अरब लोगों को अवसर के करीब लाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्?द्र मोदी का साहसिक दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प है जिसने भारत को एक डिजिटल अनुयायी से वैश्विक डिजिटल प्रमुख के रूप में परिवर्तित कर दिया है, आकांक्षाओं को बुनियादी ढांचे में और नीति को प्रगति में बदल दिया है।

मध्य प्रदेश में दो रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ सांची दूध, आज रात 12 बजे से लागू होंगे नए दाम

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश सहकारी दुग्ध संघ ने उपभोक्ताओं को बढ़ा झटका देते हुए सांची दूध के दाम बढ़ा दिए हैं। एक लीटर दूध के दाम में दो रुपये का इजाफा किया गया है, जबकि आधा लीटर के पैकेट पर एक रुपये की बढ़ोतरी की गई। दुग्ध संघ ने नई रेट लिस्ट जारी कर दी है। नई दरें आज रात 12 बजे से लागू हो जाएंगी।इससे पहले सांची ने पिछले साल जुलाई में अपने उत्पादों के दाम बढ़ाए थे। करीब 10 महीने के बाद फिर से दूध के रेट में बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, सांची डीटीएम 160 एमएल टोंड मिल्क एवं परिवार 200 मिमी पैक दूध के रेट में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इस संबंध में सांची प्रबंधन का कहना है कि दूध उत्पादन की लागत में बढ़ोतरी और कच्चे

माल की महंगाई के कारण यह फैसला लिया गया है। इस फैसले का सीधा असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। दुग्ध संघ द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, फुल क्रीम गोल्ड (आधा लीटर) पहले 33 का था, जो अब 34 रुपये में मिलेगा, जबकि फुल क्रीम गोल्ड (एक लीटर) की कीमत 65 रुपये से बढ़कर अब 67 रुपये हो गई है। स्टैंडर्ड दूध शक्ति (आधा लीटर) की कीमत 30 की जगह 31 रुपये और टोण्ड दूध ताजा (आधा लीटर) की कीमत 27 रुपये से बढ़कर 28 रुपये हो गई है। वहीं, डबल टोंड दूध स्मार्ट (आधा लीटर) अब 25 रुपये जगह 26 रुपये और चाय दूध (एक लीटर) अब 58 रुपये की जगह 60 रुपये में मिलेगा। गौरतलब है कि भोपाल में पैक्ड दूध में सांची की सबसे ज्यादा खपत होती है। रोज साढ़े तीन लाख लीटर से अधिक दूध की खपत है। अमूल की खपत 70 हजार लीटर है। इसके बाद सौरभ, श्रीधी, मदर डेयरी के दूध भी पैकेट में बिकते हैं। सौरभ और श्रीधी की बात करें, तो इनकी करीब एक लाख लीटर दूध की खपत शहर और भोपाल के ग्रामीण इलाकों में है। मदर डेयरी ब्रांड के दूध की ज्यादातर खपत शहर में ही होती है। भोपाल में पैक्ड दूध की तुलना में खुले दूध की बिक्री ज्यादा होती है। खुले दूध की खपत 8 से 9 लाख लीटर तक प्रतिदिन है।

खुला दूध भी महंगा हुआ है। कई डेयरियों पर प्रति लीटर दो रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। गौरतलब है कि छह दिन पहले यानी एक मई को अमूल ने दूध के भाव बढ़ाए थे। एक लीटर दूध पर दो रुपए, जबकि आधा लीटर पर एक रुपये की बढ़ोतरी की गई थी। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर समेत प्रदेश के सभी जिलों में नए रेट लागू हो गए हैं। अब सांची ने भी दूध के दाम बढ़ाकर उपभोक्ताओं को बड़ा झटका दिया है।

व्यापारी परिसंघ ने किया सेना का समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान की कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भारतीय सेना की कार्रवाई का समर्थन किया है। परिसंघ महामंत्री और भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा है कि आज देशवासियों के लिए गर्व और खुशी का दिन है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों पर सटीक और सफलतापूर्वक हमला कर उन्हें ध्वस्त कर दिया है। यह कार्रवाई हमारे वीर सैनिकों की असाधारण बहादुरी, साहस और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि अब आतंकवाद को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह कार्रवाई केवल एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि नए भारत की निर्णायक और सशक्त सोच का प्रमाण है। श्री खंडेलवाल ने कहा, भारत के नौ करोड़ से अधिक व्यापारियों की ओर से हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं तीनों सेनाओं को सैल्यूट करते हैं ।देश का व्यापारी वर्ग पूर्ण दृढ़ता के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी के हर कदम में उनके साथ है। उन्होंने कहा कि हम तीनों सेनाओं थलसेना, वायुसेना और नौसेना के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हैं, जिन्होंने मिलकर यह ऐतिहासिक अभियान सफल बनाया है।

डिजिटलीकरण के पूर्ण लाभ के लिए डिजिटल अंतर को कम करने की जरूरतः रिपोर्ट

एजेंसी

मिलान, इटली। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की एक नई रिपोर्ट के अनुसार डिजिटलीकरण एशिया और प्रशांत क्षेत्र में लगातार आर्थिक असमानता को कम करने में मदद करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण हो सकता है लेकिन इसकी क्षमता का दोहन करने के लिए, सरकारों को बुनियादी ढांचे, पहुँच और कौशल में अंतर सहित 'डिजिटल अंतर' को कम करने की आवश्यकता है। हालाँकि विकासशील एशिया और प्रशांत क्षेत्र ने हाल के दशकों में डिजिटल विकास में अन्य क्षेत्रों को पीछे छोड़ दिया है, लेकिन लाभ समान रूप से साझा नहीं किए गए हैं। आज जारी की गई एशियाई विकास नीति रिपोर्ट 2025ः हार्नेसिंग डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन फ़ॉर गुड के अनुसार, पूरे क्षेत्र में इंटरनेट का उपयोग करने वाले निवासियों का प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में 13 प्रतिशत अधिक है। शहरी क्षेत्रों में मोबाइल इंटरनेट डाउनलोड की गति भी ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। पिछले अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र की कई विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ डिजिटल समावेशन के मामले में पिछड़ी हुई हैं और उनमें आम तौर पर डिजिटल कौशल का स्तर कम है।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को लगी 6.85 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरकर लाल निशान में पहुंच गए। हालांकि दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सपोर्ट देने की कोशिश भी की। इसके बावजूद शेयर बाजार की स्थिति में अधिक सुधार नहीं हो सका। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.19 प्रतिशत और निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान रियल्टी, पीएसयू बैंक और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का जोर बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सात लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 420.63 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 427.48 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 6.85 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,072 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 787 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,151 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 134 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,580 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 489 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,171 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 110.40 अंक की तेजी के साथ 80,907.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद से ही बाजार में मुनाफा वसूली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। चौतरफा बिकवाली के कारण यह सूचकांक 315.81 अंक टूट कर 80,481.03 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार होता हुआ नजर आया। इसके बावजूद पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 155.77 अंक की कमजोरी के साथ 80,641.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 39.60 अंक की बढ़त के साथ 24,500.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से पहले सत्र के कारोबार में ही यह सूचकांक 129.35 अंक लुढ़क कर 24,331.80 अंक तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली करके बाजार को सपोर्ट देने की कोशिश भी की, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि यह सूचकांक लगातार लाल निशान में ही कारोबार करता रहा ।

मेट गाला की रात से पहले ही

प्रियंका चोपड़ा

ने खींचा सबका ध्यान, स्किनफिट ड्रेस में निक की बीवी ने फ्लॉन्ट किया किलर फिगर

फैशन शो मेट गाला की बात जब भी होती है तो देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस का नाम सबसे पहले जुबान पर आता है। इस बार 5 मई से मेट गाला 2025 का आगाज होगा। ऐसे में फैशन के सबसे बड़े इवेंट के लिए मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट अपना रेड कार्पेट बिछाएगा।फैशन शो मेट गाला की बात जब भी होती है तो देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस का नाम सबसे पहले जुबान पर आता है। इस बार 5 मई से मेट गाला 2025 का आगाज होगा। ऐसे में फैशन के सबसे बड़े इवेंट के लिए मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट अपना रेड कार्पेट बिछाएगा।

तभी तो इस साल मेट गाला की रात से पहले ही उन्होंने अपने अंदाज से सबका दिल जीत लिया है। दरअसल, प्रियंका ने प्री-मेट इवेंट में शिरकत की थी। इस दौरान की तस्वीरें इस समय इंटरनेट पर छाई हैं। लुक की बात करें तो प्रियंका ब्लैक फिटिंग ड्रेस में कहर ढा रही थी।

जब पवनदीप राजन ने स्वीकारा मनोज मुंतशिर का चैलेंज, मंच पर सबके सामने जो किया, हर कोई रह गया था दंग

अपनी आवाज से लाखों दिलों पर राज करने वाले पवनदीप राजन अस्पताल में भर्ती हैं. 5 मई को उनकी कार का एक्सीडेंट हो गया, जिसके बाद से नोएडा में उनका इलाज चल रहा है. उन्होंने पिछले कुछ सालों में लोगों के दिलों में बेहद ही खास जगह बनाई है. वो सिंगिंग रिएलिटी शो 'इंडियन आइडल 12' के जरिए लोगों की नजरों में आए थे. उन्होंने इस शो का खिताब तो अपने नाम किया ही था, साथ ही कई ऐसे कारनामे भी कर दिखाए थे, जिसे देखकर हर कोई दंग रह गया था.'इंडियन आइडल 12' में एक दफा मनोज मुंतशिर के सामने पवनदीप ने उनका ही लिखा गाना 'तेरी मिट्टी' गाया था. पवन की आवाज सुनकर मनोज ने उनकी काफी तारीफ की थी, साथ ही उन्होंने पवन को एक चैलेंज भी दिया था और कहा था कि अगर वो इस चैलेंज को पूरा कर लेते हैं तो वो उन्हें टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार से मिलवाएंगे. चैलेंज एक संगीत कंपोज करने का था.

मनोज मुंतशिर ने क्या कहा था ?

मनोज मुंतशिर ने कहा था, मैं आपको टेस्ट करना चाहता हूं. और ये टेस्ट सिर्फ एक टेस्ट नहीं है. मैं इंडियन आइडल के स्टेज से नेशनल टेलीविजन पर एक वादा करता हूं कि अगर आप इस टेस्ट में पास हुए, तो मैं टी-सीरीज के मालिक भूषण कुमार जी के पास ले जाकर, उनके सामने आपको बिठाऊंगा और एक धुन जो आप अभी बनाने वाले, वो आप डायरेक्टली उनको सुनाएंगे.

चैलेंज में मनोज के साथ उनके को-कंटेस्टेंट आशीष कुलकर्णी भी थे. चैलेंज को मुश्किल बनाते हुए मनोज मुंतशिर ने दोनों को ज्यादा समय नहीं दिया था. उन्होंने तुरंत ही लिरिक्स दे दिए थे और कहा था कि आपके पास ज्यादा समय नहीं है, कुछ ही पल में आपको कंपोजिशन तैयार करना है. इस चैलेंज को स्वीकार करते हुए पवनदीप और आशीष ने कंपोजिशन तैयार भी कर दिया था.

तारीफ में अनु मलिक ने क्या कहा था ?

उस गाने के लिरिक्स कुछ इस तरह थे, ज्यादा कुछ सोचा नहीं कह दिया था तो कह दिया. हमने तुमको जिंदगी कह दिया तो कह दिया. पवनदीप और आशीष ने मिलकर ऐसा कंपोजिशन तैयार किया था और अपनी आवाज से ऐसा गाना गया था कि हर कोई हैरान रह गया था कि दोनों ने इतने कम समय में कैसे कंपोज कर दिया. धुन सुनने के बाद मनोज ने मजाकिया अंदाज में कहा था, पवन-आशीष मेरे पास 10-12 मुखड़े और हैं, प्लीज कंपोज कर दो यार.

शो के जज अनु मलिक ने भी दोनों की तारीफ की थी और कहा था, मैंने अच्छे की उम्मीद की थी, लेकिन मैं ईमादारी से कहना चाहता हूं कि मैंने इतने अच्छे की उम्मीद नहीं की थी. उन्होंने ये भी कहा था, इंडियन आइडल के मंच पर सिंगर्स तो पैदा होते ही हैं, अब संगीतकार भी पैदा हो गया है.